वर्ष 1, अंकः 56, मूल्य 5/
गढ़वा, रविवार, 02 अगस्त 2026
www.jharkhandvarta.com
शिकायत या सुझाव : jharkhandvartaranchi@gmail.com पर मेल करें, PRGI No. JHHIN/25/A0561

झारखंड वार्ता

गढ़वा से प्रकाशित, रांची से मुद्रित
खबर आम हो खास, पहुंचेगी आपके पास

जस्टिस उज्ज्वल भुयान ने कॉलेजियम व्यवस्था पर उठाए गंभीर सवाल

बोले- 'जनता को जानने का है हक'

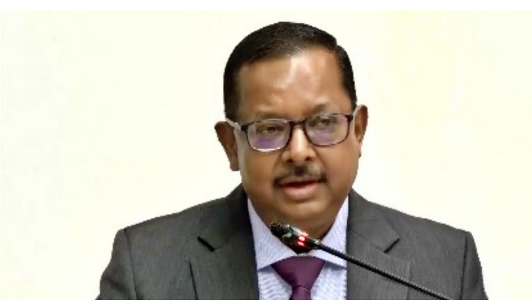

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश उज्ज्वल भुयान ने शनिवार को इस बात पर जोर दिया कि नागरिकों को यह जानने का अधिकार है कि अदालतों में क्या चल रहा है और उनके न्यायाधीश कौन होंगे. जजों की नियुक्ति के पीछे के कारणों को उजागर न करने के लिए कॉलेजियम की तीखी आलोचना करते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी अपारदर्शिता न्यायाधीशों को असंवैधानिक टिप्पणियां करने की गुंजाइश देती है.

वह कानूनी थिंक-टैंक 'विधि' की जाल्दी (JALDI) पहल द्वारा तैयार एक रिपोर्ट के विमोचन के दौरान एक पैनल चर्चा में बोल रहे थे. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कारण न बताकर, यह संस्था वास्तव में उन कई न्यायाधीशों के साथ अन्याय करती है जो वास्तव में उत्कृष्ट हैं और जिन्होंने बेहतरीन काम किया है.

जस्टिस भुयान ने कहा- "इसके विपरीत, कारणों को छिपाकर, हम ऐसे व्यक्तियों के लिए न्यायपालिका में प्रवेश करने का रास्ता भी बना देते हैं जो बाद में लोगों के समूहों को 'चींटियां' कह सकते हैं और ऐसी अन्य टिप्पणियां कर सकते हैं जो पूरी तरह से असंवैधानिक और संविधान के मूल्यों के खिलाफ हैं."

उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों के प्रवेश को रोकने के लिए, "कुछ चर्चा होनी चाहिए, कुछ कारण बताए जाने चाहिए." जस्टिस भुयान ने कहा कि हाल ही में एक हाई कोर्ट के जज ने ऐसी टिप्पणियां की थीं.

हालांकि भुयान ने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक पूर्व जज ने 2024 में वीएचपी (VHP) के एक कार्यक्रम में अपनी टिप्पणियों से भारी विवाद खड़ा कर दिया था. जिसके बाद विपक्षी नेताओं ने उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी. इसे "हेट स्पीच" करार दिया था. HC जज ने कहा था, "हमारे देश में हमें सिखाया जाता है कि छोटे से छोटे जानवर को भी नुकसान न पहुंचाएं, चींटियों को न मारें, और यह सीख हमारे अंदर बसी हुई है. शायद इसीलिए हम सहनशील और दयालु हैं. जब दूसरे दुखी होते हैं तो हमें दर्द होता है. लेकिन आपके कल्चर में, छोटी उम्र से ही बच्चों को जानवरों को मारते हुए देखा जाता है. आप उनसे सहनशील और दयालु होने की उम्मीद कैसे कर सकते हैं?"

मोदी ने स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक युवा केंद्र, विवेक स्मारक का उद्घाटन किया

मोदी बोले-पहले एयरपोर्ट के नाम एक ही परिवार पर थे

एजेंसी अमरावती

पीएम मोदी ने शनिवार को मैसूरु में स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक युवा केंद्र, विवेक स्मारक का उद्घाटन किया। इससे पहले, मोदी आंध्र प्रदेश में थे। उन्होंने अमरावती में कहा, 'देश में पहले एयरपोर्ट के नाम एक ही परिवार के नाम पर होते थे, लेकिन हमारी सरकार ने इस परंपरा को बदल दिया।'

उन्होंने कहा, 'हमने अयोध्या में एयरपोर्ट का नाम बाल्मीकी के नाम से जोड़ा। पंजाब में एयरपोर्ट का नाम संत रविदासजी के नाम पर रखा। इस एयरपोर्ट का नाम श्री अल्लूरी सीताराम राजू के नाम पर रखा है।'

पीएम ने यहां भोगपुरम एयरपोर्ट समेत 18 हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

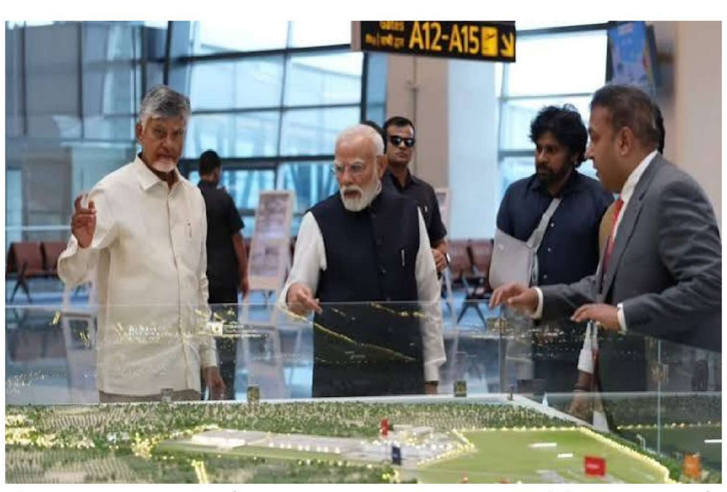

पीएम बोले- मेरे जीवन में रामकृष्ण मिशन का योगदान

पीएम मोदी ने मैसूर में कहा कि आप सब जानते हैं मेरी यात्रा जहां से शुरू हुई उसमें रामकृष्ण मिशन का बहुत अहम योगदान है। मैं 3 महीने पहले हावड़ा में बेलूर मठ गया था। वहां भी मैंने मठ के गुरुओं का आशीर्वाद लिया।

पीएम ने कहा- आज आंध प्रदेश में डबल स्पीड से काम हो रहा

पीएम ने कहा- आज चंद्रबाबू नायडू और पवन कल्याण के नेतृत्व में एनडीए की पूरी टीम आंध्र प्रदेश के लिए डबल स्पीड से काम कर रही है। आंध्रप्रदेश में करीब 1 लाख करोड़ रुपए की रेल परियोजनाओं पर काम चल रहा है। राज्य के पूरे रेल नेटवर्क का इलेक्ट्रिफिकेशन हो चुका है। यहां 70 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों को आधुनिक बनाया जा रहा है।

पीएम बोले- 12 साल में एयरपोर्ट की संख्या 74 से बढ़कर 166 हुई

प्रधानमंत्री ने कहा- कुछ दिन पहले ही सरकार ने उड़ान योजना के दूसरे फेज की शुरुआत की है, इस पर भी 29 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

कुछ दिन पहले काशी में स्पोक एयरपोर्ट मॉडल का शुभारंभ हुआ। आज वही मॉडल के पंजाब के अमृतसर तक पहुंच गया है। इससे अमृतसर से 25 से ज्यादा डेस्टिनेशन जुड़ जाएंगी।

मोदी बोले-पहले एक परिवार के नाम पर एयरपोर्ट होते थे

पीएम ने कहा- पहले एयरपोर्ट ने नाम एक ही परिवार के नाम पर होते थे। हमने इस परंपरा को बदला। हमने अयोध्या में एयरपोर्ट का नाम बाल्मीकी के नाम से जोड़ा। पंजाब में एयरपोर्ट का नाम संत रविदासजी के नाम पर रखा, और इस एयरपोर्ट का नाम श्री अल्लूरी सीताराम राजू के नाम पर रखा।

पीएम ने कहा- अल्लूरी सीताराम ने आदिवासियों के लिए काम किया

मोदी ने कहा कि ये अल्लूरी सीताराम राजू की धरती है। अल्लूरी सीताराम ने जिस धरती पर आदिवासी हितों के लिए अपना जीवन समर्पित किया, आज वहां पर आंध्र प्रदेश के एक नए एयरपोर्ट की शुरुआत हो रही है।

ये एयरपोर्ट आंध्र और उत्तर आंध्र की ग्रोथ का रनवे है। ये आंध्र के युवाओं के बेहतर भविष्य का लॉन्चपैड है।

मोदी बोले- आज का दिन स्वर्ण आंध्र के विजन के लिए बहुत अहम

आज का दिन आंध्र प्रदेश के विकास के लिए बेहद अहम है। स्वर्ण आंध्र विजन को नई गति मिली है। शुभ अवसर पर उत्तर आंध्र की पवित्र भूमि पर आने का सौभाग्य मिला। भगवान वराहलक्ष्मीनरसिंह स्वामी, श्री कुर्मनाथस्वामी और मां पौंडितल्ली अम्मवारू को नमन। 18 हजार करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ। इनमें एयरपोर्ट, सड़क और ऊर्जा परियोजनाएं शामिल हैं। विकास के साथ भिमसा (धीमसा) नृत्य ने भी नया सांस्कृतिक रिकॉर्ड बनाया। धीमसा नृत्य ने विश्व रिकॉर्ड बनाया। 13 हजार से ज्यादा आदिवासी बहनों और बेटियों की प्रस्तुति अद्भुत रही। इसमें देश की विविधता और जनजातीय विरासत की झलक दिखी।

गोल आकार की झोपड़ी या घर होते हैं चुट्टिलू कॉटेज

आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों की एक पारंपरिक गोलाकार झोपड़ी या घर बनाया जाता है। जिसे चुट्टिलू कहते हैं। तेलुगु में चुट्टिलू का अर्थ ही ÷गोल घर÷ होता है। यह कोई आधुनिक कॉटेज नहीं, बल्कि सदियों पुराने लोकल वर्नाकुलर आर्किटेक्चर का नमूना हैं। इन घरों की गोल आकृति इन्हें तेज चक्रवाती तूफान से बचाती है। गोल आकार हवा को मोड़ देता है। इससे नुकसान कम होता है। अराकू वैली का फोक डांस है ढिमसा आंध्र प्रदेश का मशहूर आदिवासी लोकनृत्य है। इसे मुख्य रूप से अराकू वैली और अल्लूरी सीताराम राजू के आदिवासी समुदायों करते हैं। मुख्य रूप से बगता, वाल्मीकि, कोंडा डोरा, गडाबा, जटापू, पोरजा, मुक्का डोरा जैसे आदिवासी समुदायों की महिलाएं इसे करती हैं। इसे फसल कटाई के बाद, विवाह समारोह, ग्राम उत्सव और धार्मिक पर्वों पर किया जाता है।

आज की पीढ़ी को इसका सही मतलब समझना होगा, ये लंबे संघर्ष के बाद मिली है

अजीत डोभाल ने कहा- आजादी का मतलब केवल मनमानी नहीं

एजेंसी पुणे

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने शनिवार को पुणे में कहा, ' युवाओं को यह समझना होगा कि आजादी का मतलब केवल अपनी मर्जी से कुछ भी करने की मनमानी नहीं है।' कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे।

उन्होंने कहा, 'युवा आजादी को केवल अपनी इच्छा के अनुसार कुछ भी करने की स्वतंत्रता समझ सकते हैं, लेकिन आजादी का वास्तविक अर्थ यह नहीं है। हमें यह समझाना होगा कि देश की आजादी के पीछे एक लंबा संघर्ष और इतिहास रहा है।'

दरअसल, 1 अगस्त को अजीत डोभाल को लोकमान्य तिलक पुरस्कार मिला। इस कार्यक्रम में गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे।

डोभाल ने अधिकारों के दुरुपयोग पर जताई चिंता

एनएसए ने कहा कि आज के युवाओं को सोचना चाहिए कि वे केवल राष्ट्रहित में काम करेंगे। उन्हें निजी हितों का त्याग करने के लिए तैयार रहना चाहिए और अगर ऐसे विचार मन में आएं भी, तो उन्हें नजरअंदाज कर देना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि देश अपने मिशन में सफल होगा और इतिहास का एक नया अध्याय लिखेगा।

शाह बोले- डोभाल को एनएसए बनाना मोदी का पहला फैसला

शाह ने बताया कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद पीएम मोदी द्वारा लिए गए पहले फैसलों में से एक अजीत डोभाल को एनएसए नियुक्त करना था। उन्होंने कहा कि इस कदम ने भारत के रणनीतिक रुख को बदल दिया। आज भारत की विदेश नीति में फौलाद जैसी मजबूती है और हमने आत्मसम्मान के साथ दुनिया में अपनी स्थिति मजबूत की है।

कुलगाम में मजदूरों की हत्या का शक आतंकी लतीफ पर

22 जुलाई के पहलगाम अटैक में भी इसी आतंकी का नाम आया था

एजेंसी श्रीनगर

दक्षिण कश्मीर के कुलगाम में छत्तीसगढ़ के 2 मजदूरों की हत्या में लश्कर-ए-तैयबा के प्रॉक्सी द रेजिस्टेंस फ्रंट के आतंकियों ने की है। यह जानकारी खुफिया सूत्रों ने दी है। सूत्रों ने बताया कि इस वारदात को अंजाम मुख्य संदिग्ध मोहम्मद लतीफ ने दिया है। यह लश्कर में शामिल होने के बाद से लापता है। शुक्रवार रात करीब 8॰30 बजे कुलगाम के केलाम में आतंकवादियों ने ईंट-भट्ठे पर काम कर रहे 2 हिंदू मजदूरों को नाम पूछकर गोली मार दी।

पुलिस को यह जानकारी मौके पर मौजूद दूसरे मजदूरों ने दी। दोनों मृतक छत्तीसग? के रहने वाले थे। ये हत्याएं पहलगाम जैसे पैटर्न पर की गई। 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था।

जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ी कॉलेज छात्रा झारखंड से गिरफ्तार

हनीट्रैप के जरिए संवेदनशील जानकारी जुटाने का आरोप, पश्चिम बंगाल एसटीएऊ अपने साथ ले गई

एजेंसी नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने संदिग्ध जैश-ए-मोहम्मद संगठन के आतंकी हमीम मंडल की गिरफ्तारी के बाद झारखंड के साहिबगंज जिले के बरहरवा थाना क्षेत्र से 21 साल का कॉलेज छात्रा अर्पिता सरकार को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ का दावा है कि अर्पिता हमीम मंडल के संपर्क में थी। अर्पिता की भूमिका की जांच एक संदिग्ध आतंकी मॉड्यूल के संदर्भ में की जा रही है। गिरफ्तारी के बाद उसे ट्रांजिट रिमांड पर पश्चिम बंगाल के बर्द्धमान ले जाया गया है। एसटीएफ के अनुसार, गुरुवार को पूर्व बर्द्धमान से गिरफ्तार हमीम मंडल से पूछताछ और डिजिटल साक्ष्यों की जांच के दौरान अर्पिता सरकार का नाम सामने आया। एजेंसी का कहना है कि दोनों के बीच कई वाट्सएप चैट और अन्य डिजिटल संवाद मिले हैं, जिनकी जांच की जा रही है। यह भी दावा किया गया है कि दोनों सामान्य फोन कॉल के बजाय एन्क्रिप्टेड एप के माध्यम से संपर्क में रहते थे।

ई20 फ्यूल का विरोध- केजरीवाल पीएम आवास तक मार्च निकालेंगे

बोले- पेट्रोल पंप पर शुद्ध पेट्रोल भी मिले, सरकार इसे थोपे नहीं

एजेंसी नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा, 'पेट्रोल पंपों पर ग्राहकों को शुद्ध पेट्रोल और ई20 के बीच चुनने का विकल्प दिया जाए। अगर ये मांग नहीं मानी जाती है तो 4 अगस्त को पीएम आवास तक मार्च निकाला जाएगा।

यह बात केजरीवाल ने ई20 फ्यूल के मुद्दे पर बुलाई 'नेशनल टाउन हॉल' में कही। उन्होंने बताया कि वे 3 अगस्त की दोपहर तक याचिकाएं इकट्ठा करेंगे। इसके बाद करीब 100 लोगों के साथ पीएम आवास तक विरोध प्रदर्शन करेंगे।

उन्होंने कहा कि अगर इथेनॉल फायदेमंद नहीं है, तो इसे बढ़ावा क्यों दिया जा रहा है। सरकार नागरिकों पर इसे क्यों थोप रही है।

केजरीवाल बोले- इथेनॉल पेट्रोल से महंगा

केजरीवाल ने कहा, इथेनॉल बनाने वाले प्लांट के आस-पास के इलाकों में जमीन के नीचे का पानी प्रदूषित हो जाता है। मेरी सरकार से अपील है कि वह उस रिपोर्ट को सार्वजनिक करे, जिसका हवाला देकर सरकार ने दावा किया था कि श्व20 से वाहनों को कोई नुकसान नहीं होता है। नेशनल टाउन हॉल' में कई राज्यों के लोग शामिल हुए। उन्होंने श्व20 के इस्तेमाल को लेकर अपने अनुभव और समस्याओं के बारे में बताया जिनका सामना उन्हें अपने वाहनों के साथ करना पड़ रहा है।

भारत में क्यों हो रहा है ई20 पेट्रोल का विरोध?

भारत में 20त्न एथेनॉल और 80त्न पेट्रोल के इस मिश्रण का विरोध हो रहा है। खासकर 2023 से पहले बनी पेट्रोल गाड़ियों के मालिक परेशान हैं। उनका दावा है कि इस फ्यूल से गाड़ियों का माइलेज कम हो रहा है, मेंटेनेंस का खर्च बढ़ गया है। इंजन के पार्ट्स जल्दी खराब हो रहे हैं।

आप ने पीएम को संबोधित ऑनलाइन याचिका शुरू की थी

आप ने प्रधानमंत्री को संबोधित एक ऑनलाइन याचिका शुरू की थी, जिस पर दो लाख से अधिक लोगों ने हस्ताक्षर किए हैं।

सड़कों पर पशुओं से हादसों में मुआवजा दिया जाए

एजेंसी नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सड़कों पर घूम रहे आवारा पशुओं से होने वाले हादसों पर गंभीर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा- पशुओं को नेशनल हाईवे, सड़कों और गलियों में यूं ही नहीं छोड़ सकते। वे नेचुरल स्पीड ब्रेकर नहीं हैं। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने शुक्रवार को केंद्र और राज्य सरकारों से ऐसे हादसों के पीड़ितों को मुआवजा देने का नियम बनाने को कहा। साथ ही सुझाव दिया कि जरूरत हो तो इसके लिए कानूनों और नियमों में संशोधन भी किया जाए।

सांड के हमले में पति की मौत पर 15 लाख मुआवजा

कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को यह सलाह पंजाब के संगरूर की रहने वाली निशा की याचिका पर दी।

राहुल गांधी का तमिलनाडु दौरा, चेन्नई एयरपोर्ट पहुंचे

मामल्लापुरम में कांग्रेस के प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करेंगे

एजेंसी चेन्नई

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शनिवार को तमिलनाडु दौरे पर चेन्नई एयरपोर्ट पहुंचे। वह मामल्लापुरम में कांग्रेस के जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों के लिए 23 जुलाई से 1 अगस्त तक चले 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह को संबोधित करेंगे।

साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर रोडमैप तैयार करेंगे। बैठक का मुख्य फोकस बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को अधिक प्रभावी ढंग से जोड़ना है।

बैठक के बाद राहुल गांधी राज्य के सांसदों, विधायकों, पूर्व विधायकों और पूर्व उम्मीदवारों के साथ भी अलग से बैठक करेंगे।

सीएम विजय से मिलने का कार्यक्रम नहीं

तमिलनाडु के प्रभारी महासचिव गुलाम अहमद मीर ने बताया कि संगठन सृजन अभियान का उद्देश्य बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को जागरूक करना, कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना और प्रत्येक बूथ पर मजबूत संगठनात्मक ढांचा खड़ा करना है।

अहमद मीर ने यह भी बताया कि तमिलनाडु यात्रा के दौरान राहुल का मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय से मिलने का कोई कार्यक्रम नहीं है।

मौसम

स्वतंत्रता दिवस से पहले दिल्ली में अभेद्य सुरक्षा घेरा

2 से 16 अगस्त तक ड्रोन, पैराग्लाइडर और हॉट एयर बलून उड़ाने पर प्रतिबंध

एजेंसी नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए राजधानी में 2 से 16 अगस्त तक ड्रोन सहित सभी तरह के छोटे हवाई प्लेटफॉर्म उड़ाने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत जारी किया गया यह आदेश 15 दिनों तक लागू रहेगा, जिसमें 15 अगस्त के समारोह से पहले और तुरंत बाद की अवधि शामिल है। आधिकारिक आदेश के अनुसार, ऐसी खबरें मिली हैं कि कुछ आपराधिक, असामाजिक तत्व या आतंकवादी उप-पारंपरिक हवाई प्लेटफार्मों का उपयोग करके आम जनता, गणमान्य व्यक्तियों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं।÷

जंतर-मंतर पर बड़ी आतंकी साजिश की फिराक में थे संदिग्ध॰ पुलिस की वर्दी पहनकर हमले का था प्लान; निशाने पर थे छ्वरू शुभेंदु अधिकारी– बंगाल स्न्रस्न ये भी प? जंतर-मंतर पर बड़ी आतंकी साजिश की फिराक में थे संदिग्ध॰ पुलिस की वर्दी पहनकर हमले का था प्लान; निशाने पर थे छ्वरू शुभेंदु अधिकारी– बंगाल स्नस्न

खुफिया एजेंसियों से मिले इनपुट में आशंका जताई गई है कि असामाजिक तत्व या आतंकवादी ड्रोन और अन्य छोटे हवाई प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर आम लोगों, वीआईपी, संवेदनशील सरकारी भवनों और स्वतंत्रता दिवस समारोह को निशाना बनाने की कोशिश कर सकते हैं। ऐसे किसी भी खतरे को पहले ही खत्म करने के लिए यह प्रतिबंध लगाया गया है। बीएनएसएस के तहत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिल्ली पुलिस आयुक्त ने निर्देश दिया कि अधिसूचित अवधि के दौरान दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) के अधिकार क्षेत्र में कहीं भी इन चीजों को उड़ाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

पांच साल से फरार चर्चित लूटकांड का आरोपी बिहार से गिरफ्तार

फाइनेंस कर्मी से हथियार के बल पर की थी लूट

झारखंड वार्ता संवाददाता

श्री बंशीधर नगर (गढ़वा)। केतार थाना क्षेत्र में वर्ष 2021 में हुए चर्चित लूटकांड के फरार आरोपी को पुलिस ने पांच वर्षों बाद गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गढ़वा पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष छापेमारी टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर बिहार के रोहतास जिले के डेहरी स्थित तार बंगला मोड़ के पास से आरोपी अतुल राय उर्फ अतुल प्रकाश राय को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी ने पूछताछ में लूटकांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए घटना से जुड़े कई महत्वपूर्ण तथ्यों का खुलासा किया है। इस संबंध में शनिवार को आयोजित प्रेसवार्ता में एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह ने बताया कि 30 जुलाई 2026 को पुलिस अधीक्षक को सूचना मिली थी कि केतार थाना कांड संख्या 11/2021 (12 फरवरी 2021) का फरार आरोपी बिहार के रोहतास जिले के डेहरी क्षेत्र में किराये के मकान में रह रहा है। सूचना मिलते ही उनके नेतृत्व में विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को उसके ठिकाने के पास से दबोच लिया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी बिहार के बक्सर जिले के राजापुर गांव का निवासी है। पूछताछ के दौरान उसने लूटकांड में अपनी भूमिका स्वीकार की है। इस मामले में पुलिस पहले ही कुंदन कुमार गुप्ता, दीपक पासवान और अमरजीत चौधरी को गिरफ्तार कर चुकी है।

हथियार के बल पर फाइनेंस कर्मी से की थी लूट

एसडीपीओ ने बताया कि 12 फरवरी 2021 को खैरवा गांव के समीप दो बाइक पर सवार चार अपराधियों ने हथियार का भय दिखाकर एक फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी से उसकी बाइक और मोबाइल फोन लूट लिया था। घटना के बाद पीड़ित के आवेदन पर केतार थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अनुसंधान के दौरान तकनीकी साक्ष्यों और अन्य प्रमाणों के आधार पर आरोपी की संलिप्तता सामने आई थी।

अन्य मामलों में भी हो रही जांच

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी और उसके सहयोगियों के तार आसपास के जिलों में हुई अन्य आपराधिक घटनाओं से भी जुड़े होने की आशंका है। पुलिस इस दिशा में भी जांच कर रही है। पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

विशेष टीम ने की कार्रवाई

इस कार्रवाई में एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह के नेतृत्व में भवनाथपुर अंचल के पुलिस निरीक्षक, केतार थाना प्रभारी अरुण कुमार रवानी, अनुसंधानकर्ता चंदन कुमार साह तथा थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। प्रेस वार्ता में सीडीपीओ के अलावे श्री बंशीधर नगर पुलिस निरीक्षक जितेंद्र कुमार आजाद भवनाथपुर इंस्पेक्टर गुलाब सिंह, केतार थाना प्रभारी आदि मौजूद थे।

2005 वाला भानू प्रताप शाही बनने पर मजबूर मत करिए- बिजली विभाग को पूर्व मंत्री की कड़ी चेतावनी

▶▶किसानों को 15 घंटे निर्बाध बिजली दें,जर्जर तार-पोल बदलने और गलत बिजली बिल सुधारने की उठाई मांग

झारखंड वार्ता संवाददाता

श्री बंशीधर नगर (गढ़वा)। पूर्व मंत्री एवं भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष भानू प्रताप शाही ने भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र में लगातार हो रही बिजली कटौती और किसानों की समस्याओं को लेकर शनिवार को विद्युत विभाग के डिवीजन कार्यालय पहुंचकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से क्षेत्र की बिजली व्यवस्था की विस्तृत जानकारी ली और किसानों को राहत देने के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाने की मांग की। बैठक के दौरान श्री शाही ने कार्यपालक अभियंता सहित विभागीय अधिकारियों से कहा कि समय पर पर्याप्त बारिश नहीं होने के कारण किसान पूरी तरह सिंचाई के लिए बिजली पर निर्भर हैं। धान रोपनी का समय चल रहा है, लेकिन लगातार बिजली की आंख-मिचौनी से किसानों की खेती प्रभावित हो रही है। उन्होंने मांग की कि किसानों को प्रतिदिन कम से कम 15 घंटे निर्बाध बिजली उपलब्ध कराई जाए, ताकि सिंचाई कार्य सुचारू रूप से हो सके। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा, आप नए आए हैं, शायद मेरे बारे में जानकारी नहीं हो। पुराने अधिकारियों से पूछ लीजिए। मुझे 2005 वाला भानू प्रताप शाही बनने पर मजबूर मत करिए। उन्होंने कहा कि यदि किसानों की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ तो विभाग के खिलाफ व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा। पूर्व मंत्री ने विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि कई गांवों में बिजली कनेक्शन तो दे दिए गए हैं, लेकिन आज तक पोल और तार नहीं लगाए गए हैं। लोग मजबूरी में बांस-बल्ली के सहारे बिजली का उपयोग कर रहे हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। उन्होंने जर्जर तारों और पुराने पोलों को तत्काल बदलने तथा लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का निर्देश दिया। स्मार्ट और डिजिटल मीटर से आ रहे अधिक बिजली बिलों पर भी उन्होंने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि जिन उपभोक्ताओं का बिल लगभग एक हजार रुपये होना चाहिए, उन्हें चार से पांच हजार रुपये तक का बिल भेजा जा रहा है।

ऐसे मामलों के समाधान के लिए विशेष शिविर लगाकर गलत बिलों में सुधार करने और उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने की मांग की। बैठक के दौरान चितरी गांव के दक्षिण टोला के एक किसान ने सहायक विद्युत अभियंता प्रदीप सिंह पर क्षेत्र में लंबे समय से बांस-बल्ली के सहारे बिजली लाइन चलने और शिकायत के बावजूद समाधान नहीं होने का आरोप लगाया। किसान ने कथित रूप से पैसे मांगने का भी आरोप लगाया। इस पर भानू प्रताप शाही ने अधिकारियों को मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। मौके पर लक्ष्मण राम, शैलेश चौबे, कुमार कनिष्क, मधुबाला देवी,अशोक सेठ,सोनू सिंह, पंकज सिंह सहित कई किसान एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे।

श्री बंशीधर नगर के इकबाल खान दो वर्ष के कठोर कारावास की सजा, आर्म्स एक्ट मामले में कोर्ट का फैसला

झारखंड वार्ता संवाददाता

श्री बंशीधर नगर (गढ़वा)। नगर ऊंटारी अनुमंडलीय न्यायालय ने आर्म्स एक्ट से जुड़े एक मामले में दोषी करार दिए गए अभियुक्त को दो वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने दोषी पर दो हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ना अदा नहीं करने की स्थिति में एक माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। अपर/सहायक लोक अभियोजक द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, नगर ऊंटारी थाना कांड संख्या 243/2024 (जीआर संख्या 161/2025) से संबंधित मामले में अनुमंडलीय न्यायालय की न्यायिक पदाधिकारी राजश्री अपर्णा कुजूर (एसीजेएम) ने फैसला सुनाया। न्यायालय ने चेचरिया निवासी इकबाल खान (पिता- यासीन खान) को आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-बी)/26 के तहत दोषी पाते हुए दो वर्ष के कठोर कारावास तथा 2,000 रुपये जुमार्ना की सजा सुनाई। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि यदि दोषी निर्धारित जुमार्ना राशि जमा नहीं करता है, तो उसे एक माह का अतिरिक्त कारावास भी भुगतना होगा। न्यायालय के इस फैसले को अवैध हथियारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

झारखंड में भर्ती घोटालों की निष्पक्ष जांच व मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर राज्यपाल के नाम उपायुक्त को सौंपा गया मांग पत्र

झारखंड वार्ता संवाददाता

गढ़वा : झारखंड में जेपीएससी, जेएसएससी, उत्पाद सिपाही भर्ती, जेपीसीएल सहित विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में भ्रष्टाचार, अनियमितता, पेपर लीक एवं सीटों की खरीद-फरोख्त के विरोध में पिछले छह दिनों से राज्य भर के लाखों युवा-युवतियां आंदोलनरत हैं। प्रमुख मांगों के समर्थन में भारतीय जनता युवा मोर्चा, गढ़वा जिलाध्यक्ष मुन्ना तिवारी के नेतृत्व में गढ़वा उपायुक्त के माध्यम से महामहिम राज्यपाल के नाम उपायुक्त गढ़वा को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में राज्य सरकार से सभी विवादित भर्ती परीक्षाओं की सीबीआई जांच कराने, दोषियों के विरुद्ध फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने, जेपीएससी के तीनों सदस्यों को पद से हटाकर उनकी गिरफ्तारी करने तथा भर्ती घोटालों की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से इस्तीफे की मांग की गई। साथ ही उत्पाद सिपाही दौड़ परीक्षा के दौरान मृत अभ्यर्थियों के परिजनों को समुचित मुआवजा देने की भी मांग की गई। इस अवसर पर युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष मुन्ना तिवारी ने कहा कि झारखंड के युवाओं के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। राज्य के लाखों अभ्यर्थी निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया चाहते हैं। यदि सरकार दोषियों पर कठोर कार्रवाई नहीं करती है तो भाजयुमो युवाओं के हित में आंदोलन को और तेज करेगा। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद घूरन राम, रघुराज पांडेय बिनोद तिवारी कन्हैया चौबे, विवेकानंद तिवारी, अरविंद तूफानी, जिला महामंत्री मुकेश चौबे एवं जितेंद्र प्रसाद राजीव तिवारी अनीता गुप्ता, मधुलता कुमारी, विकास तिवारी, मनोज जायसवाल, कुंदन चंद्रवंशी, अशोक केशरी, धनंजय गौंड, लालमोहन मनीष गुप्ता, कुंदन प्रसाद, रामलला दुबे, पीयूष चौबे, प्रवीण पाल,सहित भाजपा एवं भाजयुमो के अनेकों कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

विद्यालय प्रबंधन समिति गठन पर छिड़ा विवाद ग्रामीणों ने प्रधानाध्यापक के खिलाफ खोला मोर्चा

झारखंड वार्ता संवाददाता

केतार (गढ़वा)। प्रखंड की परती पंचायत स्थित अमवाडीह उत्क्रमित मध्य विद्यालय में विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) के पुनर्गठन के बाद विवाद गहरा गया है। समिति गठन के अगले ही दिन ग्रामीणों और प्रभारी प्रधानाध्यापक के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। मामले को लेकर बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने बीआरसी, केतार में हस्ताक्षरयुक्त आवेदन देकर निष्पक्ष जांच की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत की मुखिया मुंत्री देवी की अध्यक्षता में विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन पूरी तरह शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से हुआ था। चुनाव प्रक्रिया के दौरान प्रभारी प्रधानाध्यापक भी बैठक में मौजूद रहे, सभी सदस्यों के साथ तस्वीरें खिंचवाईं और उस समय किसी प्रकार की आपत्ति नहीं जताई। लेकिन अगले ही दिन उन्होंने बीआरसी में लिखित शिकायत देकर नवगठित समिति के अध्यक्ष के चुनाव पर सवाल खड़े कर दिए।

ग्रामीणों का आरोप है कि प्रधानाध्यापक अपनी पसंद की समिति बनाना चाहते हैं। इसी कारण नवगठित समिति के कार्यों में बाधा उत्पन्न करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर समिति के साथ न्याय करने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

प्रधानाध्यापक ने दी सफाई

दूसरी ओर, प्रभारी प्रधानाध्यापक ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वर्तमान में जिस महिला को समिति का अध्यक्ष चुना गया है, वह पहले संयोजिका के पद पर थीं। उनका आरोप है कि उन्हें बीच कार्यकाल में हटाकर मध्यावधि चुनाव कराया गया और बाद में उसी महिला को अध्यक्ष बना दिया गया। उन्होंने यह भी दावा किया कि संबंधित महिला का बच्चा निजी विद्यालय में पढ़ता है। प्रधानाध्यापक का कहना है कि उन्होंने चुनाव प्रक्रिया के दौरान ही पर्यवेक्षक के समक्ष अपनी आपत्ति दर्ज कराई थी। जब इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई तो उन्होंने विभागीय अधिकारियों और मीडिया को पूरे मामले की जानकारी दी।

जांच के बाद होगी स्थिति स्पष्ट

विद्यालय प्रबंधन समिति के गठन को लेकर उत्पन्न विवाद के बाद अब सभी की नजर विभागीय जांच पर टिकी है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई और वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

आनंद मार्ग प्रचारक संघ का त्रिदिवसीय सेमिनार का भव्य आयोजन

झारखंड वार्ता संवाददाता

गढ़वा : मुख्यालय अवस्थित सोनपुरवा गढ़वा में आनंद मार्ग प्रचारक संघ की ओर से प्रशिक्षक आचार्य सत्यव्रतानंद अवधूत ने परम आराध्य बाबा गुरुदेव श्री श्री आनंद मूर्तिजी की प्रकृति पर पुष्प अर्पण कर सेकंड डिट लेवल सेमिनार का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात मुख्य प्रशिक्षक सत्यव्रतानंद दादा जी के द्वारा सेमिनार के इंपोर्टेंस के बारे में चर्चा की गई। आचार्य सत्यव्रतानंद अवधूत जी ने सेमिनार के मुख्य टॉपिक रूप और रूपातीत, भक्ति रूप सेतु व प्रउत पर प्रकाश डाला। उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में आध्यात्मिक चिंतन,सामाजिक समस्याओं एवं आवश्यकताओं पर विचार विमर्श से समता मूलक समाज का निर्माण करना अत्यंत आवश्यक है।संपूर्ण विश्व की समस्याओं का हल प्रगतिशील उपयोगी तत्व(प्राउट) में निहित है।

आज विश्व विख्यात दार्शनिक विश्वविद्यालयों में प्राउत के लागू करने एवं समझने के लिए रिसर्च कर रहे है ताकि संपूर्ण पीड़ित मानवता की आवश्यकता की पूर्ति सुनिश्चित किया जा सके। इस अवसर पर डी एस एल अवधूतिका सर्वज्ञानंद आचार्या, आचार्य मुक्तिश्वरानंद अवधूत भुक्ति प्रधान धर्मेंद्र देव,दिनेश जी, राम जनम जी,डॉ रामानुज प्रसाद जी,कैलाश प्रसाद जी,मनोज दादा जी, अनुप जी,हरिद्वार जी,सूचित दादा जी, रघुनाथ दादा जी,तृप्ति रानी,अमन देव,संदीप देव ,रोहित देव,राजेश देव,इंद्रजीत देव सहित अनेकों आनंदमार्गी उपस्थित थे।

पीएम श्री राजकीय मध्य विद्यालय केतार में विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन, मनोज कुमार गुप्ता बने अध्यक्ष

झारखंड वार्ता संवाददाता

केतार (गढ़वा)। पीएम श्री राजकीय मध्य विद्यालय, केतार में शनिवार को विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) का गठन शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया में अभिभावकों और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरी प्रक्रिया निर्धारित नियमों एवं आरक्षण प्रावधानों के अनुरूप संपन्न कराई गई। चुनाव की अध्यक्षता केतार पंचायत के मुखिया प्रमोद कुमार ने की। आरक्षण के अनुसार ओबीसी वर्ग से सात, अनुसूचित जाति से छह, अनुसूचित जनजाति से एक, अल्पसंख्यक वर्ग से चार तथा सामान्य वर्ग से एक सदस्य का चयन किया गया। इसके बाद सर्वसम्मति से मनोज कुमार गुप्ता को समिति का अध्यक्ष एवं सुनीता देवी को उपाध्यक्ष चुना गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष मनोज कुमार गुप्ता ने कहा कि समिति विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि बच्चों को बेहतर शैक्षणिक माहौल उपलब्ध कराना समिति की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। विद्यालय के प्रधानाध्यापक देवेंद्र कुमार की उपस्थिति तथा पर्यवेक्षक वीरेन्द्र राम, श्याम किशोर सिंह एवं विजय कुमार सिंह की देखरेख में चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई। इस दौरान इजहार, सलमा बीबी, उपेंद्र बेगा, सत्येंद्र बेगा, निर्मल पासवान, अवध किशोर ठाकुर, गुड्डू ठाकुर सहित बड़ी संख्या में अभिभावक, शिक्षक एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

श्री श्री बड़मां के 133वें आविर्भाव दिवस पर भक्ति का उमड़ा सैलाब

सत्संग व भंडारे में जुटे सैकड़ों श्रद्धालु

झारखंड वार्ता संवाददाता

श्री बंशीधर नगर (गढ़वा)। नपं क्षेत्र के जंगीपुर स्थित सत्संग उपासना केंद्र उर्जीतपा में शनिवार को सत्संग आश्रम देवघर की जगत जननी श्री श्री बड़मां के 133वें आविर्भाव दिवस पर भव्य सत्संग सह भंडारा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भक्ति, सेवा और सदाचार का संदेश ग्रहण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन, शंखध्वनि एवं वंदे पुरुषोत्तम ध्वनि के साथ हुआ। इसके बाद सभी जीवों के कल्याण के लिए सामूहिक नाम-जप, संध्याकालीन विनती-प्रार्थना, सत्यानुसरण एवं नारीनीति ग्रंथ का पाठ किया गया। पूरे परिसर में भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण बना रहा। संगीतांजलि कार्यक्रम में धृति सुंदरलाल, भगवान पाणिगृही, सुदक्षिणा पाणिगृही, रेणुबाला देवी, गीता देवी सहित अन्य श्रद्धालुओं ने भक्ति-भाव से ओतप्रोत भजनों की प्रस्तुति देकर सभी को भावविभोर कर दिया। सत्संग के दौरान वक्ताओं ने श्री श्री बड़मां के आदर्श जीवन पर प्रकाश डाला। सत्संगी माया दास ने कहा कि श्री श्री बड़मां त्याग, ममता और करुणा की प्रतिमूर्ति थीं तथा उनके जीवन से हर नारी को परिवार में संस्कार और सदाचार के साथ जीवन जीने की प्रेरणा मिलती है। अनीता सिन्हा ने उन्हें भक्ति, सेवा और समर्पण का प्रतीक बताते हुए कहा कि उन्होंने सदैव श्री श्री ठाकुर अनुकूलचंद्र जी के आदर्शों का पालन किया। ऋत्विक शंकर सुवन दा ने कहा कि श्री श्री बड़मां का जीवन प्रत्येक महिला के लिए प्रेरणास्त्रोत है। वहीं ऋत्विक विजय नंदन सिन्हा ने कहा कि श्री श्री ठाकुर जी और श्री श्री बड़मां के बताए मार्ग पर चलकर ही मनुष्य भक्ति के साथ जीवन में शक्ति और शांति प्राप्त कर सकता है। कार्यक्रम का संचालन ऋत्विक प्रीति सुंदर लाल ने किया। उन्होंने भी श्री श्री बड़मां के जीवन एवं उनके आध्यात्मिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन जय राधे-राधे कीर्तन एवं जयघोष के साथ हुआ। इसके बाद आयोजित महाभंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर राहुल दा, अखिलेश दा, राकेश दा, कोमल कुमार, अरविंद कुमार, संजय दा, शक्ति दास सिन्हा, रीना जायसवाल सहित बड़ी संख्या में सत्संगी एवं श्रद्धालु उपस्थित थे।

4 अगस्त को पूरे राज्य के साथ गढ़वा में मनाई जाएगी शिबू सोरेन की पुण्यतिथि : झामुमो

झारखंड वार्ता संवाददाता

गढ़वा: झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) गढ़वा जिला कमिटी की बैठक पूर्व मंत्री सह झामुमो के केंद्रीय महासचिव मिथिलेश कुमार ठाकुर जी के कल्याणपुर स्थित आवासीय कार्यालय में जिलाध्यक्ष श्री शम्भू राम जी की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसके मुख्य अतिथि मिथिलेश कुमार ठाकुर थे, बैठक में पार्टी के आगामी कार्यक्रम पर विस्तृत चर्चा की गई। मिथिलेश कुमार ठाकुर ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि अलग झारखंड राज्य के निर्माण और आदिवासियों-मूलवासियों के हक-अधिकारों के लिए, पिछड़ों, दलितों, शोषितों, वंचितों के लिये दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी का योगदान अविस्मरणीय है ! उनका झारखण्ड व हमारे समाज के लिये किया किया गया संघर्ष अद्वितीय है। 4 अगस्त को आयोजित होने वाले कार्यक्रम में बाबा दिशोम गुरु के जीवन, विचारों और संघर्षों पर चर्चा कर उन्हें अपने जीवन में आत्मसात करने को कहा। ठाकुर नें कहा झामुमों गढ़वा जिला कमिटी, के द्वारा आगामी 4 अगस्त दिन-मंगलवार को पद्मभूषण दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी की पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है, यह कार्यक्रम पूरे झारखंड राज्य में व्यापक स्तर पर आयोजित किया जा रहा है।

झारखण्ड के सभी जिलों में पद्मभूषण दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी की आदमकद प्रतिमा लगाया जायेगा, जिसमे गढ़वा जिला बिरसा मुंडा पार्क में सांकेतिक रूप से उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर पुण्यतिथि मनायी जाएगी! तत्पश्चात दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पुण्यतिथि के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। साथ हि साथ जरुरतमंदो के लिये वस्त्र व भोजन की प्रबंध किया गया है। गढ़वा जिले के सभी प्रखंडों में सुबह 8:00 बजे से 11:00 बजे के बीच श्रद्धांजलि कार्यक्रम संपन्न होंगे, तथा जिला मुख्यालय स्थित भगवान बिरसा मुंडा पार्क में दोपहर 12:00 बजे मुख्य श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा, जहाँ दिशोम गुरु जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया जाएगा। बैठक में केंद्रीय सदस्य ताहिर अंसारी, केंद्रीय सदस्य मनोज ठाकुर, केंद्रीय सदस्य मेदिनी खान,, केंद्रीय सदस्य शांति देवी, केंद्रीय सदस्य अंजलि गुप्ता, केंद्रीय सदस्य राजकिशोर यादव, केंद्रीय सदस्य नितेश सिंह, जिलाध्यक्ष शम्भू राम, जिलासचिव शरीफ अंसारी, उपाध्यक्ष श्रावण सिंह ख?वार, उपाध्यक्ष मुकतेश्वर पाण्डेय,उपाध्यक्ष संजय कानश्यकर, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रेखा चौबे, झामुमों युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रावण सिंह छोटू, क्रीड़ा मोर्चा अध्यक्ष ॐ प्रकाश गुप्ता, कोषाध्यक्ष चन्दन जायसवाल, सभी प्रखंड अध्यक्ष, वर्ग संगठन के सभी पदाधिकारी, नगर परिषद पदाधिकारी आशिष अग्रवाल, सचिव वसीम खान, प्रवक्ता सुजीत चंद्रवंशी, रंथा नायक, प्रियम सिंह, मिन्हाज खान, भोलू जी, दिलीप गुप्ता, लल्लू मेहता व काफी संख्या में कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

झारखंड वार्ता
रविवार, 02-08-2026
www.jharkhandvarta.com

भारतीय जनता युवा मोर्चा ने उपायुक्त कार्यालय के समक्ष किया प्रदर्शन

झारखंड वार्ता संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड में हेमंत सरकार के लगभग 7 साल के कार्यकाल में जेपीएससी जेएसएससी सीजीएल उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा व अन्य परीक्षाओं में भारी धांधली एवं अनियमिताए के खिलाफ भाजयुमो पलामू जिला अध्यक्ष डॉ विपुल गुप्ता की अगुवाई में जिला परिषद कार्यालय मैदान से मार्च निकालकर समाहरणालय मुख्य द्वार पर कार्यकताओं ने जमकर जोरदार प्रदर्शन किया गया। भाजपा नेताओं ने कहा कि राज्य में पेपर लीक, परीक्षा माफियाओं द्वारा सीटों को बेचने जैसे मुद्दों को लेकर विगत 6 -7 दिनों से पूरे झारखंड के छात्र रांची में आंदोलनरत हैं। परंतु राज्य की भ्रष्ट हेमंत सरकार चुप्पी साधे हुए हैं इसका मतलब है परीक्षा माफियाओं के साथ इनके साठ गांठ है। भाजपा नेताओं ने महामहिम राज्यपाल महोदय झारखंड को उपयुक्त पलामू के माध्यम से ज्ञापन भेज कर मांग की है कि 2019 के बाद के सभी जेपीएससी जेएसएससी सीजीएल एवं अन्य भर्ती परीक्षाओं की सीबीआई जांच कराई जाए। फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन कर स्पीडी ट्रायल के माध्यम से सभी दोषियों को कड़ी सजा दिलवाई जाए। झारखंड में परीक्षा लीक एवं भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी का नैतिक जिम्मेवारी लेते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अभिलंब इस्तीफा दे। 14 में जेपीएससी गड़बड़ी मामले में तत्कालीन अध्यक्ष एल ख्यांगते का इस्तीफा नाकाफी है उन पर मुकदमा दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी की जाए। जेपीएससी के तीनों सदस्यों की बर्खास्तगी एवं उनकी गिरफ्तारी भी तत्काल सुनिश्चित हो। उत्पाद सिपाही दौड़ परीक्षा में मृत सभी छात्रों के परिजनों को एक-एक करोड रुपए का मुआवजा मिले। कार्यक्रम में नरेंद्र पांडे दुर्गा जौहरी विपुल कुमार गुप्ता विश्वजीत पाठक राजहंस अग्रवाल शंभू पासवान लवली गुप्ता व अन्य नेताओं ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन राजीव रंजन एवं धन्यवाद ज्ञापन शुभम प्रसाद ने किया। घेराव/प्रदर्शन कार्यक्रम में विजय ठाकुर शिवकुमार मिश्रा जितेंद्र तिवारी विजय कुशवाहा ज्योति पांडे अभिमन्यु तिवारी वेद प्रकाश शर्मा ओमप्रकाश पप्पू सुधीर प्रसाद मनोज विश्वकर्मा राजकुमार मेहता अर्जुन सिंह सरवन गुप्ता प्रियारंजन पाठक समर्पण वीरेंद्र प्रसाद कमलेश कुमार गुप्ता विजय शर्मा लाल प्रसाद यादव संदीप कुमार राजेश चंद्रवंशी सोनू सिकंदर महादेव प्रसाद यादव आशीष कुमार सिंह रोहित कुमार मेहता सतीश पासवान प्रकाश कुमार यादव चंदू चंद्रवंशी राजगोविंद सिंह शंकर शुक्ला हीरालाल यादव जमुना प्रसाद सिंह संजय भूषण श्याम देव सिंह अनिल कुमार रवि रीना किशोर रेणु देवी अर्चना देवी प्रफुल्ल कुमारी सुमन गुप्ता संदीप कुमार सहित सैकड़ो कार्यकर्ता एवं नेता मौजूद थे।

भारत सरकार के अंबिकापुर–रामानुजगंज–गढ़वा रेल लाइन को स्वीकृति दिए जाने का निर्णय अत्यंत स्वागतयोग्य : सांसद

झारखंड वार्ता संवाददाता

पलामू : पलामू संसदीय क्षेत्र के सांसद विष्णु दयाल राम ने नई दिल्ली स्थित रेल भवन में रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सतीश कुमार को पत्र लिखकर एवं व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर प्रस्तावित अंबिकापुर- रामानुजगंज- गढ़वा नई रेल लाइन के वर्तमान अलाइनमेंट में संशोधन करते हुए बड़गढ़ एवं भंडरिया प्रखंडों को भी शामिल करने एवं लंबे समय से लंबित बरवाडीह-चिरमिरी-अंबिकापुर रेल लाइन परियोजना को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया। सांसद राम ने कहा कि भारत सरकार द्वारा अंबिकापुर- रामानुजगंज- गढ़वा रेल लाइन को स्वीकृति दिए जाने का निर्णय अत्यंत स्वागतयोग्य है। यह परियोजना पलामू, गढ़वा एवं आसपास के क्षेत्रों की रेल संपर्क व्यवस्था को सुदृढ़ करेगी तथा क्षेत्र के आर्थिक एवं सामाजिक विकास को नई गति प्रदान करेगी। परंतु प्रस्तावित रेल लाइन के वर्तमान अलाइनमेंट से बड़गढ़ एवं भंडरिया जैसे अत्यंत पिछड़े एवं भौगोलिक दृष्टि से दुर्गम क्षेत्रों को बाहर रखा गया है। इन क्षेत्रों के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों ने इस संबंध में व्यापक चिंता व्यक्त करते हुए उन्हें ज्ञापन दिया हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इन क्षेत्रों में दशकों से रेल संपर्क की मांग की जाती रही है, लेकिन वर्तमान अलाइनमेंट में इन्हें शामिल नहीं किए जाने से जनता में भारी आक्रोश है। स्थानीय नागरिकों एवं सामाजिक संगठनों द्वारा बड़गढ़ एवं भंडरिया को पुनः रेल मार्ग में शामिल करने की मांग को लेकर आंदोलन एवं विरोध-प्रदर्शन भी किए जा रहे हैं। यह जनआंदोलन इस बात का प्रमाण है कि इन क्षेत्रों के लोगों की रेल संपर्क की मांग वर्षों पुरानी और अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सांसद ने कहा कि बड़गढ़ एवं भंडरिया क्षेत्र आज भी सड़क संपर्क, स्वास्थ्य सेवाओं, उच्च शिक्षा एवं रोजगार के अवसरों की दृष्टि से अत्यंत पिछड़े हुए हैं। यदि इन क्षेत्रों को प्रस्तावित रेल लाइन या नया लिंक रेलवे लाइन से जोड़ा जाता है तो यहां के लोगों को आवागमन की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी, कृषि एवं वन उत्पादों के विपणन को बढ़ावा मिलेगा, निवेश एवं उद्योग की संभावनाएं विकसित होंगी तथा क्षेत्र के समग्र सामाजिक एवं आर्थिक विकास को नई दिशा मिलेगी।

मुंबई से पदक जीत कर लौटे संत मरियम के खिलाड़ियों को चेयरमैन ने किया सम्मानित

झारखंड वार्ता संवाददाता

मेदिनीनगर। संत मरियम आवासीय विद्यालय के प्रार्थना सभागार में मुंबई में आयोजित 24वीं जीत-कुंडो स्पोर्ट्स अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक जीतकर लौटे विद्यालय के मार्शल आर्ट्स खिलाड़ियों को विद्यालय के चेयरमैन अविनाश देव द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर चेयरमैन अविनाश देव ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि खेल अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में भी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय, जिले और राज्य का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। चैंपियनशिप में विद्यालय के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अक्ष राज ने स्वर्ण पदक, दुर्गेश्वरी चौधरी, सचिन कुमार गुप्ता एवं राजा कुमार ने रजत पदक, जबकि विवेक कुमार सिंह ने कांस्य पदक अपने नाम किया। उल्लेखनीय है कि यह प्रतियोगिता ग्लोबल वर्ल्ड स्पोर्ट्स जीत-कुंडो-डू फेडरेशन के तत्वावधान में अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, आजाद नगर, मुंबई में आयोजित की गई थी, जिसमें देश-विदेश के खिलाड़ियों ने भाग लिया। विद्यालय परिवार ने सभी विजेता खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पलामू पुलिस को बड़ी सफलता : चैनपुर थाना कांड का 24 घंटे के भीतर उद्भेदन, 09 अभियुक्त गिरफ्तार

झारखंड वार्ता संवाददाता

पलामूः पुलिस अधीक्षक, पलामू के निर्देशानुसार चैनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बंदुआ में हुई घटना का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर उद्भेदन करते हुए 09 नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार सभी अभियुक्तों ने घटना में संलिप्त रहने की बात स्वीकार किया है।

गिरफ्तार अभियुक्तों का नाम :-
1. इमरान मियां पिता सरातुल मियां, 2. सरातुल मियां पिता खलील मियां, 3. शहबाज मियां पिता अमरूल्लाह मियां, 4. तबरेज आलम पिता क्यूम मियां, 5. इसराफिल मियां पिता मोफिल मियां, 6. सोनू मियां पिता इसराफिल मियां, 7. गोकुल मियां पिता मोहिब मियां, 8. शेरू मियां पिता शमीम मियां, 9. पालु मियां पिता सरातुल मियां सभी सा० बन्दुआ थाना चैनपुर, जिला पलामू।

जप्त प्रदर्श की विवरणी
1. घटनास्थल से कांड में प्रयुक्त 7.65 एम०एम० का 01 (एक) खोखा। 2. अभियुक्तों द्वारा घटना में प्रयुक्त 02 (दो) बेल्ट। 3. घटना में प्रयुक्त खुन लगा हुआ 01 (एक) धारदार चाकू। 4. घटनास्थल से उठाया गया बल्ड सेम्पल।

सांसद ने वी उमाशंकर से की मुलाकात

झारखंड वार्ता संवाददाता

पलामू : पलामू संसदीय क्षेत्र के सांसद विष्णु दयाल राम ने नई दिल्ली स्थित परिवहन भवन में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव वी० उमाशंकर से मुलाकात कर पलामू संसदीय क्षेत्र की दो अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं क्रमशः NH-343 के गढ़वा-रामानुजगंज (लगभग 49 किलोमीटर) एवं ठल्र-139 (पूर्व में एनएच-98) के पड़वा मोड़-सीलीदाग-छतरपुर (लगभग 22 किलोमीटर) सड़क का अविलंब फोरलेन निर्माण का अनुरोध किया। श्री राम ने कहा कि NH-139 का हरिहरगंज-सीलीदाग खंड पूर्व में ही फोरलेन के रूप में विकसित किया जा चुका है एवं NH-343 के अन्य हिस्सों का भी फोरलेन निर्माण पूर्ण हो चुका है। परंतु पड़वा मोड़-सीलीदाग-छतरपुर का लगभग 22 किलोमीटर लंबा शेष भाग अभी तक फोरलेन नहीं होने के कारण पूरे कॉरिडोर में एक प्रमुख बाधा (बॉटलनेक) बना हुआ है। इस मार्ग पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में वाहनों का आवागमन होता है, जिससे लगातार जाम की स्थिति, यात्रा समय में वृद्धि तथा सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। सांसद ने बताया कि सचिव वी० उमाशंकर ने कहा कि गढ़वा-रामानुजगंज (NH-343) एवं पड़वा मोड़-सीलीदाग-छतरपुर (NH-139) दोनों परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा तैयार की जा रही है। डीपीआर को शीघ्र अंतिम रूप देकर स्वीकृति प्रदान किया जाएगा।

साथ ही उक्त दोनों परियोजनाओं को प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) के माध्यम से प्राथमिकता के आधार पर क्रियान्वित कराया जाएगा। उपरोक्त दोनों फोरलेन सड़क परियोजनाओं के पूर्ण होने से पलामू, गढ़वा एवं आसपास के जिलों के नागरिकों को सुरक्षित, सुगम, तीव्र एवं आधुनिक सड़क संपर्क उपलब्ध होगा। इसके साथ ही क्षेत्र के औद्योगिक, कृषि, व्यापारिक एवं सामाजिक विकास को नई गति मिलेगी एवं निवेश, रोजगार तथा आवागमन की सुविधा होगा।

भ्रष्टाचार व अमानवीयता के खिलाफ पलामू भाजपा कार्यकताओं ने किया डीईओ कार्यालय/समाहरणालय प्रवेश द्वार का घेराव व प्रदर्शन

झारखंड वार्ता संवाददाता

मेदिनीनगर। भ्रष्टाचार और अमानवीयता के खिलाफ पलामू भाजपा कार्यकताओं ने डीईओ कार्यालय/समाहरणालय प्रवेश द्वार का घेराव एवं प्रदर्शन किया। जिला परिषद कार्यालय मैदान से भाजपा कार्यकताओं ने हाथों में तख्ती झंडा बैनर लेकर समाहरणालय गेट तक मार्च निकाला। शिक्षिका भारती पांडे को न्याय दो भ्रष्ट डीईओ पलामू से वापस जाओ हेमंत सरकार दोषी पदाधिकारी एवं कर्मचारियों पर कार्रवाई करो झारखंड सरकार मुर्दाबाद के नारे लगाते रहे। पलामू भाजपा जिला अध्यक्ष अमित तिवारी ने कहा कि शिक्षा विभाग मे व्याप्त भ्रष्टाचार एवं अमानवीय व्यवहार के कारण मानसिक प्रताड़ना झेल रही शिक्षिका भारती पांडे के गर्भ में पल रहे नवजात की मौत मानवता को शर्मसार करने वाली घटना है। शिक्षिका ने अपने वैधानिक अधिकार को अपनाकर अवकाश के लिए आवेदन किया स्वीकृत करने के नाम पर विभागीय पदाधिकारी कर्मचारी द्वारा उन्हें लगातार परेशान किया जाता रहा और छुट्टी स्वीकृत करने के लिए पैसों की मांग की जाती रही इस संदर्भ में लगातार कार्यालय का चक्कर लगाने से मानसिक रूप से भी प्रताड़ित होती रही परंतु संवेदनहीन विभागीय पदाधिकारी एवं कर्मचारियों ने उनके अवकाश स्वीकृत नहीं किया जो एक गर्भवती महिला के प्रति अमानवीय व्यवहार एवं असंवेदना को दशार्ता है। मानवता को तार तार करने वाली घटना होने के बावजूद जिला प्रशासन का मौन रहना भी इस स्थिति को बद से बदतर बनाता जा रहा है जो काफी चिंताजनक है। पूर्व सांसद मनोज भुईया ने कहा कि झारखंड की भ्रष्ट हेमंत सरकार में प्रखंड से लेकर जिला एवं राज्य स्तर तक के कार्यालयो में भ्रष्टाचार की जड़े गहरी होती चली जा रही है जो जनहित में नहीं है। जिले में ऐसी घटनाएं होते रहने के बावजूद जिला प्रशासन द्वारा कार्रवाई न करना भ्रष्टाचारियों का मनोबल बढ़ाना है। भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेंद्र पांडे ने कहा कि निरंकुश भ्रष्ट हेमंत सरकार मे बेटी बहन महिला सहित आमजन असुरक्षित है बिना चढ़ावा के किसी भी विभाग में जनमीन कार्य भी होना मुश्किल हो रहा है क्योंकि सभी जगह भ्रष्टाचारियों एवं दलालों का दबदबा है और लोग लाचार एवं परेशान है। प्रदर्शन में सांसद प्रतिनिधि विजय ओझा शिवकुमार मिश्रा अजय तिवारी डॉ विनय जितेंद्र तिवारी अभिमन्यु तिवारी आशीष भारद्वाज ज्योति पांडे दिलीप तिवारी रामलव चौरसिया भीष्म चौरसिया लवली गुप्ता रीना किशोर मंजू गुप्ता सुजाता सिंह शोभा देवी शुभम प्रसाद इंद्रजीत सिंह डिंपल सोमेश सिंह राजहंस अग्रवाल छोटू सिंहा सरवन गुप्ता प्रियरंजन पाठक ईश्वरी प्रसाद ओमप्रकाश पप्पू ईश्वरी पांडे सुनील तिवारी राजेश सिंह दीपक सिंहा अंकित सिंह रूद्र सिंह शशि भूषण पांडे अजय सिंह बैजनाथ शर्मा संजय कुमार आसिफ नायर संजय सोनी उमेश रजक प्रफुल्ल तिवारी गुड्डू बर्मन विजय पाठक लाला प्रसाद नवीन पांडे जय दुबे सतीश पासवान विजय कुशवाहा सुरेंद्र विश्वकर्मा प्रकाश राम आनंद सिंह संदीप गुप्ता सिकंदर चौधरी संटु चौरसिया विनोद चौरसिया दूदून दुबे अर्जुन सिंह मनीष पांडे सिकंदर कुमार सहित सैकड़ो कार्यकर्ता एवं नेता मौजूद थे।

समाचार सार

बालूमाथ में विकास की मिसालः चौक-चौराहों पर लगे बेंच से राहगीरों को मिली राहत

बालूमाथ : बालूमाथ प्रखंड क्षेत्र में जनसुविधाओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय पहल देखने को मिली है। स्थानीय मुखिया नरेश लोहरा की पहल पर बालूमाथ के प्रमुख चौक-चौराहों पर राहगीरों के बैठने के लिए बेंच लगाए गए हैं। इस व्यवस्था से राहगीरों, बुजुर्गों, महिलाओं एवं ग्रामीणों को काफी राहत मिल रही है। ग्रामीणों ने बताया कि पहले बाजार या अन्य कार्यों से आने-जाने वाले लोगों को बैठने के लिए उचित स्थान नहीं मिल पाता था। अब चौक-चौराहों पर बेंच लगने से लोगों को कुछ देर आराम करने की सुविधा मिल रही है। बालूमाथ मुखिया नरेश लोहरा द्वारा जनहित को ध्यान में रखते हुए किए गए इस कार्य की ग्रामीणों ने सराहना की है। ग्रामीणों का कहना है कि छोटे-छोटे विकास कार्य भी आम लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव लाते हैं। ऐसे प्रयासों से क्षेत्र में जनसुविधाओं का विस्तार होने के साथ विकास की सकारात्मक सोच को भी बढ़ावा मिलता है।

पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार नशे के खिलाफ जारी 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध पुलिस को मिली बड़ी सफलता

सतबरवा : सतबरवा थाना क्षेत्र में 33.789 किलोग्राम अवैध गांजा के साथ बिहार राज्य के दो तस्कर गिरफ्तार तथा पांकी थाना क्षेत्र में 2.534 किलोग्राम अफीम के साथ दो तस्कर गिरफ्तार। **गिरफ्तारी (सतबरवा थाना) :-** 1. कृष्णा राम, पे०- बुधदेव राम, सा०-चानी, थाना- संझौली, जिला- रोहताश, राज्य-विदार। 2. दिनेश राम, पे०- धनराज तातु, गाग- जैस भुतहा, थाना- संझौली, जि०- रोहताश, राज्य-बिहार। **बारामदगीः-**1. अवैध गांजा 33.789 किलोग्राम। 2. स्विफ्ट डिजायर कार 101EH5106। **गिरफ्तार अभियुक्त(पांकी थाना):-** 1. शाहबुद्दीन मियां पिता सलीम मियां ग्राम गडगांव थाना पिपराटांड जिला पलामू। 2. गुलाम मुस्तफा पिता निजाम मियां पता नुरू (खांड पर) थाना पांकी जिला पलामू। **बरामदगी :-** 1. 2.534 किलोग्राम अफीम।

डाल्टनगंज विधानसभा क्षेत्र में सड़क विकास योजनाओं की स्वीकृति : विधायक के प्रयासों का शुभ परिणाम

डाल्टनगंज : डाल्टनगंज भंडरिया विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक आलोक कुमार चौरसिया जी के सतत प्रयासों का एक और सकारात्मक परिणाम सामने आया है। विधायक आलोक कुमार चौरसिया जी के द्वारा किया गया अनुशंसा एवं निरंतर प्रयासों से मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत चैनपुर एवं डाल्टनगंज सदर प्रखंड की 6 महत्वपूर्ण सड़क योजनाओं को प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त हुई है। जो इस प्रकार है (1)चैनपुर प्रखंड के अंतर्गत पंचायत भंड़गांव ग्राम चटीपार से भुतहा गांव तक पथ निर्माण कार्य। लम्बाई (किमी० में) 1.650 स्वीकृत्यादेश कि राशि (लाख में) 170.677(2)चैनपुर प्रखंड के अंतर्गत रानीताल पी०डब्लू०डी० मुख्य पथ से बलथरवा तक पथ निर्माण कार्य।लम्बाई (किमी० में) 1.000। स्वीकृत्यादेश कि राशि (लाख में) 97.048(3)चैनपुर प्रखंड के अंतर्गत खुराकला में देवी धाम से बीरेन्द्र राम के घर होते हुए अरुण विश्वकर्मा के घर तक पथ निर्माण कार्य। लम्बाई (किमी० में) 1.150। स्वीकृत्यादेश कि राशि (लाख में)127.144।(4)चैनपुर प्रखंड के अंतर्गत ग्राम कंकरी में ढहऊमेन रोड से नरेश चौधरी के घर होते हुए देवी धाम होते श्मशान घाट तक पथ निर्माण कार्य। लम्बाई (किमी० में) 1.400। स्वीकृत्यादेश कि राशि (लाख में) 134.022। (5)डाल्टनगंज सदर प्रखंड के अंतर्गत ग्राम राजवाड़ीह में चियाँकी मेन रोड से बहेरवादोहरी टोला होते हुए बेटी बाँध जमुने तक पथ निर्माण कार्य। लम्बाई (किमी० में)1.250।स्वीकृत्यादेश कि राशि (लाख में)152.968। (6)डाल्टनगंज सदर प्रखंड के अंतर्गत पंचायत लहलाहे ग्राम नउवाढोड में राजमुनि सिंह के घर से राजू भुइँया के घर होते चबूतरा तक पथ निर्माण कार्य।लम्बाई (किमी० में)1.650 स्वीकृत्यादेश कि राशि (लाख में)207.653।ये डाल्टनगंज विधानसभा क्षेत्र की सम्मानित जनता के लिए अत्यंत ही हर्ष ओर राहत का विषय है। और विधायक आलोक कुमार चौरसिया जी ने कहा कि हम जो वादा करते है ,उसे पूरा करने का भरपूर प्रयास करते है। क्षेत्र की जनता के विश्वास और सहयोग के लिए हृदय से आभार। अपने डाल्टनगंज विधानसभा क्षेत्र के विकाश के लिए प्रतिबद्ध हु और इन परियोजनाओ के माध्यम से में अपने वादे को पूरा कर रहा हु। ये परियोजनाए हमारे क्षेत्र को बेहतर क्वांटिटी ओर विकास के नए अवसर प्रदान करेगी। आपके सहयोग और समर्थन से हम ऐसे ही विकाश के कार्यों को निरंतर जारी रखेंगे।

मास्टर सोबरन मांझी जिला पुस्तकालय को मिलेगा आधुनिक स्वरूप, मॉडल लाइब्रेरी के विकास कार्यों को उपायुक्त ने दी गति

मेदिनीनगर (पलामू): जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने शनिवार को मास्टर सोबरन मांझी जिला पुस्तकालय का निरीक्षण कर राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशन के अंतर्गत स्वीकृत 87 लाख की विकास योजना के कार्यों की समीक्षा की। ज्ञात हो कि जिला पुस्तकालय प्रबंधन समिति की बैठक में लिए गए निर्णयों के आलोक में उपायुक्त श्री शेखावत ने स्वयं पुस्तकालय का स्थल निरीक्षण कर विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त श्री शेखावत ने पुस्तकालय भवन के प्रत्येक भाग का बारीकी से अवलोकन किया तथा पुस्तकालयाध्यक्ष मंजीत सिन्हा से पुस्तकालय के संचालन, उपलब्ध संसाधनों, पाठकों की सुविधाओं एवं भविष्य की विकास योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संपूर्ण विद्युत वायरिंग के नवीनीकरण, विद्यार्थियों के लिए आधुनिक कैबिन डेस्क सिस्टम जिसमें वार्म लाइट एवं मोबाइल/लैपटॉप चार्जिंग प्वाइंट की सुविधा हो, प्रथम तल पर स्मार्ट लाइब्रेरी सेक्शन, पुस्तकालय परिसर में ओपन रीडिंग जोन, आकर्षक प्रकाश व्यवस्था, कैफेटेरिया, पार्किंग सुविधा तथा फ्रऋक्ळ आधारित आधुनिक पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली विकसित करने सहित अन्य आधारभूत एवं तकनीकी सुविधाओं के विस्तार के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वीकृत ?87 लाख की विकास योजना के अंतर्गत सभी कार्य गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण किए जाएँ, ताकि पुस्तकालय आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होकर जिले के युवाओं के लिए ज्ञान का उत्कृष्ट केंद्र बन सके। इस अवसर पर प्रशिक्षु आईएएस ऋत्विक मेहता, सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय पांडे, सूचना विज्ञान पदाधिकारी रणवीर सिंह, जिला शिक्षा पदाधिकारी संदीप कुमार, भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

एसपी के निर्देश पर बालूमाथ पुलिस की बड़ी कार्रवाई

अवैध कोयला लदा हाइवा जब्त, चालक मौके से फरार, पुलिस ने दर्ज किया मामला

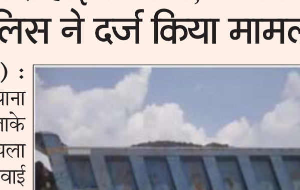

बालूमाथ (राजेश कुमार साव) : लातेहार जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत मगध कोलियरी इलाके में पुलिस ने अवैध रूप से कोयला परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 31 टन कोयला लदे एक हाईवा को जब्त किया है। कार्रवाई के दौरान चालक पुलिस को देखकर वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। जब्त हाईवा का रजिस्ट्रेशन नंबर JH16F-1434 बताया गया है। पुलिस की जांच में वाहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज भी बरामद नहीं हुआ। बालूमाथ थाना प्रभारी अनुभव सिन्हा ने बताया कि लातेहार पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव को गुप्त सूचना मिली थी कि मगध कोलियरी क्षेत्र से अवैध रूप से कोयला लदा एक हाईवा निकलने वाला है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना प्रभारी के नेतृत्व में विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मगध कोलियरी क्षेत्र में हाईवा को पकड़ लिया। हालांकि पुलिस को देखते ही चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। तलाशी के दौरान वाहन से संबंधित कोई आवश्यक कागजात प्रस्तुत नहीं किए जा सके। इस मामले में बालूमाथ थाना कांड संख्या 92/26 दर्ज कर हाईवा को जब्त कर लिया गया है। पुलिस फरार चालक की तलाश में जुटी है तथा अवैध कोयला परिवहन से जुड़े पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है।

झारखंड वार्ता

रविवार, 02-08-2026
www.jharkhandvarta.com

सीसीएल मुख्यालय में सामान्य सहायक कर्मचारियों के लिए कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन

कर्मचारियों की डिजिटल दक्षता को सुदृढ़ करना कार्यक्रम का उद्देश्य

झारखंड वार्ता संवाददाता

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय, दरभंगा हाउस स्थित मानव संसाधन विभाग द्वारा विभिन्न क्षेत्रों से आए सामान्य सहायक कर्मचारियों के लिए एक सप्ताह का कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों की डिजिटल दक्षता को सुदृढ़ करना तथा उन्हें कार्यालयीन कार्यों में उपयोग होने वाले आधुनिक कंप्यूटर अनुप्रयोगों एवं डिजिटल प्रणालियों से परिचित कराना था। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 26 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को एमएस वर्ड, एमएस एक्सेल, ऑफिस एप्लिकेशन्स, ई-ऑफिस, हिंदी एवं अंग्रेजी टाइपिंग के साथ-साथ कंपनी में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न डिजिटल एप्लिकेशन्स एवं ऑनलाइन प्रणालियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण के माध्यम से कर्मचारियों को दैनिक कार्यालयीन कार्यों को अधिक दक्षता, गति एवं प्रभावशीलता के साथ संपादित करने हेतु आवश्यक कौशल विकसित करने का अवसर मिला। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सह प्रमाण-पत्र वितरण समारोह में सीसी एंड पीआर विभाग के महाप्रबंधक आलोक कुमार गुप्ता तथा मानव संसाधन विभाग के महाप्रबंधक एम. एफ. हक के अलावे कंपनी के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर सीसी एंड पीआर विभाग के महाप्रबंधक आलोक कुमार गुप्ता ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि, आज के डिजिटल युग में कंप्यूटर ज्ञान और तकनीकी दक्षता प्रत्येक कर्मचारी के लिए अनिवार्य हो गई है। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम कर्मचारियों के कौशल को निखारने के साथ-साथ संगठन की कार्यक्षमता और सेवा गुणवत्ता को भी नई गति प्रदान करते हैं। निरंतर सीखने की संस्कृति ही किसी भी संस्थान को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करती है। मानव संसाधन विभाग के महाप्रबंधक एम. एफ. हक ने अपने संबोधन में कहा कि सीसीएल अपने कर्मचारियों के सतत कौशल विकास के लिए प्रतिबद्ध है। बदलते कार्य परिवेश और बढ़ती डिजिटल आवश्यकताओं को देखते हुए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम कर्मचारियों को नई तकनीकों के अनुरूप स्वयं को विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। हमें विश्वास है कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान का उपयोग प्रतिभागी अपने दैनिक कार्यों में करेंगे और संगठन की कार्यकुशलता को और अधिक सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए तथा भविष्य में भी इस प्रकार के कौशल विकास कार्यक्रमों के नियमित आयोजन की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

हेरहंज प्रखंड में विधायक प्रतिनिधि की नियुक्ति मनीष जायसवाल को मिली जिम्मेदारी

हेरहंज : लातेहार विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रकाश राम जी ने क्षेत्र के विकास कार्यों, जनसमस्याओं के त्वरित समाधान एवं प्रशासनिक कार्यों में बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से मनीष जायसवाल को हेरहंज प्रखंड के लिए अपना विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया है। इस संबंध में जारी पत्र के अनुसार, मनीष जायसवाल प्रखंड कार्यालय एवं शिक्षा विभाग से संबंधित मामलों में विधायक के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करेंगे। विधायक की ओर से संबंधित अधिकारियों से आग्रह किया गया है कि क्षेत्र की समस्याओं एवं प्रशासनिक कार्यों से जुड़े पत्र अथवा प्रस्ताव विधायक प्रतिनिधि द्वारा प्रस्तुत किए जाने पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाए। विधायक प्रतिनिधि की नियुक्ति से क्षेत्र की जनसमस्याओं को संबंधित विभागों तक पहुंचाने और उनके समाधान में समन्वय बेहतर होने की उम्मीद जताई जा रही है।

सीसीएल मुख्यालय में सामान्य सहायक कर्मचारियों के लिए कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय, दरभंगा हाउस स्थित मानव संसाधन विभाग द्वारा विभिन्न क्षेत्रों से आए सामान्य सहायक कर्मचारियों के लिए एक सप्ताह का कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों की डिजिटल दक्षता को सुदृढ़ करना तथा उन्हें कार्यालयीन कार्यों में उपयोग होने वाले आधुनिक कंप्यूटर अनुप्रयोगों एवं डिजिटल प्रणालियों से परिचित कराना था। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 26 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को एमएस वर्ड, एमएस एक्सेल, ऑफिस एप्लिकेशन्स, ई-ऑफिस, हिंदी एवं अंग्रेजी टाइपिंग के साथ-साथ कंपनी में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न डिजिटल एप्लिकेशन्स एवं ऑनलाइन प्रणालियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कैलाश राय सरस्वती विद्या मंदिर में प्रांतीय प्रधानाचार्य बैठक का भव्य शुभारंभ, नई शिक्षा नीति व विद्या भारती के उद्देश्यों पर हुआ मंथन

झारखंड वार्ता संवाददाता

झुमरीतिलैया : कैलाश राय सरस्वती विद्या मंदिर, झुमरीतिलैया में दो दिवसीय प्रांतीय प्रधानाचार्य बैठक का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन क्षेत्रीय संगठन मंत्री ख्यालीराम, क्षेत्रीय मंत्री रामावतार नारसरिया, विद्या विकास समिति के प्रदेश सचिव नकुल कुमार शर्मा, विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष नारायण सिंह तथा प्राचार्य आनंद मोहन ने मां सरस्वती, ओम् एवं भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलित एवं पुष्पार्चन कर किया। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती वंदना एवं विद्यालय की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत की प्रस्तुति से हुई। प्राचार्य आनंद मोहन ने सभी अतिथियों का परिचय एवं स्वागत किया। प्रस्तावना रखते हुए प्रदेश सचिव नकुल कुमार शर्मा ने कहा कि यह बैठक विद्या भारती की योजनाओं को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने तथा शिक्षा के क्षेत्र में समर्पित भाव से कार्य करने के उद्देश्य से आयोजित की गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानाचार्यों का समर्पण ही संगठन की सबसे बड़ी शक्ति है और यही समर्पण समाज व राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। क्षेत्रीय संगठन मंत्री ख्यालीराम ने कहा कि विद्या भारती का प्रत्येक विद्यालय समान रूप से महत्वपूर्ण है और सभी का उद्देश्य राष्ट्र के लिए संस्कारित एवं सक्षम पीढ़ी तैयार करना है। उन्होंने कहा कि यह गौरव का विषय है कि विद्या भारती के मूलभूत सिद्धांतों को नई शिक्षा नीति में भी स्थान मिला है। क्षेत्रीय मंत्री रामावतार नारसरिया ने कहा कि दो दिवसीय बैठक में प्राप्त होने वाला मार्गदर्शन सभी प्रधानाचार्यों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा और इसका लाभ समाज व राष्ट्र को मिलेगा। वहीं अध्यक्षीय संबोधन में विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष नारायण सिंह ने कहा कि विद्या भारती से जुड़े प्रधानाचार्य सेवा और समर्पण की भावना से कार्य कर रहे हैं तथा भविष्य में भी इसी निष्ठा के साथ कार्य करते रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान विद्या विकास समिति के पूर्णकालिक अखिलेश कुमार, नीरज लाल, ब्रजेश कुमार सिंह, विवेक नयन पांडे, ओमप्रकाश सिन्हा, रमेश कुमार, सुरेश मंडल एवं ब्रेन टुडू सहित प्रांतीय कार्यालय के पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रांतीय कार्यालय प्रमुख एवं 'उत्सर्ग' पत्रिका के संपादक मनोज कुमार भारद्वाज ने विद्यालय की उपलब्धियों की सराहना करते हुए इसे आगे भी उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन पूर्णकालिक तुलसी प्रसाद ठाकुर ने किया, जबकि आभार ज्ञापन हजारीबाग विभाग प्रमुख ब्रजेश कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के उपाध्यक्ष अशोक राय एवं अरविन्द चौधरी, सचिव अनुराग सिंह, समिति सदस्य कुंज बिहारी त्रिवेदी, विजय यादव, मुंशी यादव, पंकज सिंह, मिनी हिसारिया, डॉ. मीनाक्षी सहित समाज के बुद्धिजीवी एवं संघ के पदाधिकारी वीरेंद्र प्रताप सिंह, सेठ साहू और विजय नारायण उपस्थित रहे। कार्यक्रम की सफलता में विद्यालय के सभी आचार्य एवं दीदीजी की सक्रिय भूमिका रही।

होटल सौरव में उल्लासपूर्वक मनाया गया प्रेरणा शाखा का सावन मिलन

झारखंड वार्ता संवाददाता

झुमरी तिलैया। मारवाड़ी युवा मंच, झुमरी तिलैया प्रेरणा शाखा द्वारा होटल सौरव में हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ सावन मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शाखा की 29 सदस्यों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम की शुरूआत आत्मीय स्वागत के साथ हुई। इसके पश्चात सावन की उमंग से भरपूर विभिन्न मनोरंजक गेम्स, मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियाँ एवं हास्य-उल्लास से भरपूर गतिविधियों ने सभी सदस्यों का भरपूर मनोरंजन किया। उपस्थित सभी सदस्यों के लिए स्वादिष्ट भोजन की भी विशेष व्यवस्था की गई। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं प्रतिभागियों को आकर्षक उपहार देकर सम्मानित किया गया। पूरे कार्यक्रम का सफल एवं जीवंत संचालन शीतल पोद्दार एवं सोनिका कंदोई ने अपनी प्रभावशाली एंकरिंग से किया, जिसकी सभी उपस्थित सदस्यों ने सराहना की। इस अवसर पर शाखा अध्यक्षा आकृति चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि सावन मिलन जैसे आयोजन केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि शाखा की सदस्याओं के बीच आत्मीयता, एकता एवं पारिवारिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ बनाने का अवसर प्रदान करते हैं। ऐसे कार्यक्रमों से आपसी सहयोग, अपनापन एवं संगठन के प्रति जुड़ाव और भी मजबूत होता है। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों में अध्यक्षा आकृति चौधरी, सचिव प्रिया अग्रवाल, कोषाध्यक्ष प्रियंका अग्रवाल, सारिका लड्ढा, श्रेया केडिया, नेहा हिसारिया, श्रिया चौधरी, कृति चौधरी, बबीता केडिया, रश्मि केडिया, पूनम टिबरेवाल, प्रीति गुटगुटिया, रश्मि गुटगुटिया, आशी अग्रवाल, प्रीति चौधरी, निशा केडिया, स्वाति अग्रवाल, अंजू शर्मा, ज्योति अग्रवाल सहित शाखा की अन्य सदस्याएँ उपस्थित रहीं।

सावन का पहला सोमवार कल: 750 फीट पहाड़ कि ऊंची चोटी पर विराजमान 108 वर्ष पुराना राजा पहाड़ी शिव व दूसरी चोटी पर नवनिर्मित मां पार्वती मंदिर श्रद्धालुओं के लिए है आस्था व विश्वास का केंद्र

पहली सोमवारी से गूंजेगा हर हर महादेव.. ओम नमः शिवाय का नारा...

शुभम जयसवाल

श्री बंशीधर नगर (गढ़वा)। 30 जुलाई से सावन शुरू हो गया है। इसे लेकर झारखंड के सभी शिव मंदिरों में तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। कल सावन पहला सोमवार भी है। इस कारण सभी शिवालयों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ेगी। झारखंड के गढ़वा जिला अंतर्गत श्री बंशीधर नगर अनुमंडल मुख्यालय से 2 किमी दूरी पर स्थित प्रसिद्ध राजा पहाड़ी शिव मंदिर सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र है। राजा पहाड़ी शिव मंदिर की ख्याति पलामू प्रमंडल सहित सीमावर्ती उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों तक फैली हुई है। पहाड़ की लगभग 750 फीट ऊंची चोटी पर शिव मंदिर और पहाड़ी के दूसरी चोटी पर नवनिर्मित मां पार्वती मंदिर अवस्थित है। जो प्राकृतिक हटाओ से परिपूर्ण लोगों को बरबस अपनी ओर आकर्षित करता है।

झारखंड में राजा पहाड़ी दूसरा स्थान पर, जहां शिव और माता पार्वती का मंदिर है

सबसे खास बात यह है कि बाबा की नगरी देवघर के बाद झारखंड में गढ़वा जिले के श्री बंशीधर नगर में स्थित राजा पहाड़ी पर भगवान शिव और माता पार्वती का मंदिर है। यह मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास का केंद्र है। वैसे तो सालों भर यहां श्रद्धालु भक्तों की भीड़ दर्शन पूजन जलाभिषेक व रुद्राभिषेक के लिए आते रहते है, लेकिन श्रावण मास में एक माह तक चलने वाले श्रावणी मेला में बड़ी संख्या में श्रद्धालु विभिन्न राज्यों से आकर बाबा भोलेनाथ का पूजा अर्चना व जलाभिषेक करते हैं तथा अपनी मन्नतें मांगते हैं।

एक माह तक चलेगा श्रावणी मेला, लाखों श्रद्धालु करेंगे जलाभिषेक

श्रद्धालुओं का भी मानना है कि राजा पहाड़ी शिव मंदिर पूजा श्रद्धा पूर्वक मांगी हुई हर मन्नते पूरी होती है। एक माह तक चलने वाली यह श्रावणी मेला में लाखों श्रद्धालु बाबा भोलेनाथ पर जल समर्पित करते हैं और मेले का आनंद लेते हैं। पहाड़ की चोटी पर अवस्थित यह शिव मंदिर का स्थल मनोरम है और प्राकृतिक सुंदरता अद्भुत है। पहाड़ के चारों तरफ पेड़-पौधों की हरियाली ही हरियाली है। श्रद्धालुओं के लिए मंदिर जाने का बना पीसीसी पथ और उसके किनारे हरे भरे पौधे श्रद्धालुओं को सहसा अपनी और आकर्षित करती है। जिसे लोग इस मनोरम दृश्य को अपने मोबाईल फोन के कैमरे में कैद करते हैं व सेल्फी लेकर भरपूर लुफ्त उठाते हैं।

राजा पहाड़ी मंदिर का इतिहास...

राजा पहाड़ी शिव मंदिर में भगवान शिव की प्रतिमा 750 फीट चोटी पर वर्ष 1917 ई० में भगवान रुद्र की स्थापना कर पूजा प्रारंभ किया गया था। 1980 ई० से इस मंदिर में प्रातः पूजन एवं संध्या आरती होते आ रहा है। इसके बाद से ही श्रद्धालुओं की भीड़ लगने से आस्था का केंद्र बनते गया और वर्ष 1988 ई० में मंदिर निर्माण समिति द्वारा राजा पहाड़ी शिव मंदिर का शिलान्यास वनांचल गुरु शंकराचार्य द्वारा मंदिर का कराया गया था। वही शिवलिंग का स्थापना कर पुराने व छोटे मंदिर की जगह विशाल मंदिर निर्माण के आधारशिला रखी गई इसके बाद वर्ष 2013 में नर्मदेश्वर शिवलिंग का स्थापना किया गया। जिसके बाद से ही झारखंड सहित अन्य राज्य में इस मंदिर को राजा पहाड़ी शिव मंदिर के नाम से जाना जाता है।

यहां होता है श्रावणी महोत्सव का आयोजन

हर साल राजा पहाड़ी शिव मंदिर पर श्रावणी मेला का आयोजन होता है। जो देखने लायक योग है। मंदिर समिति द्वारा मंदिर परिसर में नागरिक सुविधाओं के साथ-साथ मंदिर की खूबसूरती में चार चांद लगा रहे हैं इस निर्माण कार्य में जनप्रतिनिधियों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है यहां पर मंदिर परिसर में सामुदायिक भवन सभागार यात्री शेड बनाए गए हैं पेयजल की व्यवस्था है इन सुविधाओं के कारण यहां प्रतिवर्ष वैवाहिक कार्यक्रम के लिए लोग आते हैं। राजा पहाड़ी शिव मंदिर प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष कामेश्वर प्रसाद एवं रजनीकांत मधुर उर्फ भोलू ने बताया कि श्रावणी मेला को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है मंदिर के चारों तरफ झालर,बत्ती,लाइट द्वारा आकर्षक ढंग से सजाया गया है, साउंड सिस्टम भी लगए गए है। उन्होंने बताया कि हर सोमवारी को श्रद्धालुओं की भीड़ होती हैं, जिसे देखते हुए पुलिस प्रशासन की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था का भी इंतजाम किया गया है। इसी के साथ सावन की पहली सोमवारी को सुबह से ही विधिवत पूजा अर्चना के बाद श्रावणी महोत्सव मेला का शुभारंभ होगा।

जहां भक्तों की मनोकामना होती है पूर्ण, वहां प्रधान पुजारी रामचंद्र पाठक हैं आस्था के प्रहरी

राजा पहाड़ी शिव मंदिर के प्रधान पुजारी श्री रामचंद्र पाठक न केवल वर्षों से इस पवित्र स्थल की धार्मिक परंपराओं को निभा रहे हैं, बल्कि पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ भगवान शिव की सेवा में निरंतर रत हैं। हर वर्ष सावन मास और महाशिवरात्रि के अवसर पर यहां हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है, जिसे सुव्यवस्थित करने में श्री पाठक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। मंदिर परिसर की स्वच्छता, भक्तों के लिए सुचारु दर्शन-पूजन व्यवस्था, और धार्मिक अनुष्ठानों की मयार्दा बनाए रखने में वे व्यक्तिगत रूप से सक्रिय रहते हैं। राजा पहाड़ी की सुरम्य प्राकृतिक छटा और शिवमय वातावरण में जब श्रद्धालु मंदिर की चढ़ाई करते हैं, तो उनके मन में एक अलौकिक शांति और श्रद्धा का संचार होता है। ऐसी मान्यता है कि इस स्थल पर सच्चे मन से की गई प्रार्थना भगवान शिव अवश्य सुनते हैं और भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

सच्चे मन से मांगे हर मुराद पूरे होते हैं : रामचंद्र

इस अवसर पर प्रधान पुजारी रामचंद्र पाठक ने कहा–हमारा प्रयास यही रहता है कि यहां आने वाले किसी भी शिवभक्त को कोई कठिनाई न हो। सावन और महाशिवरात्रि में मंदिर परिसर की व्यवस्था को लेकर समिति के सभी सदस्य पूरी निष्ठा के साथ लगे रहते हैं। यह सिर्फ एक मंदिर नहीं, बल्कि आस्था का पर्वत है, जहां शिवभक्तों की श्रद्धा शिव से सीधे जुड़ती है। यहां आने वाले हर श्रद्धालु भगवान शिव के चरणों में सच्चे मन से झुके, यही हमारी कामना है। उनकी सेवा भावना, संयमित नेतृत्व और धार्मिक समर्पण ने न केवल मंदिर की व्यवस्था को उच्च स्तर पर पहुँचाया है, बल्कि राजा पहाड़ी शिवधाम को पूरे झारखंड में एक विशेष धार्मिक पहचान भी दिलाई है।

ब्रीफ न्यूज

अमेरिका समुद्री सैन्य क्षमता बढ़ाने 76.6 अरब डॉलर के जहाज बनाने करेगा सौदा

वाशिंगटन। अमेरिका ने अपनी समुद्री सैन्य क्षमता और परमाणु प्रतिरोधक शक्ति को नई ऊंचाई पर पहुंचाने के लिए 76.6 अरब डॉलर के विशाल जहाज बनाने का ऐलान किया है। इस ऐतिहासिक रक्षा सौदे के तहत पांच नई कोलंबिया क्लास बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियों और नौ वर्जीनिया क्लास परमाणु हमला करने वाली पनडुब्बियों का निर्माण किया जाएगा। अमेरिकी रक्षा विभाग ने कहा है कि यह निवेश आने वाले कई दशकों तक देश की समुद्री सुरक्षा, रणनीतिक बढ़त और परमाणु प्रतिरोध क्षमता को मजबूत बनाएगा। इस परियोजना का प्रमुख ठेका अमेरिकी रक्षा कंपनी जनरल डायनेमिक्स इलेक्ट्रिक बोट को दिया है, जिसे पांच कोलंबिया क्लास पनडुब्बियां बनाने की जिम्मेदारी मिली है। वहीं वित्त वर्ष 2025 से 2029 तक तैयार होने वाली नौ वर्जीनिया क्लास पनडुब्बियों का निर्माण जनरल डायनेमिक्स इलेक्ट्रिक बोट और एचआईआई-न्यूपोर्ट न्यूज शिपबिल्डिंग संयुक्त रूप से करेंगे।

मुनीर की तानाशाही : अपनी ही जनता पर फोड़ रहा ड्रोन

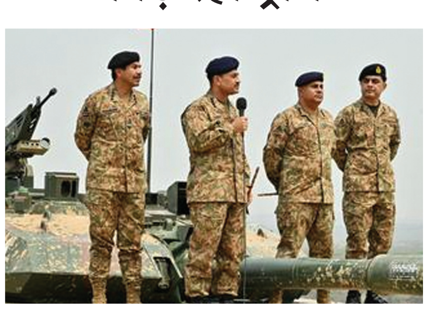

क्वेटा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में कथित ड्रोन हमले के बाद एक बार फिर सुरक्षा बलों की कार्रवाई और मानवाधिकारों को लेकर विवाद गहरा गया है। मानवाधिकार समूहों और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार को खुजदार जिले के एक रिहायशी इलाके में हुए कथित ड्रोन हमले में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों में तीन की पहचान इरफान, मीर गुल और अली गुल के रूप में की गई है, जबकि चौथे व्यक्ति की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। घायल व्यक्ति को उपचार के लिए कराची भेजा गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। मानवाधिकार संगठनों ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए आरोप लगाया कि आम नागरिकों को निशाना बनाया गया है।

स्पेन में घुस रहे हड़बड़ी के चलते समुद्र में गिरे अब तक 57 की मौत

स्यूटा। उत्तरी अफ्रीका में स्थित स्पेन के स्वायत्त क्षेत्र स्यूटा की सीमा पर प्रवासियों के एक विशाल समूह के जबरन दाखिल होने की कोशिश के बाद हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए हैं। गुरुवार और शुक्रवार के बीच मोरक्को की ओर से लगभग 60 हजार प्रवासी स्पेनिश क्षेत्र स्यूटा में प्रवेश कर गए, जो इस शहर की कुल आबादी के करीब 70 प्रतिशत के बराबर है। इस अचानक हुए बड़े पैमाने पर प्रवास के दौरान मची भगदड़ और समुद्र में डूबने के कारण कम से कम 57 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। बिगड़ती स्थिति पर काबू पाने के लिए स्पेनिश अधिकारियों को सीमा पर सेना की तैनाती करनी पड़ी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई वैश्विक नेताओं ने इस दुखद घटना की कड़े शब्दों में निंदा की है। स्यूटा को अक्सर अफ्रीका से यूरोप में प्रवेश करने का मुख्य द्वार माना जाता है। सीमा पार करने के लिए प्रवासियों ने तराजल ब्रेकवाटर के पास समुद्र में तैरकर, टायरों और रबर ट्यूबों के सहारे तथा कंटीले तारों की बाड़ को तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश की। इस दौरान सीमा पर मोरक्को के सुरक्षा बलों और प्रवासियों के बीच भीषण झड़पें हुईं।

ट्रंप का ईरान को सख्त संदेश कहा-जारी रहेगी सैन्य कार्रवाई

वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि जब तक ईरान अमेरिकी सेनाओं के लिए खतरा बना रहेगा या परमाणु हथियार विकसित करने की क्षमता रखेगा, तब तक उसके खिलाफ सैन्य कार्रवाई जारी रहेगी। कैंप डेविड में आयोजित कैबिनेट बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका राजनयिक प्रयासों के साथ-साथ सैन्य और रणनीतिक दबाव भी बनाए रखेगा। उन्होंने कहा कि ईरान को किसी भी परिस्थिति में परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिए जाएंगे। ट्रंप के अनुसार, यदि तेहरान के पास परमाणु हथियार होते तो पूरा पश्चिम एशिया गंभीर तबाही का सामना कर चुका होता।

राष्ट्रपति ने दावा किया कि अमेरिकी अभियानों से ईरान की सैन्य क्षमता को भारी नुकसान पहुंचा है। उनके मुताबिक, ईरान की नौसेना, वायुसेना और वायु रक्षा प्रणाली को गंभीर क्षति पहुंची है, हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि ईरान के पास अब भी कुछ सीमित सैन्य क्षमता मौजूद है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका पहले ही बड़े पैमाने पर कार्रवाई कर चुका है और आवश्यकता पड़ने पर आगे भी निर्णायक कदम उठाए जाएंगे। ट्रंप ने ईरानी नेतृत्व के साथ चल रही बातचीत पर भी संदेह जताया। उन्होंने कहा कि कूटनीतिक समाधान की संभावना पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है, लेकिन ईरान की विश्वसनीयता पर उनका भरोसा पहले की तुलना में कम हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बातचीत के दौरान भी ईरान ने मिसाइल हमले किए, जिससे वार्ता प्रक्रिया कमजोर हुई। उन्होंने बताया कि जॉर्डन स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे पर दागी गई पांच मिसाइलों को अमेरिकी सेना ने सफलतापूर्वक रोक लिया था।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान पर बढ़ते दबाव को क्षेत्रीय घटनाक्रम से भी जोड़ा। उनका कहना था कि इससे इजरायल और हमास के बीच हथियारों से जुड़े समझौते की दिशा में प्रगति संभव हुई है। उन्होंने दावा किया कि कुछ महीने पहले तक ऐसी स्थिति की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि निकट भविष्य में अमेरिका और ईरान के बीच सीमित टकराव की संभावना बनी रह सकती है, लेकिन समय के साथ ईरान की क्षमता और प्रभाव कमजोर पड़ जाएगा।

ट्रंप ने यूक्रेन को उन्नत अमेरिकी हथियार उपलब्ध कराने पर भी चर्चा की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम और टॉमहॉक मिसाइल जैसी संवेदनशील तकनीक पर अत्यंत सावधानी से निर्णय लिया जाएगा। रूस-यूक्रेन युद्ध पर उन्होंने कहा कि स्थायी समाधान तभी संभव होगा, जब दोनों पक्ष समझौते के लिए तैयार हों। ट्रंप ने दोहराया कि उनकी ईरान नीति आर्थिक प्रतिबंध, सैन्य दबाव और कूटनीतिक प्रयासों पर आधारित है तथा अमेरिका अपने सहयोगियों के साथ मिलकर क्षेत्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

ट्रंप का दावा : भारत-पाकिस्तान की जंग अमेरिका ने रुकवाई

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के समय अमेरिका ने चेतावनी दी थी कि यदि युद्ध समाप्त नहीं हुआ, तो दोनों देशों पर 250 प्रतिशत का भारी व्यापारिक शुल्क लगाया जाएगा। ट्रंप के अनुसार, इस चेतावनी से भारत और पाकिस्तान बहुत नाराज हुए और उन्होंने कड़ा विरोध दर्ज कराया, लेकिन अगले ही दिन दोनों पक्षों ने संपर्क कर युद्ध न लड़ने का फैसला किया। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि इस सैन्य संघर्ष में 11 विमान गिराए गए थे और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने माना था कि अमेरिकी हस्तक्षेप ने दोनों परमाणु संपन्न देशों के बीच युद्ध रोककर करोड़ों जिंदगियां बचाईं। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान आठ युद्ध रुकवाने की बात दोहराते हुए कहा कि व्यापारिक शुल्कों के दबाव का इस्तेमाल कर ही उन्होंने इस भीषण तनाव को शांत कराया था। हालांकि, भारत सरकार ने ट्रंप के इन सभी दावों का लगातार और मजबूती से खंडन किया है। नई दिल्ली ने स्पष्ट किया है कि 11 विमान गिराए जाने की बात पूरी तरह निराधार है। भारत का हमेशा से यह रुख रहा है कि इस संघर्ष विराम में किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता नहीं थी। भारत के अनुसार, संघर्ष विराम पर सहमति तब बनी थी जब पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशक ने खुद अपने भारतीय समकक्ष से संपर्क किया था। उल्लेखनीय है कि भारत ने पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में सक्रिय आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने के लिए पिछले साल 7 से 10 मई के बीच ऑपरेशन सिंदूर चलाया था। इस कार्रवाई में कई प्रमुख आतंकी ठिकाने तबाह कर दिए गए थे और इसके बाद पाकिस्तान की ओर से की गई किसी भी जवाबी कार्रवाई की कोशिश को भारतीय सेना ने पूरी तरह नाकाम कर दिया था।

भारतीय मूल की बेटी की ईरानी मिसाइल से मौत, अमेरिका ने हीरो की तरह दी आखिरी विदाई

न्यूयॉर्क

ईरान युद्ध में शहीद हुई भारतीय मूल की अमेरिकी सेना की सर्जेंट एंजेल सारा रामप्रसाद को पूरे सैन्य सम्मान और भावपूर्ण श्रद्धांजलि के साथ अंतिम विदाई दी गई। स्थानीय समयानुसार शुक्रवार को न्यूयॉर्क में उनके अंतिम संस्कार में अमेरिकी सेना के अधिकारी, सैनिक, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी भी शोक सभा में पहुंचे और सर्जेंट रामप्रसाद की बहादुरी तथा बलिदान को याद करते हुए कहा कि उनकी सेवा और साहस को शहर हमेशा सम्मान के साथ याद रखेगा। शहादत के बाद न्यूयॉर्क राज्य में सम्मान स्वरूप सरकारी भवनों पर अमेरिकी झंडे आधे झुकाए गए। राज्य प्रशासन ने उनके सम्मान में विशेष श्रद्धांजलि कार्यक्रम भी आयोजित किए। न्यूयॉर्क पुलिस के मोटरसाइकिल दस्ते की अगुवाई में उनके पार्थिव शरीर को चर्च तक ले जाया गया, जहां अंतिम प्रार्थना सभा आयोजित हुई। इसके बाद लॉन्ग आइलैंड स्थित कब्रिस्तान में सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। एंजेल सारा रामप्रसाद की मां कैरोल एसेवेडो ने अपनी बेटी को एक सच्ची हीरो बताते हुए कहा कि उन्होंने देश की सेवा को सर्वोपरि रखा। एंजेल का जन्म त्रिनिदाद में हुआ था और वह महज दो वर्ष की उम्र में अपने परिवार के साथ अमेरिका आ गई थीं। वहीं उनका पालन-पोषण हुआ और आगे चलकर उन्होंने अमेरिकी सेना में भर्ती होकर देश की सेवा का मार्ग चुना। एंजेल सारा रामप्रसाद जर्मनी में आर्मी एयर एंड मिसाइल डिफेंस कमांड के साथ तैनात थीं। बाद में उन्हें जॉर्डन के मुवफ्फाक साल्टी एयर बेस पर भेजा गया, जहां जुलाई के मध्य में हुए ईरानी मिसाइल हमले में उनकी जान चली गई। उनके पार्थिव शरीर को 22 जुलाई को डोवर एयर फोर्स बेस लाया गया, जहां सैन्य सम्मान के साथ उनका स्वागत किया गया।

अमेरिका का एफ-35बी स्टील्थ फाइटर क्रैश, पायलट सुरक्षित

कैलिफोर्निया। अमेरिका का एडवांस्ड एफ-35बी लाइटनिंग-2 स्टील्थ लड़ाकू विमान गुरुवार को कैलिफोर्निया के मरीन कॉर्प्स एयर स्टेशन मिरामार में लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह हादसा ऐसे समय हुआ है जब हाल ही में ईरान ने 3 एफ-35 को तबाह करने का दावा किया था, हालांकि इस क्रैश का ईरान से कोई संबंध नहीं है और न ही यह पश्चिम एशिया में हुआ है। स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 10 बजे यह विमान रनवे के पास गिरा और दो बड़े हिस्सों में टूटकर उसमें आग लग गई। राहत की बात यह रही कि पायलट समय रहते इजेक्ट करने में सफल रहा। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई गई है। मरीन कॉर्प्स ने पुष्टि की कि यह विमान मरीन एयरक्राफ्ट ग्रुप-11 और थर्ड मरीन एयरक्राफ्ट विंग का हिस्सा था। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, विमान रनवे तक पहुंचने से पहले ही नीचे आ गया। हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। एफ-35बी, अमेरिका के एफ-35 लाइटनिंग-2 फैमिली का एक विशेष जेट है, जिसे शॉर्ट टेकऑफ एंड वर्टिकल लैंडिंग क्षमता के साथ तैयार किया गया है। इसका मतलब है कि यह कम दूरी के रनवे से उड़ान भर सकता है और हेलीकॉप्टर की तरह लगभग सीधा उतर भी सकता है। यही वजह है कि इसे छोटे एयरबेस, युद्धपोतों और उभयचर हमलावर जहाजों से भी संचालित किया जा सकता है। यह पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ फाइटर है, जिसकी डिजाइन ऐसी है कि दुश्मन के रडार के लिए इसे पकड़ना बेहद मुश्किल होता है। इसमें अइसा रडार, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल टारगेटिंग सिस्टम, डिस्ट्रीब्यूटेड अपर्चर सिस्टम और अत्याधुनिक सेंसर फ्यूजन तकनीक लगी है, जिससे पायलट को युद्धक्षेत्र की लगभग 360 डिग्री की तस्वीर मिलती है। यह विमान हवा से हवा और हवा से जमीन दोनों तरह के मिशन पूरे कर सकता है। जरूरत पड़ने पर यह लंबी दूरी की मिसाइलें, लेजर-गाइडेड बम और अन्य आधुनिक हथियार ले जा सकता है।

कराची के ल्यारी में गैंगस्टर उजैर बलोच के भाई पर हमला

करांची

कराची का कुख्यात ल्यारी इलाका एक बार फिर हिंसक वारदात के चलते सुर्खियों में आ गया है। ल्यारी के जेल में बंद गैंगस्टर उजैर बलोच के भाई जुबैर बलोच पर अज्ञात हमलावरों ने जानलेवा हमला कर दिया। स्थानीय पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब जुबैर बलोच अपने घर के बाहर बैठा हुआ था। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए दो हमलावरों ने उस पर अंधाधुंध ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इस हमले में जुबैर को कई गोलियां लगी हैं, जबकि पास से गुजर रहे दो अन्य निर्दोष लोग भी गोलीबारी की चपेट में आकर घायल हो गए। वारदात के तुरंत बाद सभी घायलों को इलाज के लिए कराची अस्पताल ले जाया गया, जहां जुबैर की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। उजैर बलोच की गैर-मौजूदगी में उसका भाई जुबैर भी जरायम की दुनिया में सक्रिय बताया जाता है। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, जुबैर पर पहले से ही करीब सात आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह कई बार जेल की हवा भी खा चुका है। हालांकि पुलिस इस मामले की विभिन्न पहलुओं से गहन जांच कर रही है, लेकिन अभी तक हमलावर पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। इस वारदात के पीछे दो मुख्य वजहें मानी जा रही हैं। स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं के अनुसार, जुबैर ने हाल ही में एक राजनीतिक पार्टी का दामन थामा था और इलाके में अपनी पार्टी के झंडे व पोस्टर लगाना शुरू कर दिया था। ऐसे में यह आशंका जताई जा रही है कि किसी प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक गुट के इशारे पर इस हमले को अंजाम दिया गया हो। दूसरी तरफ, खाड़ी देशों और ईरान से पुराने गैंगस्टरों की वतन वापसी को भी इसका कारण माना जा रहा है। कराची पुलिस ऑपरेशन के दौरान कई अपराधी ईरान भाग गए थे, जो अंतरराष्ट्रीय स्थितियों के कारण अब वापस लौट रहे हैं। इससे इलाके में वर्चस्व की जंग और गैंगवॉर दोबारा भड़कने का खतरा पैदा हो गया है। गौरतलब है कि उजैर बलोच इस समय कई गंभीर मामलों में जेल में बंद है, जिसमें जासूसी के आरोप में मिली 12 साल की सजा भी शामिल है।

गैरकानूनी संस्था बन चुका है न्यायालय- यूएस विदेश मंत्री रुबियो

वॉशिंगटन

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के खिलाफ ट्रंप प्रशासन के रुख को और सख्त करते हुए कहा कि अमेरिका ने अदालत के प्रभाव को सीमित करने के लिए वैश्विक अभियान शुरू किया है। उन्होंने आईसीसी को गैरकानूनी संगठन बताते हुए आरोप लगाया कि यह उन देशों के नागरिकों पर भी अधिकार जताने की कोशिश करता है, जो इसके सदस्य नहीं हैं। रुबियो के अनुसार, इस तरह का रवैया अंतराष्ट्रीय कानून की मूल भावना के विपरीत है और इससे अमेरिकी सैन्य अधिकारियों, राजनीतिक नेताओं तथा अन्य नागरिकों के खिलाफ भविष्य में मुकदमे चलाने का रास्ता खुल सकता है। रुबियो ने कहा कि अमेरिका ने पहले आईसीसी के भीतर सुधार की मांग की थी, लेकिन प्रयास सफल नहीं होने पर अब उसकी कार्यप्रणाली और प्रभाव को सीमित करने की रणनीति अपनाई गई है। उन्होंने दावा किया कि इस अभियान को अंतराष्ट्रीय स्तर पर समर्थन मिल रहा है। उनके मुताबिक, पिछले दो सप्ताह में कई देशों ने इस पहल का समर्थन किया है और पांच देश पहले ही आईसीसी से अलग होने की प्रक्रिया शुरू कर चुके हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में अन्य देश भी इसी राह पर चल सकते हैं।

समस्या

एलन मस्क ने छोड़ा था रॉकेट

चांद पर गिरने वाला है 4500 किलो का अनियंत्रित स्पेसएक्स रॉकेट

वॉशिंगटन

अंतरिक्ष में छोड़े गए हर रॉकेट का सफर उसके मिशन के साथ खत्म नहीं होता, कई बार उसका एक हिस्सा वर्षों तक बिना किसी नियंत्रण के अंतरिक्ष में भटकता रहता है। अब ऐसा ही एक स्पेसएक्स रॉकेट का ऊपरी हिस्सा (अपर स्टेज) बुधवार, 5 अगस्त को चंद्रमा से टकराने वाला है। यह कोई योजनाबद्ध मिशन नहीं है, बल्कि एक अनियोजित टक्कर है, जिसने वैज्ञानिकों का ध्यान खींचा है और भविष्य के चंद्रमा से जुड़े मिशनों को लेकर नई चिंताएँ पैदा की हैं।

अंतरिक्ष ट्रैकिंग विशेषज्ञ बिल ग्रे के अनुसार, यह रॉकेट का हिस्सा लगभग 8,700 किलोमीटर प्रति घंटा (5,400 मील प्रति घंटा) की रफ्तार से चंद्रमा के आइंस्टीन क्रेटर के पास टकराएगा। टक्कर इतनी तेज होगी कि इसकी ऊर्जा करीब तीन टन टीएनटी के विस्फोट के बराबर मानी जा रही है। यह घटना दशकों से बढ़ते अंतरिक्ष मलबे की समस्या को उजागर करती है। यह रॉकेट स्टेज 15 जनवरी 2025 को दो निजी चंद्रमा मिशनों को लेकर लॉन्च हुआ था। इनमें फायरफ्लाई एयरोस्पेस का ब्लू घोस्ट लैंडर सफलतापूर्वक चांद पर उतर गया था, जबकि जापान की कंपनी आईस्पेस का लैंडर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। मिशन पूरा होने के बाद, रॉकेट के इस हिस्से को किसी सुरक्षित कक्षा या सूर्य की परिक्रमा वाली कक्षा में भेजा जा सकता था, ताकि यह अंतरिक्ष में अनावश्यक कचरा न बने। लेकिन ऐसा नहीं हुआ, और यह लगभग डेढ़ साल तक अंतरिक्ष में अनियंत्रित तरीके से घूमता रहा। अब इसकी कक्षा चंद्रमा से टकराने की स्थिति में पहुंच गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह दुर्घटना स्पेसएक्स की योजना का हिस्सा नहीं थी, बल्कि अंतरिक्ष में बढ़ते अनियंत्रित मलबे का सीधा नतीजा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस एक टक्कर से फिलहाल कोई बड़ा खतरा नहीं है, लेकिन यह घटना एक बड़ी और गंभीर समस्या की ओर स्पष्ट इशारा करती है। स्पेस ट्रैकिंग विशेषज्ञ बिल ग्रे कहते हैं, अंतरिक्ष अब पहले की तुलना में कहीं ज्यादा भीड़भाड़ वाला हो गया है।

संपादकीय

‘लोक परीक्षा बिल 2026’ पास

अभिमत

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के जंतर मंतर समेत देश भर में विद्यार्थियों के सड़क पर आवाज बुलंद करने के बाद हरकत में आई सरकार की ओर से प्रवेश एवं प्रतियोगी परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए लाए गए ह्यलोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026ह्न को बुधवार को लोकसभा की मंजूरी मिल गई। उम्मीद की जा रही थी कि विद्यार्थियों के आंदोलन से निकले इस विधेयक की अहमियत के मद्देनजर संसद में इस पर व्यापक और सार्थक चर्चा होगी, इसकी कमियों पर विचार होगा और नए सुझाव सामने आएंगे, जिनके आधार पर एक सशक्त कानून बनाया जाएगा। मगर, इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि चर्चा का यह दौर भी हंगामे की भेंट चढ़ गया, जिसने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। विपक्ष का आरोप है कि उसे बोलने नहीं दिया गया, वहीं सत्तापक्ष का कहना है कि विपक्षी नेताओं ने विधेयक पर चर्चा को केंद्र में नहीं रखा।

विपक्ष सड़क से लेकर संसद तक विद्यार्थियों पर प्रदर्शन के दौरान बल प्रयोग का मुद्दा लगातार उठाता रहा है। अब सर्वोच्च न्यायालय ने भी संकेत दिया है कि वह पुलिस की सख्ती से जुड़े मामले की जांच के लिए विशेष दल का गठन कर सकता है। काकरोच जनता पार्टी के आह्वान पर शुरू हुआ विद्यार्थियों का आंदोलन तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और सरकार की ओर से परीक्षा प्रणाली में सुधार के आश्वासन के बाद ही समाप्त हुआ था। लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक इन्हीं सुधारों की एक महत्त्वपूर्ण कड़ी है। माना जा रहा था कि इस विधेयक में अगर कोई कमी रह गई होगी, तो संसद में व्यापक चर्चा के दौरान पेश किए जाने वाले सुझावों के माध्यम से इसे दूर किया जा सकता है। मगर चर्चा के दौरान लोकसभा में जिस तरह का माहौल देखा गया, उससे यह विश्वास करना मुश्किल है कि शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए वास्तव में सख्त एवं सक्षम कानून बनाने के गंभीर प्रयास हुए हों।

विपक्ष की ओर से सवाल उठाना स्वाभाविक है, लेकिन यह सत्तापक्ष का दायित्व है कि वह आशंकाओं का निवारण करे और चर्चा को सही दिशा में ले जाए। अगर संसद में बिना सार्थक चर्चा के ही किसी विधेयक को पारित कर दिया जाए, तो जाहिर है कि उस पर भविष्य में भी सवाल उठते रहेंगे। दूसरी ओर विद्यार्थियों के प्रदर्शन के दौरान उन पर बल प्रयोग का मुद्दा भी अहम है। यह प्रश्न शुरू से उठता रहा है कि क्या सुरक्षाबलों के लिए यही एक अंतिम विकल्प था? अगर विद्यार्थियों के संसद मार्च से पहले ही सरकार ने संवाद के जरिए उन्हें भरोसे में लेने की कोशिश की होती, तो संभवतः इस स्थिति को टाला जा सकता था।

इतिहास

क्या-क्या हुआ

- 1714 महारानी जॉर्ज लुडविग इंग्लैंड के किंग जॉर्ज प्रथम बने।
- 1732 बैंक ऑफ इंग्लैंड का उद्घाटन किया गया।
- 1770 कागल का युद्धः रूसी कमांडर प्योरट रोमिंट्सव ने 150,000 तुर्कों का सफाया किया।
- 1785 कैरोलीन हर्षेल धूमकेतु की पहली महिला खोजक बन गईं।
- 1786 कैरोलीन हर्षेल ने एक धूमकेतु की खोज की (पहली बार एक महिला द्वारा की गई खोज)।
- 1801 पहले बारबरी वॉर-द अमेरिकन स्कॉलर यूएसएस एंटरप्राइज ने आधुनिक-लीबिया के एक एकल-जहाज कार्रवाई में त्रिपोलियन पोलक्का त्रिपोली पर कब्जा कर लिया।
- 1818 संयुक्त राज्य विभाग के पृथक स्थलाकृतिक ब्यूरो की स्थापना की गयी।
- 1834 गुलामी उन्मूलन अधिनियम 1833 लागू हुआ, अधिकांश ब्रिटिश साम्राज्य में आधिकारिक तौर पर दासता।
- 1855 मोंटे रोसा पर पहली चढ़ाई, आल्प्स में दूसरे सर्वोच्च शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया।
- 1883 डाक सेवा को महत्व देने के लिए ग्रेट ब्रिटेन ने अंतदेर्शीय डाक सेवा की शुरूआत की।
- 1883 इनलैंड डाक सेवाओं का आरम्भ ग्रेट ब्रिटेन में किया गया।
- 1902 ऑस्ट्रेलिया के वोलोंगोंग शहर में पिट विस्फोट में 100 लोग मारे गए।
- 1907 रॉबर्ट बैडेन-पॉवेल इंग्लैंड के ब्राउनसेआ आइलैंड पर पहला स्काउट शिविर ले गए।
- 1914 इतिहास में प्रथम विश्व युद्ध की शुरूआत जर्मनी एवं रूस द्वारा की गयी।
- 1914 यूरोप में युद्ध के कारण न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज बंद किया गया।
- 1924 सऊदी अरब के राजा शाह अब्दुल्ला का जन्म हुआ।
- 1946 संयुक्त राज्य अमेरिका में परमाणु ऊर्जा आयोग की स्थापना की गयी।
- 1960 पाकिस्तान की पुरानी राजधानी को कराची से बदलकर इस्लामाबाद में तबदील कर दिया गया।
- 1965 ब्रिटिश टेलीविजन पर सिगरेट विज्ञापन प्रतिबंधित किया गया।
- 1971 अंतरिक्ष यात्री जेम्स इरविन और डेविड स्कॉटकेम 'चंद्र रोवर' पर चंद्रमा सफारी के दौरान जेनेसिस रॉक नामक चट्टान के पार। यह लगभग 4,500 मिलियन वर्ष पुराना माना जाता है।
- 1976 सिएटल सीहॉक्स ने अपना पहला फुटबॉल गेम खेला।

लोक मुद्दा

जनता के बेवकूफ समझने वाले नेताओं के हिस्से में आती है सिर्फ सियासी दुर्दशा

बात हाल-फिलहाल की है, जब भारत के दिल और देश की राजधानी दिल्ली का जंतर-मंतर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन की हेडलाइनों की तपिश से उबल रहा था। पूरे देश में इस आंदोलन को लेकर चर्चा गरम थी। चाय की एक दुकान पर टंगे टेलीविजन स्क्रीन पर तीन-चार नेता एक-दूसरे पर चिल्ला रहे थे। बहस का विषय देश का विकास, युवाओं की नौकरियां, महिलाओं की सुरक्षा या किसानों की बदहाली नहीं था, बल्कि एक मामूली स्थानीय घटना को लेकर शुरू हुआ ऐसा विवाद था, जिसे मजहबी और सियासी रंग दे दिया गया था। बहस में शामिल एक युवा नेता पूरी ताकत से चिल्लाकर अपने से दुगनी उम्र के विरोधी नेता को सरेआम भ्रष्टाचारी और अपराधियों का सरपरस्त घोषित कर रहा था। उसके पास न तो कोई अदालती सबूत था और न ही कोई पुख्ता दस्तावेज, लेकिन उसकी आवाज की कड़वाहट और अपशब्दों की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि एंकर भी मूकदर्शक बना हुआ था।

अजय कुमार

शोर मचाने वाले नेता कुछ समय के लिए सुर्खियां तो पा सकते हैं, लेकिन वे कभी जनता के दिलों में जगह नहीं बना सकते। भारतीय लोकतंत्र की असली ताकत इसकी समझदार जनता है, जो समय आने पर हर अहंकारी और झूठे राजनेता का भ्रम बड़ी खामोशी और बेमुरव्वत तरीके से तोड़ देती है, और यही इस देश के भविष्य की सबसे बड़ी उम्मीद भी है।

चाय की चुस्की लेते हुए वहां खड़े एक बुजुर्ग ने गहरी सांस छोड़कर पास बैठे नौजवान से कहा कि आजकल जो जितना घटिया और तीखा बोलता है, उसे उतना ही बड़ा और जुझारू नेता मान लिया जाता है, सियासी तजुर्बे और मयार्दा की तो जैसे अब कोई कीमत ही नहीं बची है। यह दृश्य आज देश की समकालीन राजनीति का एक ऐसा कड़वा सच बन चुका है, जहां राजनीति हर समय 24 घंटे और 365 दिन चरम पर रहती है। चुनाव खत्म हो जाते हैं, सरकारें बन जाती हैं, लेकिन चुनावी मोचेबंदी और नफरत का माहौल कभी शांत नहीं होता। राजनीति का स्तर लगातार नीचे गिरता जा रहा है और सार्वजनिक विमर्श से वे मुद्दे पूरी तरह गायब हो चुके हैं, जो सीधे तौर पर आम नागरिक के जीवन को प्रभावित करते हैं। आज देश के युवाओं की तरक्की, रोजगार के नए अवसरों का निर्माण, महिलाओं का सम्मान और उनकी वास्तविक सुरक्षा, किसानों की आय दोगुनी करना, मजदूरों को उनका हक दिलाना और कानून व्यवस्था को मजबूत करके अपराधियों पर शिकंजा कसना जैसे बुनियादी विषय राजनीतिक दलों के घोषणापत्रों की धूल फांक रहे हैं। नेताओं की चिंता अब देश की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने की कम और सोशल मीडिया पर अपनी रील्स और बयानों को वायरल करवाकर सुर्खियां बटोरने की ज्यादा हो गई है। अपनी राजनीति चमकाने के लिए बेहद छोटी और स्थानीय घटनाओं को तिल का ताड़ बनाकर पेश करना कुछ सियासी सूरमाओं का रोज का काम बन गया है।

इस गिरते स्तर का सबसे खतरनाक पहलू यह है कि अब बिना किसी जांच या सबूत के किसी भी सम्मानित व्यक्ति या विरोधी पर सीधे भ्रष्टाचार, बलात्कारियों को संरक्षण देने या चंदा चोरी जैसे गंभीर आरोप लगा दिए जाते हैं। टीवी कैमरों के सामने आकर बड़ी-बड़ी बातें की जाती हैं, प्रेस कॉन्फ्रेंस में सनसनी फैलाई जाती है, लेकिन जब अदालत में सबूत पेश करने या जिम्मेदारी लेने का वक्त आता है, तो यही नेता अपनी बात से पलट जाते हैं या फिर विक्टिम

कार्ड खेलने लगते हैं। जिम्मेदारी से भाग जाना और झूठे आरोपों के पीछे छिप जाना आज के कई राजनेताओं का स्थायी चरित्र बन चुका है। हद तो तब हो जाती है, जब अपनी राजनीतिक रोटियां सेकने के लिए कुछ नेता देश की तुलना पड़ोसी मुल्कों से करने लगते हैं। कोई भारत को नेपाल जैसी अस्थिरता की तरफ धकेलने की बात करता है, तो कोई खुलेआम धमकी देता है कि अगर उनकी बातें न मानी गईं तो देश के हालात बांग्लादेश जैसे हो जाएंगे, जहां तख्तापलट और हिंसा का तांडव देखने को मिला था। ऐसी गैर-जिम्मेदाराना बयानबाजी करते वक्त वे भूल जाते हैं कि वे उसी लोकतंत्र की थाली में छेद कर रहे हैं, जिसने उन्हें पहचान और पावर दी है।

इस पूरे तमाशे में सबसे बड़ा सहारा संविधान को बनाया जाता है। हर छोटा-बड़ा नेता हाथ में संविधान की किताब लेकर घूमता दिखाई देता है और खुद को उसका सबसे बड़ा रक्षक घोषित करता है। लेकिन विडंबना देखिए कि उसी संविधान की दुहाई देकर रोज लोकतांत्रिक संस्थाओं का अपमान किया जाता है, न्यायपालिका पर सवाल उठाए जाते हैं और कानून की धज्जियां उड़ाई जाती हैं। संविधान को ढाल बनाकर देश के ताने-बाने को तार-तार करने का यह खेल अब जनता भी समझने लगी है। इसी राजनीति का एक और दुखद और घिनौना पहलू यह है कि प्रगतिशील और धर्मनिरपेक्ष दिखने की होड़ में किसी न किसी बहाने से सनातन परंपराओं और हिंदुओं को गाली देना आज एक फैशन और नया रिवाज बन गया है। बहुसंख्यक समाज की आस्था, उनके त्योहारों और उनकी संस्कृति पर अभद्र टिप्पणियां करके कुछ राजनीतिक दल एक खास वोट बैंक को साधने की कोशिश करते हैं। उन्हें लगता है कि सनातन को नीचा दिखाकर वे खुद को आधुनिक और मसीहा साबित कर देंगे, लेकिन वे यह भूल जाते हैं कि इस देश की आत्मा सर्वधर्म समभाव में बसती है और किसी एक धर्म को लगातार निशाना बनाना समाज में केवल नफरत का जहर ही घोलता है।

इन नेताओं की सबसे बड़ी गलतफहमी यह है कि ये जनता को बेवकूफ समझते हैं। वातानुकूलित कमरों में बैठकर सोशल मीडिया की ट्रोल आर्मी के भरोसे राजनीति करने वाले इन सियासी दलों को लगता है कि वे जनता से बहुत ज्यादा होशियार और काबिल हैं। वे सोचते हैं कि वे जो भी नैरेटिव या झूठ परोसेंगे, जनता उसे सच मानकर आंखें बंद कर लेगी। वे जनता की खामोशी को उनकी नासमझी मान बैठते हैं। लेकिन भारतीय लोकतंत्र का इतिहास गवाह है कि जब-जब नेताओं का अहंकार सातवें आसमान पर पहुंचा है, तब-तब इसी देश की साधारण और गरीब जनता ने अपने वोट की ताकत से बड़े-बड़े सूरमाओं के सिंहासन को मिट्टी में मिला दिया है। जनता नेताओं की हर चाल, उनके हर खोखले वादे, उनके झूठे आरोपों और उनकी नफरत भरी बयानबाजी को बहुत बारीकी से देखती है। जब चुनाव का समय आता है, तो वह बिना कोई शोर मचाए ईवीएम का बटन दबाकर इन घमंडी और खुद को जरूरत से ज्यादा चालाक समझने वाले नेताओं को उनकी सही जगह दिखा देती है।

हाल के वर्षों में ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं, जहां जनता ने उन दलों और नेताओं को बार-बार ठुकराया है, जो केवल नकारात्मकता, झूठे आरोपों और बहुसंख्यक समाज को गाली देने की राजनीति पर निर्भर थे। जिन राज्यों में नेताओं ने विकास के काम ठप करके केवल जातिगत नफरत और तुष्टिकरण का खेल खेला, वहां की जनता ने उन्हें सत्ता के गलियारों से बाहर का रास्ता दिखा दिया।

कविता

मजाक नहीं, संवाद हो

मतभेदों का हक सबको है, लोकतंत्र की यहीं पहचान,
पर शब्दों में मयार्दा हो, यही तो है हिंदुस्तान की शान।

तर्कों से यदि गर सको तभी, विचारों का मान बढ़ाओ,
यूं कटाक्षों की तेज धार से, संवादों को मत भरमाओ।

जिस विद्वान से असहमति हो, खुलके स्वयं बात कहो,
परंतु हँसी का पात्र बनाकर, ज्ञान का अपमान न करों।

संसद सिर्फ ‘शोर’ नहीं है, ‘जनविश्वास’ की है दीवार,
यहाँ शब्दों से दीप जलें, ना ही उठे तिरस्कार की धार।

राजनीति में जीत-हार तो, हर मौसम की एक कहानी,
पर "सम्मान" बचा रह जाए, बस इतनी हो निगहबानी।

व्यक्ति नहीं, विचारों पे हो, लोकतंत्र का हर एक प्रहार,
मजाकों से नहीं सजेगा, प्रियंका का उज्ज्वल व्यवहार।

असहमति भी सुंदर हैं लगती, जब भाषा में हो संस्कार,
वाणी का संयम ही बनता, लोकतंत्र का सच्चा व्यवहार।

संजय एम तराणेकर
लेखक

लोक विचार

युवाओं के हाथ में अराजकता का झंडा थमाने की विपक्षी रणनीति

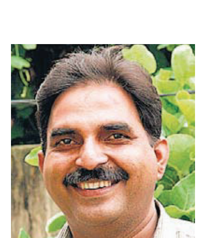

संजय सक्सेना

विपक्ष को यह समझना होगा कि हर विरोध प्रदर्शन को राजनीतिक हथियार बनाकर देश के युवाओं को भड़काने की नीति दीर्घकालिक रूप से देशहित और स्वयं उनके राजनीतिक भविष्य के लिए घातक है। पेलेट गन की घटना पर आक्रामक होकर संसद रोकना और दूसरी तरफ दर्जनों मृत छात्रों के परिवारों की उपेक्षा करना विपक्ष की संवेदनहीनता और दोहरे चरित्र को उजागर करता है।

भारतीय राजनीति में लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शनों का एक गरिमामय इतिहास रहा है। संविधान ने नागरिकों को शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांगों को रखने और विरोध दर्ज कराने का मौलिक अधिकार दिया है। लेकिन बीते कुछ वर्षों में देश की राजनीति में एक खतरनाक प्रवृत्ति देखने को मिली है, जहाँ लोकतांत्रिक आंदोलन की आड़ में उपद्रवी और अराजक तत्व हिंसा फैलाते हैं और राजनीतिक दल अपने संकीर्ण स्वार्थों के लिए उन दंगाइयों-उपद्रवियों को कभी मासूम जनता, मासूम छात्र और युवा या अन्नदाता बताकर देश में अराजकता फैलाने और लोगों को भड़काने की साजिश में जुट जाते हैं। हाल ही में जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शनों और उपद्रव के दौरान भी यही पटकथा दोहराई गई।

उपद्रवियों और हिंसा फैलाने वालों को छात्रों का चोला पहनाकर पूरे देश के युवाओं की संवेदनाओं से खेलने का प्रयास किया जा रहा है। यह पहला अवसर नहीं है; इससे पूर्व किसान आंदोलन, नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) विरोधी प्रदर्शन, और एसआईआर आंदोलन के दौरान भी विपक्ष ने अराजकता फैलाने वालों को ढाल बनाकर अपने राजनीतिक मंसूबों को साधने का प्रयास किया था। इसकी जड़ में जाया जाये तो पता चलता है कि जब-जब देश में बड़े कानून बने या प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण की दिशा में कदम उठाए गए, तब-तब एक खास राजनीतिक तंत्र ने उन सुधारों का रचनात्मक विरोध करने के बजाय सड़कों पर हिंसा और व्यवधान उत्पन्न करने वाली शक्तियों को संरक्षण दिया। सीएए विरोधी आंदोलन, नागरिकता देने वाले कानून को नागरिकता छीनने वाला भ्रम बनाकर देश के विभिन्न हिस्सों में सार्वजनिक संपत्ति को

नुकसान पहुंचाया गया। हिंसा में लिप्त असामाजिक तत्वों के पक्ष में राजनीतिक बयानबाजी की गई।

इसी तरह से किसानों के नाम पर दिल्ली की सीमाओं को महीनों तक घेरा गया, जिससे आम नागरिकों और देश की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ। 26 जनवरी को लाल किले पर हुई ऐतिहासिक हिंसा और राष्ट्रीय ध्वज के अपमान के दोषियों का बचाव करने में भी राजनीतिक दलों ने कोई कसर नहीं छोड़ी। जंतर-मंतर पर हालिया प्रदर्शनों के दौरान जब स्थिति बिगड़ी और उपद्रवियों द्वारा सुरक्षा बलों एवं आम जनजीवन को निशाना बनाया गया, तब पुनः वही घिसा-पिटा वृत्तांत गढ़ा गया कि सरकार निर्दोष छात्रों पर अत्याचार कर रही है।उधर, न्यायपालिका ने बार-बार स्पष्ट किया है कि विरोध प्रदर्शन का अधिकार कानून हाथ में लेने या हिंसा फैलाने का लाइसेंस नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने कई मील के पत्थर साबित होने वाले फैसलों में यह सिद्धांत तय किया है। आंदोलन या विरोध के नाम पर सार्वजनिक या निजी संपत्ति को नुकसान पहुँचाने वाले, कानून-व्यवस्था को भंग करने वाले और सार्वजनिक हिंसा में शामिल पूर्व के अपराधियों एवं उपद्रवियों के खिलाफ दर्ज मुकदमों को राजनीतिक दबाव में वापस नहीं लिया जा सकता। सर्वोच्च न्यायालय का यह रुख स्पष्ट करता है कि कानून की नजर में उपद्रवी केवल उपद्रवी होता है, चाहे वह खुद को छात्र कहे या आंदोलनकारी।

बहरहाल, अदालत के इस स्पष्ट और सख्त रुख के बावजूद, आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज और अन्य नेताओं ने अदालती प्रक्रिया और फैसलों पर राजनीतिक बयानबाजी की। न्यायपालिका द्वारा आपराधिक मामलों को वापस न लेने के फैसले के खिलाफ जिस प्रकार की तीखी भाषा का प्रयोग किया गया, उसने न्यायिक मयार्दाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। अदालत को एक तरह से राजनीतिक चुनौती देना या सार्वजनिक रूप से दबाने का प्रयास करना न्याय तंत्र की निष्पक्षता पर सीधा हमला है। विपक्ष के वृत्तांत की सबसे बड़ी कमजोरी उसका दोहरा रवैया और चयनात्मक संवेदनशीलता है।बात पैलेट गन के इस्तेमाल की भी जरूरत है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी संसद से लेकर सड़कों तक पेलेट गन की एक घटना को लेकर पूरे देश में हाहाकार मचाए हुए हैं और संसद की कार्यवाही नहीं चलने दे रहे हैं। निस्संदेह किसी भी नागरिक या छात्र का घायल होना दुखद है और उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। लेकिन इस एक घटना को राजनीतिक ढाल बनाकर संसद की कार्यवाही को ठप करना, देश के करोड़ों रुपये और विधायी समय को बर्बाद करना कहाँ तक न्यायसंगत है? दूसरी तरफ, प्रतियोगी परीक्षाओं के तनाव, कोचिंग संस्थानों की लापरवाही और प्रशासनिक कमियों के चलते जब हाल ही में लगभग 21 छात्र-छात्राओं की अकाल मृत्यु हुई, तो उस गंभीर त्रासदी पर विपक्ष की ओर से वैसी संवेदनशीलता नहीं दिखाई गई।

संपादक, प्रकाशक एवं मुद्रक - सत्यम कुमार जायसवाल। शिव साई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, टेंडर बगीचा के पास, थाना और पोस्ट-रातू 835222 राची, झारखंड से मुद्रित। ब्लॉक रोड़ मझिआंव पेट्रोल पंप के पास मझिआंव, जिला-गढ़वा 822134 से प्रकाशित। **RNI no - JHHIN/25/A0561** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)

ब्रीफ न्यूज

फ्रेंडशिप डे पर एयरटेल का डिजिटल फ्रेंडशिप बैंड ऑफर

नई दिल्ली। फ्रेंडशिप डे (2 अगस्त) के मौके पर एयरटेल ने अपने ग्राहकों के लिए डिजिटल फ्रेंडशिप बैंड की सुविधा शुरू की है। इसके तहत यूजर्स एयरटेल ऐप के माध्यम से अपने दोस्त के एयरटेल प्रीपेड नंबर पर रिचार्ज करने के साथ डिजिटल फ्रेंडशिप बैंड भी भेज सकेंगे। यह सुविधा 2 अगस्त 2026 तक उपलब्ध रहेगी। इस सुविधा का लाभ लेने के लिए यूजर्स को एयरटेल ऐप पर दोस्त का प्रीपेड नंबर दर्ज कर रिचार्ज प्लान चुनना होगा। भुगतान के बाद डिजिटल फ्रेंडशिप बैंड के विकल्प उपलब्ध होंगे, जिनमें जिम बडी, मीम डीलर, फूडी फ्रेंड, गॉसिप स्पिलर और फ्री थेरेपिस्ट जैसे विकल्प शामिल हैं। बैंड चुनने के बाद इसे व्हाट्सऐप या एसएमएस के जरिए फ्रेंडशिप डे संदेश के साथ साझा किया जा सकेगा। एसएमएस में दोस्त का नाम जोड़कर संदेश को व्यक्तिगत भी बनाया जा सकता है।

मारुति सुजुकी ब्रेज़ा नए अवतार में लांच

नई दिल्ली। अपनी लोकप्रिय सब-4-मीटर कॉम्पैक्ट एसयूवी, 2026 मारुति सुजुकी ब्रेज़ा को मारुति सुजुकी ने नए अवतार में लॉन्च किया है। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत रुपए 7.40 लाख तय की गई है, जो इसे पहले से कहीं अधिक प्रीमियम और तकनीकी रूप से उन्नत बनाती है। गाड़ी की बाहरी बनावट में नया फ्रंट ग्रिल, रिवाइज्ड बम्पर, नए ट्रायंगुलर फॉग लैंप हाउसिंग और नए स्टाइल वाले 16-इंच अलॉय व्हील्स प्रमुख बदलाव हैं। यह 2022 में आई सेकंड-जनरेशन के बाद से ब्रेज़ा का सबसे व्यापक अपडेट है, जिसमें न केवल लुक और इंटीरियर में बड़े बदलाव किए गए हैं, बल्कि एक बिल्कुल नया टर्बो-पेट्रोल इंजन, नया 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स और सेगमेंट-फर्स्ट सुरक्षा फीचर्स भी शामिल हैं। 1.0-लीटर टर्बो-पेट्रोल वेरिएंट में टेलगेट पर विशिष्ट टर्बो बैज और स्पोर्टी रेड हाइलाइट्स भी मिलेंगे। इंटीरियर को काफी प्रीमियम बनाया गया है, जिसमें क्लासिक ब्लैक और ब्राउन डुअल-टोन थीम के साथ पुराने सिल्वर इंसर्ट्स की जगह नया ग्लॉस ब्लैक फिनिश दिया गया है। नई लेदरेट सीटें नए पैटर्न और सिलाई के साथ आती हैं, और एसी व क्लाइमेट कंट्रोल के लिए आधुनिक बटन दिए गए हैं। फीचर्स के मामले में, 2026 ब्रेज़ा में अब 10.1-इंच का स्मार्टप्ले प्रो एक्स टचस्क्रीन, वेंटिलेटेड सीटें, 64-कलर एम्बिएंट लाइटिंग, कूल्ड वायरलेस चार्जर, इन-बिल्ट एयर प्यूरीफायर (पीएम2.5), 360-डिग्री एचडी कैमरा, इलेक्ट्रिक सनरूफ और हेड्स-अप डिस्प्ले (एचयूडी) जैसे उन्नत फीचर्स मिलते हैं।

अगले महीने लांच होगा मोटोरोला का नया टैबलेट

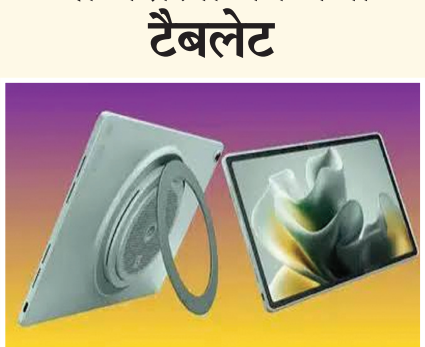

नई दिल्ली। भारत में मोटोरोला कंपनी अपना नया 5जी टैबलेट मोटो पैड 70 अगले महीने 9 अगस्त को लॉन्च करने जा रही है। बड़ी डिस्प्ले, दमदार बैटरी, स्टाइलस सपोर्ट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) फीचर्स के साथ आने वाला यह डिवाइस पढ़ाई, ऑफिस के काम और मनोरंजन के लिए एक मजबूत विकल्प माना जा रहा है। इसकी बिक्री लॉन्च के बाद फ्लिपकार्ट के माध्यम से शुरू होगी, हालांकि कंपनी ने अभी इसकी कीमत की घोषणा नहीं की है। मोटो पैड 70 में 12.1 इंच का 2.5के डिस्प्ले दिया गया है, जिसकी अधिकतम ब्राइटनेस 800 निट्स है। डिस्प्ले 96 प्रतिशत डीसीआई-पी3 कलर गैमट को सपोर्ट करता है, जिससे तस्वीरें और वीडियो अधिक स्पष्ट और प्राकृतिक रंगों में दिखाई देंगे। कंपनी बॉक्स में ही मोटो पेन भी उपलब्ध करा रही है, जिसमें 4096 प्रेशर लेवल, टिल्ट डिटेक्शन और पाम रिजेक्शन जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इससे यूजर्स आसानी से नोट्स बना सकेंगे, ड्रॉइंग कर सकेंगे और अन्य रचनात्मक कार्य कर पाएंगे। टैबलेट में मीडियाटेक डाइमेंसिटी 6400 प्रोसेसर लगाया गया है, जो मल्टीटास्किंग और रोजमर्रा के उपयोग के लिए उपयुक्त माना जा रहा है। इसमें 10,200द्धद्ध की बड़ी बैटरी दी गई है, जिसे 68 वॉट टर्बोपावर फास्ट चार्जिंग का समर्थन मिलेगा। डिवाइस मोटो फोलियो कीबोर्ड और स्मार्ट कनेक्ट फीचर को भी सपोर्ट करेगा।

एआई का डर खत्म! आईटी सेक्टर के लिए अब कमाई का नया मौका

काग्निजेंट की कुल कमाई का लगभग 25 फीसदी हिस्सा ही पुराने कॉन्ट्रैक्ट्स से आ रहा है

नई दिल्ली

भारतीय आईटी सेक्टर जो पिछले डेढ़-दो साल से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के कारण कमाई और नौकरियों पर संभावित नकारात्मक असर को लेकर आशंकित था, अब एक नई उम्मीद देख रहा है। एक रिपोर्ट और आईटी दिग्गज का ?ग्निजेंट के नतीजों ने इस डर को काफी हद तक दूर कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक एआई की वजह से कीमतों और कंपनियों की आय पर पड़ने वाले दबाव का बड़ा हिस्सा शायद अब पीछे छूट चुका है, जिससे सेक्टर के लिए ग्रोथ का नया रास्ता खुलता दिख रहा है।

पिछले काफी समय से यह चिंता थी कि एआई की तेज रफ्तार से प्रोजेक्ट पूरे होने के कारण ग्राहक कीमतों में कमी का दबाव डालेंगे, जिससे टीसीए, इंफो ?सिस, एचसीएल टेक और ?विप्रो जैसी कंपनियों की ग्रोथ सुस्त पड़ सकती है। लेकिन नई रिपोर्ट, जो काग्निजेंट के नतीजों का विश्लेषण करती है, बताती है कि यह चिंता अब कम हो रही है। रिपोर्ट के अनुसार काग्निजेंट की कुल कमाई का केवल लगभग 25 फीसदी हिस्सा ही अब उन पुराने कॉन्ट्रैक्ट्स से आ रहा है, जो एआई के आने से पहले तय हुए थे। अगले 12 से 18 महीनों में इन सभी कॉन्ट्रैक्ट्स की भी नई कीमतें तय हो जाएंगी। छोटे प्रोजेक्ट्स (6-15 महीने) में एआई से होने वाली लागत बचत का असर पहले ही दिख चुका है। एक बार पुराने कॉन्ट्रैक्ट्स की री-प्राइसिंग पूरी हो जाने के बाद, कंपनियों की ग्रोथ इस बात पर निर्भर करेगी कि

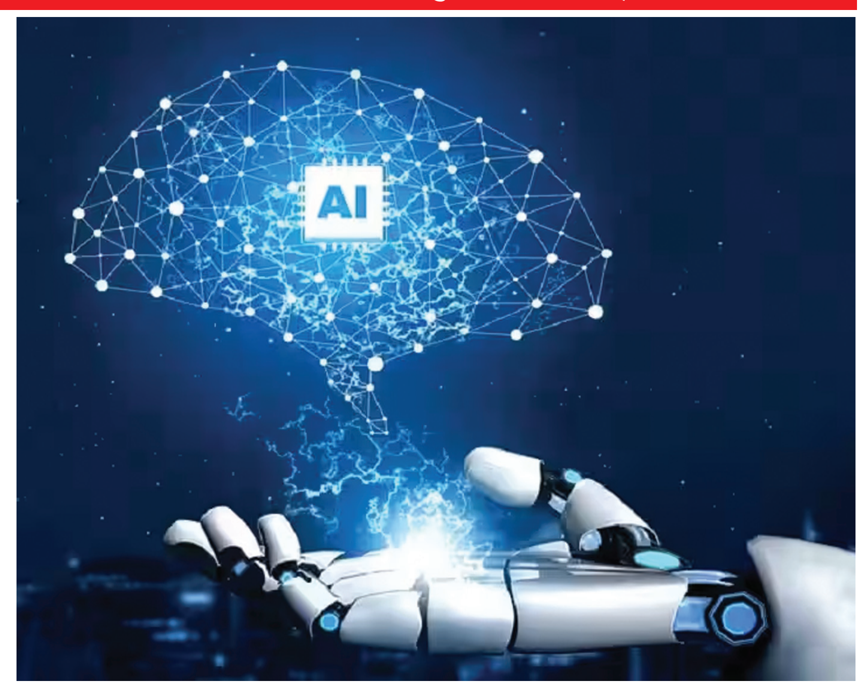

एआई उन्हें कितना नया कारोबार दिलाने में मदद करता है। रिपोर्ट यह भी संकेत देती है कि एआई अब केवल खर्च घटाने का जरिया नहीं रहा, बल्कि यह कंपनियों के लिए कमाई और नए कारोबार का बड़ा अवसर बन रहा है। काग्निजेंट में अब 40 फीसदी से अधिक सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट एआई की मदद से किया जा रहा है। कंपनी वर्तमान में 8,000 से ज्यादा एआई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही है और उसने नए एआई प्रोडक्ट व सर्विस तैयार करने के लिए एक विशेष एआई टीम भी बनाई है। यह स्पष्ट है कि आईटी कंपनियां अब एआई के दम पर नए ग्राहक जोड़ने, इनोवेटिव सेवाएं देने और अपने कारोबार का विस्तार करने की रणनीति पर काम कर रही हैं। यह बदलती तस्वीर भारतीय आईटी सेक्टर के लिए एक सकारात्मक संकेत है।

अमेरिका-ईरान जंग के बीच घटे एलपीजी गैस के दाम, क्या पेट्रोल-डीजल के दाम भी होंगे कम?

नई दिल्ली। ईरान संकट के बीच देशवासियों को महीने के पहले दिन ही महंगाई से बड़ी राहत मिली। दिल्ली से लेकर पटना-कोलकाता तक एलपीजी गैस के दाम में बड़ी गिरावट हुई। 1 अगस्त को 19 किलो वाले करमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 200 रुपए से ज्यादा की कटौती हुई है। यह नई कीमतें आज से लागू हो गई हैं। हालांकि, घरेलू रसोई में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलो के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम घटने का सीधा असर कारोबारियों पर पड़ता है। इससे छोटे व्यापारियों और होटल उद्योग को राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, आम लोगों के लिए फिलहाल डायरेक्ट कोई राहत नहीं है।

कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में कमी से एक संकेत की आहट सुनाई दे रही है। वह यह कि क्या घरेलू एलपीजी सिलेंडर के भी दाम घटेंगे? क्या कमर्शियल एलपीजी गैस के दाम में कमी के बाद अब पेट्रोल-डीजल की बारी है? जिस तरह से कमर्शियल गैस की कीमतों में कमी हुई है, उससे यह उम्मीद की जा सकती है कि आने वाले दिनो में पेट्रोल-डीजल के दाम कम हो सकते हैं। इसकी एक वजह यह भी है कि ग्लोबल मार्केट में क्रूड ऑयल के दाम कम हुए हैं। बहरहाल, यहां स्पष्ट करना जरूरी है कि तेल कंपनियों या सरकार की ओर से पेट्रोल-डीजल के दाम घटाने को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। बता दें पेट्रोल और डीजल की कीमतें कई कारकों पर निर्भर करती हैं।

आरबीआई एफडी ब्याज दरों के नियमों में कर रहा बदलाव, 1 अक्टूबर से होंगे लागू

नई दिल्ली। फिक्स्ड डिपॉजिट पर मिलने वाले ब्याज को लेकर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ब्याज दर तय करने के नियमों को बदलने की तैयारी में है। इनका मकसद बल्क डिपॉजिट पर ट्रांसपरेंसी बढ़ाना और सभी ग्राहकों के साथ समान प्रोसेस तय करना है। ये नियम सिर्फ कमर्शियल बैंकों पर ही नहीं, बल्कि स्मॉल फाइनेंस बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, पेमेंट बैंक, लोकल एरिया बैंक और अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक पर भी लागू होंगे। नए नियम 1 अक्टूबर 2026 से लागू होंगे यानी पूरे बैंकिंग सिस्टम में बड़े जमा पर ब्याज देने का तरीका अब पहले से ज्यादा बेहतर होगा। फिक्स्ड डिपॉजिट जिसमें एक बार में 3 करोड़ रुपए या उससे ज्यादा जमा किए जाते हैं। ऐसे निवेश आमतौर पर कंपनियां, बड़े कारोबारी, ट्रस्ट और हाई नेटवर्थ वाले लोग करते हैं। अब तक बैंक इन ग्राहकों से अलग-अलग बातचीत करके ब्याज दर तय कर लेते थे। कई बार एक ही रकम जमा करने वाले दो ग्राहकों को अलग-अलग ब्याज मिल जाता था। अब ऐसा नहीं होगा। नए नियम के मुताबिक हर बैंक को हर कामकाजी दिन सुबह 10 बजे तक अपनी वेबसाइट पर बल्क डिपॉजिट की ब्याज दरें जारी करनी होंगी। अगर किसी वजह से देरी होती है, तो अधिकतम 10ः10 बजे तक यह जानकारी देनी होगी। इसके बाद बैंक उसी दिन उसी रकम के बल्क डिपॉजिट पर सभी ग्राहकों को एक जैसी ब्याज दर देंगे। चाहे ग्राहक पुराना हो या नया, किसी भी शाखा में जाए, ब्याज दर समान रहेगी। बैंक वेबसाइट पर दिखाई गई दर से अलग ऑफर नहीं दे सकेंगे। इससे निजी सौदेबाजी और छिपी हुई डील पर रोक लगेगी। आरबीआई ने एक और बदलाव किया है। अब बैंक ऐसे बड़े जमा पर ज्यादा ब्याज दे सकेंगे, जिनके जल्दी निकाले जाने की संभावना होती है। बैंकिंग में इसे लिक्विडिटी कवरेज रेशियो के आधार पर देखा जाता है। उदाहरण के लिए आम लोगों की एफडी अक्सर तय समय तक बनी रहती है, लेकिन बड़ी कंपनियां जरूरत पड़ने पर करोड़ों रुपए जल्दी निकाल सकती हैं। ऐसे ज्यादा रिस्क वाले बल्क डिपॉजिट पर बैंक पहले से बेहतर ब्याज दर देने का फैसला कर सकते हैं। यह सुविधा घरेलू और एनआरआई, दोनों तरह के बड़े जमा पर लागू होगी। इस बदलाव का सबसे बड़ा फायदा उन कंपनियों, संस्थानों और हाई नेटवर्थ ग्राहकों को होगा, जो 3 करोड़ रुपए या उससे ज्यादा की एफडी कराते हैं।

मारुति ई-विटारा 47 देशों में बनी ग्राहकों की पसंद

नई दिल्ली। भारत से इलेक्ट्रिक कारों का निर्यात लगभग 14 गुना बढ़ गया है, जो पिछले साल की 1,122 यूनिट्स से बढ़कर इस साल 15,600 यूनिट्स तक पहुँच गया है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल से जून) के यह आंकड़े इस वृद्धि को दर्शाते हैं। यह वृद्धि भारतीय ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए एक नई उड़ान का संकेत है, जिसमें विदेशी बाजारों में भारत निर्मित ईवी की बढ़ती स्वीकार्यता दिखती है। इस शानदार सफलता का श्रेय मुख्य रूप से मारुति सुजुकी की नई इलेक्ट्रिक कार, ई-विटारा को जाता है, जिसने विदेशी बाजारों में धूम मचा दी है। कुल निर्यात की गई 15,600 कारों में से लगभग 15,200 कारें अकेले मारुति की ई-विटारा की हैं, जिससे यह भारत से सबसे ज्यादा निर्यात होने वाली कारों की सूची में सीधे तीसरे नंबर पर आ गई है।

ई-विटारा की सफलता दुनिया के 47 अलग-अलग देशों तक फैली है, जिनमें यूरोप, एशिया और अफ्रीका के कई बड़े बाजार शामिल हैं, जो मेक इन इंडिया पहल की वैश्विक स्वीकार्यता और भारतीय तकनीक, डिजाइन व सुरक्षा पर दुनिया के भरोसे को दर्शाता है। जबकि मारुति सुजुकी वर्तमान में निर्यात में आगे है, टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी अन्य भारतीय दिग्गज कंपनियां भी अपनी नई इलेक्ट्रिक कारों को विदेशी बाजारों में लॉन्च करने के लिए

तेजी से तैयारी कर रही हैं, जिससे यह आंकड़ा भविष्य में कई गुना और बढ़ने की उम्मीद है। वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए विदेशी कंपनियां भी भारत में कारें बनवाना पसंद कर रही हैं, क्योंकि यहाँ उत्पादन लागत कम है, कुशल इंजीनियर और मजदूर आसानी से उपलब्ध हैं, और भारत सरकार भी उद्योगों को कई तरह की छूट व मदद दे रही है। यह भारत को वैश्विक ऑटोमोबाइल उत्पादन और निर्यात के एक बड़े केंद्र के रूप में स्थापित कर रहा है। मालूम हो कि भारत अब केवल अपने घरेलू बाजार के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर इलेक्ट्रिक वाहनों का एक बड़ा निर्माता बनकर उभर रहा है।

कम्यूटर स्कूटरों की एक नई श्रृंखला पेश करेगी पियाजियो

नई दिल्ली

भारतीय दोपहिया बाजार में अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए पियाजियो कंपनी वर्ष 2027 की पहली छमाही में कम्यूटर स्कूटरों की एक नई श्रृंखला पेश करने जा रही है। पियाजियो के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डिएगो ग्रैफी के अनुसार, कंपनी पूरी तरह भारत को ध्यान में रखकर एक नए प्लेटफॉर्म पर स्कूटरों की यह श्रृंखला विकसित कर रही है।

यह केवल एक मॉडल नहीं होगा, बल्कि एक ही ब्रांड के तहत कई अलग-अलग स्कूटर पेश किए जाएंगे, जिनकी कीमतें प्रतिस्पर्धी रखी जाएंगी। वर्तमान में पियाजियो भारत में मुख्य रूप से वेस्पा ब्रांड के प्रीमियम स्कूटर बेचती है, जिनकी शुरुआती कीमत लगभग 1.20 लाख रुपये से अधिक है। ऊंची कीमत के कारण यह ब्रांड सीमित ग्राहकों तक ही पहुंच बना सका है। अब कंपनी कम कीमत वाले और रोजमर्रा के उपयोग के लिए उपयुक्त स्कूटरों के जरिए बड़े ग्राहक वर्ग तक पहुंचने की रणनीति पर काम कर रही है। डिएगो ग्रैफी ने स्वीकार किया कि पिछले वर्षों में कंपनी कम कीमत वाले स्कूटरों के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा करने में सफल नहीं रही, और अब इस कमी को दूर करने की तैयारी है। इन स्कूटरों का उत्पादन महाराष्ट्र के बारामती स्थित पियाजियो के विनिर्माण संयंत्र में किया जाएगा, जहाँ पर्याप्त उत्पादन क्षमता उपलब्ध है। भारतीय स्कूटर बाजार लगातार विस्तार कर रहा है, जिसमें पेट्रोल स्कूटरों के साथ-साथ टीवीएस आईक्यूब, बजाज चेतक ईवी और एथर रिज्टा जैसे ईवी स्कूटरों का दबदबा भी बढ़ रहा है।

उदाहरण के लिए, टीवीएस आईक्यूब में आकर्षक प्रकाश व्यवस्था, स्पर्श आधारित प्रदर्शन प्रणाली और विभिन्न क्षमता वाले बैटरी विकल्प दिए जाते हैं, जो एक बार चार्ज करने पर 94 किलोमीटर से लेकर 212 किलोमीटर तक की दावा की गई दूरी तय करने में सक्षम है। यह भारतीय ईवी स्कूटर बाजार के सबसे लोकप्रिय मॉडलों में शामिल है। ऐसे माहौल में पियाजियो की नई कम्यूटर स्कूटर श्रृंखला बाजार में प्रतिस्पर्धा को और तेज कर सकती है। यदि कंपनी आकर्षक कीमत, बेहतर माइलेज, आधुनिक सुविधाएं और भरोसेमंद सेवा नेटवर्क उपलब्ध कराने में सफल रहती है, तो उसे भारतीय बाजार में अच्छी प्रतिक्रिया मिल सकती है।

बदलाव

अब क्लेम उसी दिन या अधिकतम दो दिनों में सेटल हो जाएंगे

पीएफ खाते से पैसे निकालना, म्यूचुअल फंड से भी ज्यादा आसान होगा

नई दिल्ली। अब पीएफ खाते से पैसे निकलना आसान हो गया है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के सेंट्रल प्रोविडेंट फंड कमिश्नर रमेश कृष्णमूर्ति ने दावा किया है कि ईपीएफओ ने क्लेम सेटलमेंट का करीब सारा बकाया काम निपटा लिया गया है। पीएफ सदस्यों की ओर से किए गए ज्यादातर क्लेम उसी दिन या दो दिनों के अंदर निपटा दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि नए सिस्टम में हम देख रहे हैं कि 90 फीसदी तक क्लेम ऑटोसेटल हो रहे हैं। हमें उम्मीद है कि सदस्यों द्वारा किए गए ज्यादातर क्लेम या तो उसी दिन या अधिकतम दो दिनों के अंदर सेटल हो जाएंगे। इसका मतलब है कि अब पीएफ से पैसे निकालना म्यूचुअल फंड से भी कहीं ज्यादा आसान हो गया है। कृष्णमूर्ति ने एक कार्यक्रम में कहा कि ईपीएफओ ??की नई रोजगार योजनाएं और चल रहे सुधार, नियोक्ताओं के लिए नियमों का पालन आसान बनाने के साथ-साथ सदस्यों को विश्व स्तरीय सेवाएं देने पर केंद्रित हैं। संगठन अब नियमों के पालन से जुड़े

सुधारों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, ताकि नियोक्ताओं के लिए कामकाज आसान हो सके और नियोक्ताओं व कर्मचारियों दोनों के लिए एक भरोसेमंद सामाजिक सुरक्षा संस्थान के तौर पर विश्वास मजबूत हो सके। उन्होंने कहा कि मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि ईपीएफओ की नई रोजगार योजनाओं और सुधारों का मकसद सदस्यों को दुनिया की सबसे अच्छी सेवाएं देना है। मैंने सभी एम्प्लॉयर्स को यह भरोसा दिलाया है कि अब हम नियमों के पालन से जुड़े सुधारों पर ध्यान देंगे। उम्मीद है कि हम एम्प्लॉयर्स और ईपीएफओ के बीच कामकाज के तरीकों को और आसान बना सकेंगे। इन सभी सुधारों से कर्मचारियों और एम्प्लॉयर्स का भरोसा बढ़ेगा। वे ईपीएफओ को अपनी सोशल सिक्योरिटी और रिटायरमेंट की योजना के लिए भरोसेमंद साथी के तौर पर देख सकेंगे। कृष्णमूर्ति ने कहा कि सरकार के नए सामाजिक सुरक्षा बिल में गिग और प्लेटफ़ॉर्म वर्कर्स और दूसरे असंगठित क्षेत्र के वर्कर्स के लिए एक खास स्कीम लाने का प्रावधान है।

झारखंड वार्ता
रविवार, 02-08-2026
www.jharkhandvarta.com

स्वच्छता से शुरुआत, वृक्षारोपण से पर्यावरण संरक्षण का संदेश

कृष्णा सेवा समिति की सराहनीय पहल, विद्यार्थियों को कॉपी, पेन, पानी की बोतल वितरित कर कराया स्वल्पाहार

बिलासपुर

पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं सामाजिक सेवा के उद्देश्य से श्री कृष्णा सेवा समिति, मनेंद्रगढ़ के तत्वावधान में शासकीय बालक प्राथमिक शाला परिसर में वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया।

कार्य म की शुरुआत विद्यालय परिसर की साफ-सफाई से हुई, जिसके बाद समिति के पदाधिकारियों, विद्यालय परिवार एवं उपस्थित लोगों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण कर हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

समिति ने इस अवसर को सेवा भाव से जोड़ते हुए विद्यालय के छात्र-छात्राओं को कॉपी, पेन एवं पानी की बोतल वितरित की। साथ ही सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं उपस्थित अतिथियों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था भी समिति द्वारा की गई। समिति की इस पहल की विद्यालय परिवार एवं स्थानीय लोगों ने मुक्त कंठ से सराहना की।

कार्य म को संबोधित करते हुए समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का संकल्प है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण करे, तो पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभाई जा सकती है।

इस अवसर पर समिति अध्यक्ष बीरेन्द्र गुप्ता, सचिव भोले प्रसाद रजक, उपाध्यक्ष रोहित यादव, सह सचिव महेंद्र गुप्ता, प्रबंध समिति सदस्य मुकेश कुमार यादव, घनश्याम पोद्दार, रूपा पोद्दार, सदस्य मनीष गुप्ता एवं शंकर लाल यादव, शासकीय बालक प्राथमिक शाला के प्रधानाध्यापक राजेश प्रताप सिंह, विद्यालय का समस्त स्टाफ, छात्र-छात्राएं तथा समिति के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सर्वदलीय रेल यात्री सुविधा संघर्ष समिति बुढार, धनपुरी के द्वारा डी,आर,एम, (दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे) बिलासपुर छत्तीसगढ़ को सोपा गया ज्ञापन

बिलासपुर

सर्वदलीय रेल सुविधा संघर्ष समिति के तत्वाधान में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के डी,आर,एम को चार सूत्री मांग पत्र सौपते हुए समिति ने मांग की बुढार की 70./. आबादी दक्षिण दिशा में निवास करती है अतः वर्तमान में स्वीकृत रैम फुट ओवर ब्रिज को दक्षिण से उत्तर दिशा आउट टू आउट व प्लेटफार्म एक वह दो तक विस्तारित किया जाए व दूसरी मांग 27.12.2025 को आपके आदेशानुसार पैसेंजर रिजर्वेशन यात्री प्रणाली का समय सुबह 8:00 बजे से रात 10:00 बजे तक किया गया था किंतु दिनांक 29. 6.2026 के आदेशानुसार पैसेंजर रिजर्वेशन यात्री आरक्षण प्रणाली का समय 8:00 बजे से 4:00 तक कर दिया गया जो पूर्णता यात्रियों के साथ अन्यायपूर्ण है उसे पूर्व की तरह बहाल किया जाए व दिनांक 24.4.26 को आपसे निवेदन किया गया था कि भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद जी के सभा मंच जो कि वर्ष 1952 में निर्मित किया गया था वर्तमान समय में जर्जर हो गया है जिसका पुनर्निर्माण कराया जाए या तो समिति को पुनर्निर्माण करने की अनुमति प्रदान की जाए व चौथी मांग यह की गई फुट ओवर ब्रिज आउट टू आउट रोड ओवर ब्रिज तक का मार्ग बेहद जीर्ण सीर्ण हालत में है इसका पुनर्निर्माण व चौड़ीकरण कराया जाए जिसका ज्ञापन सर्वदलीय रेलयात्री सुविधा संघर्ष समिति बुढार,धनपुरी के प्रतिनिधि मंडल के द्वारा डी,आर,एम को सौंपते हुए जल्द इसके निराकरण की मांग की गई सर्वदलिय मंडल में मनोज कुमार जैन, बिहारी लाल साहू, हाजी नुरुल्लाह,पवन सोनी,सौरभ जैन उपस्थित थे

कोई भी पात्र हितग्राही शासन की योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे: श्री योगेंद्र श्रीवास

विभागीय योजनाओं की प्रगति का आंकलन करने के लिए सीईओ ने किया निरीक्षण

आधा दर्जन पंचायतों में जाकर विभागीय योजनाओं का अवलोकन कर दिए निर्देश

बिलासपुर

कलेक्टर कोरिया श्रीमती रोक्तिमा यादव द्वारा जनहितकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिए सभी विभागों को निरंतर क्षेत्र में भ्रमण करने हेतु निर्देश प्रदान किए गए हैं। इस अनुक्रम में गत दिवस जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी योगेंद्र श्रीवास ने जिले के आधा दर्जन ग्राम पंचायतों का निरीक्षण किया। अपने भ्रमण के दौरान सीईओ श्री योगेंद्र श्रीवास ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जारी सभी योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विभागीय योजनाओं से पूर्ण कार्यों, प्रगतिरत कार्यों का निरीक्षण किया साथ ही हितग्राहियों से संवाद भी किया। इस दौरान जिला पंचायत में पदस्थ विभागीय योजना प्रमुख और संबंधित तकनीकी सहायक उपस्थित रहे।

कचरे का सही प्रबंधन जरूरी

बैकुंठपुर जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत मझगंवा में उन्होंने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र और ग्राम पंचायत चेरवापारा के फिकल स्लेज ट्रीटमेंट प्लांट का अवलोकन कर इसे प्राथमिकता से आरंभ कराने के निर्देश दिए। सोनहत जनपद के ग्राम लटमा में एकत्र कचरे का उन्होंने मशीनों द्वारा जल्द प्रबंधन करने तथा सभी ग्राम पंचायतों में नियमित अंतराल से कचरे का उठाव कराए जाने के निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान सीईओ योगेंद्र श्रीवास ने कटगोड़ी में निर्माणाधीन फिकल स्लेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण कार्य का अवलोकन कर सरपंच और सचिव को गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए जल्द निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

आवास निर्माण पहली प्राथमिकता

कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव ने प्रधानमंत्री आवास योजना में जल्द निर्माण कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं। इसी कड़ी में सोनहत जनपद में भ्रमण करते हुए सीईओ ने विभिन्न ग्राम पंचायतों में आवास निर्माण कार्य का अवलोकन किया और हितग्राहियों से संवाद किया। उन्होंने लटमा, कटगोड़ी में प्रधानमंत्री आवास कार्य का अवलोकन करने के बाद सोनहत ग्राम पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के हितग्राही श्री रामकृपाल ठाकुर के मकान का अवलोकन किया। अपने नए आवास में अचानक पंहुचे जिला पंचायत सीईओ से मिलकर रामकृपाल अत्यंत प्रसन्न हुए और उन्होंने योजना का लाभ मिलने पर प्रशासन को धन्यवाद दिया।

जल्द शुरू करें महतारी सदन

अपने निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत कोरिया ने सोनहत जनपद मुख्यालय में नव निर्मित महतारी सदन का अवलोकन किया और वहां उपस्थित ग्राम पंचायत सरपंच से पंचायत में योजनाओं की प्रगति पर बात करते हुए महतारी सदन को जल्द प्रारंभ कराने के निर्देश दिए। उन्होंने परिसर में बन रहे सामुदायिक शौचालय निर्माण कार्य को जल्द पूरा करने के लिए कहा।

अन्य योजनाओं में प्रगति का आंकलन

अपने भ्रमण के दौरान मझगवा, चेरवापारा, लटमा, कैलाशपुर, कटगो?ी, सोनहत आदि ग्राम पंचायतों में पंहुचकर सीईओ योगेंद्र श्रीवास ने विकसित भारत जी राम जी योजना में रोजगार मूलक कार्यो की स्थिति, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में कार्य की प्रगति, अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों के संचालन, गोवरधन प्लांट, पंचायतों में कर वसूली की स्थिति, जल जीवन मिशन से पेयजल आपूर्ति की स्थिति पर भी जानकारी प्राप्त कर संबंधित ग्राम पंचायतों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

शिक्षा व्यवस्था पर कलेक्टर की पैनी नजरः स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों का किया गहन निरीक्षण

बेहतर शिक्षा और सुरक्षित भविष्य पर फोकस- कलेक्टर ने विद्यालयों का किया निरीक्षण, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए किया प्रेरित

बिलासपुर

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सुश्री संतन देवी जांगड़े ने मनेन्द्रगढ़ विकासखंड के विभिन्न शासकीय विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण कर शिक्षा व्यवस्था, विद्यार्थियों की उपस्थिति, आधारभूत सुविधाओं तथा आंगनबाड़ी सेवाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार, डिप्टी कलेक्टर नेहा खलखो, डिप्टी कलेक्टर स्वप्निल वर्मा तथा कृषि विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने सबसे पहले शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पसौरी पहुंचकर छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों की उपस्थिति की जानकारी ली तथा संचालित टेस्ट परीक्षा का अवलोकन किया। उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद करते हुए उनके भविष्य के लक्ष्य, कैरियर की योजनाओं एवं अध्ययन की तैयारी के बारे में जानकारी ली। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर नेहा खलखो एवं स्वप्निल वर्मा ने विद्यार्थियों को छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, अध्ययन की रणनीति तथा उपलब्ध अवसरों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी देकर उन्हें उच्च लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विद्यालय की आधारभूत सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय के वॉशरूम की मरम्मत कराने तथा बाउंड्री वॉल निर्माण के लिए पंचायत स्तर पर आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

दौरे के अंतिम चरण में कलेक्टर ने डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कछौड़ का निरीक्षण किया। डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल में उन्होंने मुख्य द्वार, टेरेस, प्रयोगशाला एवं वॉशरूम की स्थिति का अवलोकन करते हुए आवश्यक मरम्मत एवं उन्नयन कार्यों के लिए प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कछौड़ में कक्षा 9वीं, 10वीं, 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों और शिक्षकों की उपस्थिति, विद्यालय परिसर की स्वच्छता, वॉशरूम, कक्षाओं की व्यवस्था तथा शैक्षणिक गतिविधियों का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर, अपर कलेक्टर एवं दोनों डिप्टी कलेक्टरों ने विद्यार्थियों से सीधा संवाद कर उनकी शैक्षणिक प्रगति, मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य तथा अध्ययन संबंधी चुनौतियों की जानकारी ली। उन्होंने विद्यार्थियों को स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर नियमित अध्ययन, अनुशासन एवं समय प्रबंधन के साथ परीक्षा की तैयारी करने की सलाह दी। साथ ही 12वीं के बाद उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं एवं विभिन्न कैरियर विकल्पों की जानकारी देकर उन्हें अपने भविष्य के प्रति गंभीर एवं जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कछौड़ स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण किया। यहां उन्होंने पेयजल व्यवस्था, बच्चों की देखभाल, टीकाकरण, वजन मापन, पोषण ट्रैकिंग, पूरक पोषण आहार वितरण तथा भोजन व्यवस्था की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण पोषण एवं स्वास्थ्य सेवाएं समय पर उपलब्ध कराने, केंद्र में स्वच्छता बनाए रखने तथा सभी शासकीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को दिए।

कलेक्टर ने कहा कि विद्यालय और आंगनबाड़ी बच्चों के भविष्य की मजबूत नींव हैं। यहां शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और आधारभूत सुविधाओं की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निरीक्षण के दौरान दिए गए सभी निर्देशों का समयबद्ध पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि विद्यार्थियों एवं नौनिहालों को बेहतर शैक्षणिक एवं पोषण संबंधी वातावरण उपलब्ध हो सके।

राखी के रंगों से आत्मनिर्भरता की नई उड़ान, बिहान से महिलाओं को मिला हुनर और स्वरोजगार का अवसर

रक्षाबंधन से पहले स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को राखी निर्माण का प्रशिक्षण, डिजाइनिंग से डिजिटल मार्केटिंग तक सिखाए जा रहे गुर

बिलासपुर

रक्षाबंधन का पर्व जहां भाई-बहन के स्नेह का प्रतीक है, वहीं मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले में इस पर्व ने ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता के नए अवसर भी खोल दिए हैं। बिहान योजना के अंतर्गत जिले के विभिन्न विकासखंडों की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को आकर्षक एवं हस्तनिर्मित राखी निर्माण का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े के मार्गदर्शन तथा जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अंकिता सोम के नेतृत्व में आयोजित इस प्रशिक्षण का उद्देश्य महिलाओं को रोजगारपरक कौशल से जोड़ना, उनकी आय के नए स्रोत विकसित करना और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। प्रशिक्षण में महिलाएं पूरे उत्साह और लगन के साथ राखी निर्माण की बारीकियां सीख रही हैं।

डिजाइनिंग से पैकेजिंग तक, राखी कारोबार के गुर

प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को विभिन्न प्रकार की डिजाइनर राखियां तैयार करने, रंगों के बेहतर संयोजन, सजावट, फिनिशिंग और आकर्षक पैकिंग की तकनीक सिखाई जा रही है। इसके साथ ही उत्पाद को बाजार तक पहुंचाने के लिए विपणन की जानकारी भी दी जा रही है। प्रशिक्षण की खास बात यह है कि महिलाओं को केवल पारंपरिक तरीके से राखी बनाने तक सीमित नहीं रखा जा रहा, बल्कि उन्हें डिजिटल मार्केटिंग और ऑनलाइन बिक्री के तौर-तरीके भी बताए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को स्थानीय बाजार से आगे बड़ाकर डिजिटल बाजार से जोड़ना है।

सोशल मीडिया बनेगा बाजार, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से बड़ेगी पहुंच

प्रशिक्षण ले रहीं महिलाओं का कहना है कि वे राखी निर्माण का प्रशिक्षण पूरा करने के बाद अपने स्वयं सहायता समूह के माध्यम से आकर्षक राखियां तैयार करेंगी और स्थानीय बाजार में उनकी बिक्री करेंगी। साथ ही फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने उत्पादों का प्रचार करेंगी। महिलाएं मीशो जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से भी अपने उत्पादों को बेचने का प्रयास करेंगी। उनका मानना है कि डिजिटल माध्यमों के जरिए उनके उत्पाद जिले से बाहर प्रदेश और देश के दूसरे हिस्सों तक पहुंच सकते हैं। इससे बाजार का विस्तार होगा और समूह की आय बड़ाने के नए रास्ते खुलेंगे।

राखी से शुरुआत, आगे त्योहारों के लिए उत्पाद बनाने की तैयारी

प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं ने बताया कि बिहान योजना ने उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का काम किया है। उनके लिए यह प्रशिक्षण सिर्फ राखी बनाना सीखने तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने हुनर को रोजगार में बदलने और अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर है। महिलाओं का कहना है कि पहले उनका अधिकांश समय घरेलू कार्यों में ही गुजरता था, लेकिन अब वे अपने कौशल को आय का साधन बनाने की दिशा में आगे बड़ रही हैं। उनका लक्ष्य राखी के साथ-साथ भविष्य में दीपावली, तीज, करवा चौथ सहित अन्य पर्व-त्योहारों के लिए हस्तनिर्मित उत्पाद तैयार कर समूह की आय को लगातार बड़ाना है।

प्रशिक्षण के साथ बाजार की समझ से बड़ा आत्मविश्वास

महिलाओं ने कहा कि आज के दौर में सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म छोटे उद्यमियों के लिए बड़े बाजार का माध्यम बन चुके हैं। यदि ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षण के साथ उचित बाजार उपलब्ध कराया जाए, तो वे भी सफल उद्यमी बन सकती हैं। इसी सोच के साथ बिहान योजना के माध्यम से महिलाओं को कौशल विकास, स्वरोजगार, उत्पाद निर्माण और बाजार से जुड़ने का अवसर दिया जा रहा है। प्रशिक्षण से महिलाओं में नया हुनर सीखने के साथ अपने उत्पादों को बाजार में उतारने का आत्मविश्वास भी बड़ रहा है।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर लगातार जोर

कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंकिता सोम के नेतृत्व में एमसीबी जिले में बिहान योजना के माध्यम से महिलाओं के कौशल विकास, स्वरोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विभिन्न रोजगारपरक प्रशिक्षणों के माध्यम से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को नए अवसरों से जोड़ा जा रहा है, ताकि वे अपनी आय बड़ाने के साथ परिवार की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत कर सकें।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार

प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं ने बिहान योजना के माध्यम से मिले अवसर के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। महिलाओं ने कहा कि महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास और स्वरोजगार को बड़ावा देने वाली योजनाओं से उन्हें अपने हुनर को आगे बड़ाने का अवसर मिल रहा है।

महिलाओं ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का भी धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, उनके कौशल को निखारने और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है।

महिलाओं ने विश्वास जताया कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ परिवार की आय बड़ाने और जिले के विकास में भागीदारी निभाने का अवसर देंगे। राखी निर्माण से शुरू हुआ यह सफर आने वाले समय में ग्रामीण महिला उद्यमिता की नई पहचान बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

बारिश के बीच गूंजा शिक्षा का संकल्प, शाला प्रवेशोत्सव में 'मिशन 100' का लक्ष्य

बिलासपुर

सावन के दूसरे दिन लगातार हो रही बारिश के बीच चिरमिरी के गोदरीपारा स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में शाला प्रवेशोत्सव, 'एक पेड़ मां के नाम' एवं साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल शामिल हुए। इस दौरान महापौर राम नरेश राय सहित जनप्रतिनिधि, शिक्षा विभाग के अधिकारी, विद्यालय प्रबंधन एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं के स्वागत एवं अभिनंदन से हुई। मंत्री ने विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री वितरित कर उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। छात्राओं को साइकिलों का वितरण भी किया गया, ताकि उन्हें विद्यालय आने-जाने में सुविधा मिले और वे नियमित रूप से अपनी पढ़ाई जारी रख सकें।

'एक पेड़ मां के नाम' के तहत पौधरोपण: कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण किया गया। मंत्री ने विद्यार्थियों और उपस्थित लोगों से पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। बारिश के बीच पौधरोपण कार्यक्रम ने शिक्षा के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

मिशन 100 में शत-प्रतिशत परिणाम का लक्ष्य: कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि विद्यालय में 'मिशन 100' के तहत शत-प्रतिशत परिणाम हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और व्यवहारिक ज्ञान भी जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को मेहनत और लगन के साथ पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। त्री ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए विद्यालय स्तर पर आवश्यक सुविधाओं को मजबूत किया जाएगा। विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए स्मार्ट क्लास एवं साउंड सिस्टम की व्यवस्था किए जाने की बात भी कही गई।

सड़क, बिजली और पानी की सुविधाओं को लेकर आश्वासन: कार्यक्रम के दौरान विद्यालय तक पहुंचने वाली सड़क को पक्का कराने की बात कही गई। वहीं विद्यालय परिसर में आवश्यक जंबलाइट एवं हूटर की व्यवस्था महापौर निधि से कराने का आश्वासन दिया गया। पानी की समस्या के समाधान के लिए टैंकर के माध्यम से पानी उपलब्ध कराने तथा आगामी समय में अमृत जल मिशन-2 के तहत स्थायी जल व्यवस्था से जोड़ने की बात भी सामने आई।

मंत्री ने कहा कि जब तक विद्यालय के लिए नया भवन उपलब्ध नहीं हो जाता, तब तक वर्तमान भवन में ही स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय का संचालन जारी रहेगा। उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

विद्यार्थियों को दिलाई शत-प्रतिशत परिणाम की शपथ: कार्यक्रम के अंत में मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने विद्यार्थियों को शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने, नियमित रूप से विद्यालय आने और मिशन शत-प्रतिशत परिणाम को सफल बनाने की शपथ दिलाई। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहें और अपनी मेहनत से परिवार, विद्यालय, समाज तथा क्षेत्र का नाम रोशन करें। कार्यक्रम में महापौर राम नरेश राय, शाला विकास परिषद की अध्यक्ष इंदु पंडरिया,पूर्व महापौर डमरू बेहरा, मंडल अध्यक्ष पुरुषोत्तम सोनकर, जिला उपाध्यक्ष राजकुमार बाधवान, युवा नेता धनंजय पांडे, युवा नेता अरुणोदय पांडे, विद्यालय के प्राचार्य बलविंदर सिंह, खड़गवां बीईओ, निगम पार्षद, एल्डरमैन, बबलू शर्मा, श्रीपत सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी, विद्यालय स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम ने शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सामूहिक संकल्प का संदेश दिया।

मिलावटी पनीर बेचने पर बड़ी कार्रवाई

भोपाल। राजधानी में मिलावटी और घटिया गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। मंगलवारा स्थित आनंद मावा भंडार का खाद्य पंजीयन तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला की जांच में प्रतिष्ठान से लिए गए पनीर और मावा के नमूने निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरे, जिसके बाद विभाग ने यह सख्त कदम उठाया। विभाग के अनुसार, कुछ समय पहले आनंद मावा भंडार से पनीर, मावा और घी के नमूने लेकर परीक्षण के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे गए थे। जांच रिपोर्ट में पनीर के नमूने में वनस्पति वसा (पाम तेल) अथवा अन्य कृत्रिम वसा की मिलावट की प्रबल संभावना सामने आई। जांच के दौरान पनीर की बीआर रीडिंग 48.7 दर्ज की गई, जबकि आरएम मान केवल 0.80 पाया गया, जो निर्धारित मानकों से बहुत कम है। इससे स्पष्ट संकेत मिलता है कि पनीर में शुद्ध दूध की वसा के स्थान पर सस्ती वनस्पति वसा का उपयोग किया गया। मावा की जांच रिपोर्ट भी चिंताजनक रही। परीक्षण में मावा में शुष्क आधार पर दुग्ध वसा केवल 22.18 प्रतिशत तथा आरएम मान 1.83 पाया गया।

जन विश्वास की जमीनी परीक्षा शुरू

हर शुक्रवार गांव-शहर में उतरेंगे अफसर मौके पर होगा समस्याओं का समाधान

- **7 अगस्त से 8 जनवरी तक चलेगा मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान**

भोपाल

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान-2026 को केवल कागजी पहल नहीं, बल्कि जनता तक शासन की पहुंच सुनिश्चित करने वाला अभियान बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। भोपाल कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने शुक्रवार को राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में सभी एडीएम, एसडीएम, जनपद सीईओ और जिला अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि अभियान के दौरान हर शिकायत का समयबद्ध और प्रभावी निराकरण प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि नागरिकों को तय समय सीमा में सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि 7 अगस्त 2026 से 8 जनवरी 2027 तक प्रत्येक शुक्रवार जिले के सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में अनिवार्य रूप से भ्रमण करेंगे। इस दौरान वे गांवों, शहरी क्षेत्रों, दूरस्थ बस्तियों, शासकीय संस्थानों और निमार्णाधीन विकास कार्यों का निरीक्षण करेंगे तथा जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं का यथासंभव मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करेंगे।

जन विश्वास अभियान का उद्देश्य प्रशासन को जनता के द्वार तक ले जाकर समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना और शासन की योजनाओं का वास्तविक लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।

कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश—लापरवाही पर होगी कार्रवाई

हर शुक्रवार होगी योजनाओं की जमीनी पड़ताल

अभियान के दौरान मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, जनसुनवाई, लोक सेवा गारंटी अधिनियम, राजस्व प्रकरण, किसान आईडी, आयुष्मान भारत कार्ड, समग्र ई-केवाईसी, प्रधानमंत्री आवास योजना और जल जीवन मिशन सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की जाएगी। साथ ही आंगनवाड़ी केंद्रों, विद्यालयों, स्वास्थ्य संस्थानों, पेयजल व्यवस्थाओं और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का भी मौके पर निरीक्षण होगा।

भ्रमण की रिपोर्ट देना होगा अनिवार्य

कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक अधिकारी को अपना भ्रमण कार्यक्रम पहले से जिला प्रशासन और जिला पंचायत को उपलब्ध कराना होगा। इसके अलावा प्रत्येक शुक्रवार के निरीक्षण का संक्षिप्त प्रतिवेदन, फोटो और की गई कार्रवाई का विवरण उसी दिन अथवा अगले कार्यदिवस की सुबह तक अनिवार्य रूप से जमा करना होगा।

लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने अधिकारियों को चेतावनी दी कि अभियान के संचालन में किसी भी स्तर पर लापरवाही, उदासीनता या निदेर्शों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऐसे मामलों में संबंधित अधिकारी-कर्मचारी के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वोकल फॉर लोकल' को मिली नई ताकत

डिजिटल सरकारी खरीद प्रणाली से जुड़ेगा मध्यप्रदेश का स्थानीय हुनर

भोपाल

मध्यप्रदेश के स्थानीय उत्पादों को देशभर में नई पहचान दिलाने और ओडीओपी (एक जिला-एक उत्पाद) से जुड़े उद्यमियों को सरकारी खरीद प्रणाली से जोड़ने की दिशा में मध्यप्रदेश इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीआईडीसी) ने महत्वपूर्ण पहल की है। एमपीआईडीसी मुख्यालय में आयोजित कार्यशाला के माध्यम से उद्यमियों, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई), स्व-सहायता समूहों और उत्पादकों को सरकारी ई-बाजार (जेम) पोर्टल से जोड़ने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यशाला का उद्देश्य प्रदेश के ओडीओपी उत्पादों को स्थानीय बाजार तक सीमित रखने के बजाय उन्हें सरकारी खरीद व्यवस्था के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाना था। इसमें प्रतिभागियों को जेम पोर्टल पर विक्रेता के रूप में पंजीकरण, आवश्यक दस्तावेज, ऑनलाइन प्रक्रिया तथा सरकारी विभागों को सीधे उत्पाद बेचने की पूरी जानकारी दी गई।

कार्यशाला में जेम के मध्यप्रदेश प्रतिनिधि मुजम्मिल कुरैशी ने बताया कि जेम पोर्टल के माध्यम से उद्यमी बिना किसी बिचौलिए के सीधे विभिन्न सरकारी विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों और सरकारी संस्थानों को अपने उत्पाद उपलब्ध करा सकते हैं। इससे न केवल कारोबार का विस्तार होगा, बल्कि स्थानीय उत्पादों को देशभर में नया बाजार भी मिलेगा। उन्होंने पोर्टल के प्रभावी उपयोग, बिक्री बढ़ाने और सरकारी खरीद प्रणाली में सफलतापूर्वक भागीदारी के व्यावहारिक पहलुओं पर भी विस्तार से जानकारी दी तथा प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान किया।

कार्यशाला में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने ऑनलाइन और प्रत्यक्ष रूप से हिस्सा लिया। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि इच्छुक उद्यमियों का मौके पर ही जेम पोर्टल पर पंजीकरण कराया गया, जिससे वे तत्काल सरकारी खरीद प्रणाली का हिस्सा बन सके और अपने उत्पादों के विपणन की दिशा में आगे बढ़े।

एमपीआईडीसी की ओडीओपी प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित इस पहल का उद्देश्य प्रदेश के पारंपरिक एवं स्थानीय उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराना।

एमपीआईडीसी ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम, क्षमता विकास कार्यशालाएं और जागरूकता अभियान नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे, ताकि प्रदेश के अधिक से अधिक ओडीओपी उद्यमी सरकारी खरीद व्यवस्था से जुड़कर अपने उत्पादों की पहुंच राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक सुनिश्चित कर सकें।

घर बनाने वालों को बड़ी राहत

मप्र में खत्म हुई कई विभागों की एनओसी की बाध्यता, अब पूरी प्रक्रिया होगी ऑनलाइन

- **सरकार का बड़ा फैसला, भवन अनुज्ञा होगी आसान, तेज और पारदर्शी; विभागों के चक्कर लगाने से मिलेगी मुक्ति**

भोपाल

मध्य प्रदेश सरकार ने शहरी क्षेत्रों में मकान, भवन और व्यावसायिक परिसर बनाने वाले लोगों को बड़ी राहत दी है। अब भवन निर्माण की अनुमति (भवन अनुज्ञा) के लिए कई विभागों से अलग-अलग अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) लेने की बाध्यता समाप्त कर दी गई है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने इस संबंध में प्रदेश के सभी नगरीय निकायों को नए निर्देश जारी किए हैं। इसके साथ ही भवन अनुज्ञा की पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन और डिजिटल बना दिया गया है, जिससे नागरिकों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे द्वारा जारी आदेश के अनुसार, भवन अनुज्ञा प्रक्रिया को सरल, त्वरित और पारदर्शी बनाने के लिए यह निर्णय लिया गया है। सरकार का उद्देश्य नागरिकों के साथ-साथ निवेशकों, बिल्डर्स और निर्माण एजेंसियों को अनावश्यक औपचारिकताओं से राहत देना है, ताकि निर्माण कार्य समय पर शुरू हो सके।

अब नहीं लेनी होगी कई विभागों से एनओसी : नई व्यवस्था के तहत सहकारिता विभाग, गृह निर्माण सहकारी समितियों, नजूल विभाग और बिजली विभाग से कई प्रकार की अनापत्ति प्रमाण-पत्र लेने की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है। इसके अलावा रक्षा प्रतिष्ठानों, मध्य प्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल तथा विकास प्राधिकरणों से जुड़े मामलों में भी आवेदकों को स्वयं एनओसी लाने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा।

जरूरत पड़ने पर विभाग खुद करेंगे समन्वय : यदि किसी विशेष प्रकरण में किसी विभाग की राय आवश्यक होगी, तो संबंधित सक्षम प्राधिकारी आवेदन प्राप्त होने के सात दिनों के भीतर प्रकरण उस विभाग को भेजेगा। संबंधित विभाग को 21 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति या अनापत्ति दर्ज करानी होगी। यदि निर्धारित समय सीमा में कोई जवाब नहीं मिलता है, तो भवन अनुज्ञा की प्रक्रिया बिना विलंब के आगे बढ़ा दी जाएगी।

भवन अनुज्ञा की पूरी प्रक्रिया होगी डिजिटल : सरकार ने स्पष्ट किया है कि अब भवन अनुज्ञा की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन संचालित होगी। आवेदन से लेकर दस्तावेजों के सत्यापन तक केवल डिजिटल अभिलेख ही स्वीकार किए जाएंगे। इससे कागजी कार्रवाई कम होगी, पारदर्शिता बढ़ेगी और अनुमति मिलने में लगने वाला समय भी घटेगा।

इन मामलों में अब भी अनापत्ति प्रमाण-पत्र अनिवार्य : सरकार ने कुछ संवेदनशील मामलों में अनापत्ति प्रमाण-पत्र की अनिवार्यता बरकरार रखी है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण तथा धरोहर क्षेत्रों से जुड़े मामलों में केवल तभी अनापत्ति प्रमाण-पत्र आवश्यक होगा, जब ऑनलाइन भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) आधारित जांच में संबंधित भूखंड प्रतिबंधित या प्रभावित क्षेत्र में पाया जाएगा। सामान्य मामलों में इसकी आवश्यकता नहीं होगी।

पर्यावरण और अग्नि सुरक्षा नियम यथावत : निर्धारित सीमा से बड़े भवनों और परियोजनाओं के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति पहले की तरह अनिवार्य रहेगी। जहां वास्तविक रूप से वृक्षों की कटाई प्रस्तावित होगी, वहीं वृक्ष कटाई की अनुमति लेना आवश्यक होगा। इसी प्रकार अग्नि सुरक्षा संबंधी अनापत्ति प्रमाण-पत्र के नियम राष्ट्रीय भवन संहिता के अनुसार लागू रहेंगे।

आम नागरिकों को मिलेगा सीधा लाभ : नई व्यवस्था लागू होने के बाद नागरिकों को अलग-अलग विभागों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। भवन निर्माण की अनुमति समयबद्ध तरीके से मिलेगी, अनावश्यक देरी और कागजी प्रक्रिया कम होगी तथा पूरी व्यवस्था अधिक पारदर्शी बनेगी। सरकार का मानना है कि इस फैसले से शहरी विकास परियोजनाओं को गति मिलेगी, निवेश को बढ़ावा मिलेगा और आम लोगों के लिए घर बनाने की प्रक्रिया पहले की तुलना में कहीं अधिक सरल और सुविधाजनक हो जाएगी।

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने सड़क सुरक्षा प्रबंधन पर दो दिवसीय प्रशिक्षण

भोपाल। सड़क सुरक्षा प्रबंधन पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पुलिस परिवहन शोध संस्थान (पीटीआरआई) में आयोजित किया गया। इसमें सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात परिवहन की नई तकनीकों से परिचय, वाहन दुर्घटनाओं में पीड़ितों को शासकीय योजनाओं के माध्यम से आर्थिक सहायता, कैशलेस उपचार उपलब्ध करवाने संबंधी जानकारी दी गयी। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मोहम्मद शाहिद अबसार के निर्देशानुसार यह प्रशिक्षण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक से आरक्षक स्तर के अधिकारी-कर्मचारियों को दिया गया।

अक्ल दाढ़ की सर्जरी अब होगी आसान, एम्स भोपाल के डॉक्टरों ने बनाया स्वदेशी उपकरण

भोपाल। अक्ल दाढ़ निकलवाने के नाम से घबराने वाले मरीजों के लिए राहत की खबर है। एम्स भोपाल के डॉक्टरों ने ऐसा स्वदेशी चिकित्सा उपकरण विकसित किया है, जिसकी मदद से मुश्किल अक्ल दाढ़ की सर्जरी को आसान बनाया जा सकता है।

इस उपकरण को भारत सरकार से पेटेंट भी मिल चुका है। इसका नमूना फिलहाल चुनिंदा मरीजों की सर्जरी में इस्तेमाल किया जा रहा है। इस उपकरण को मुख एवं जबड़ा शल्य चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. अंशुल राय और डॉ. बीएल सोनी, पूर्व वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. जितेंद्र और डॉ. समृद्धि ने करीब पांच साल के शोध, अनुभव और तकनीकी विकास के बाद तैयार किया है।

डॉ. अंशुल राय के मुताबिक उपकरण के इस्तेमाल से मरीजों को पारंपरिक प्रक्रिया की तुलना में कम दर्द और सूजन का सामना करना पड़ रहा है। अक्ल दाढ़ सामान्य तौर पर 17 से 25 वर्ष की उम्र के बीच निकलती है। जबड़े में जगह कम होने पर कई बार यह दाढ़ पूरी तरह बाहर नहीं आ पाती और मसूड़े या हड्डी में फंस जाती है।

बारिश के बाद 'वायरस अटैक' ! सरकारी अस्पतालों में बढ़ी भीड़

भोपाल

जुलाई की विदाई के साथ मौसम में आए बदलाव ने राजधानी में वायरल संक्रमण का बड़ा खतरा खड़ा कर दिया है। बारिश के बाद फैले संक्रमण ने सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था पर दबाव बढ़ा दिया है। पिछले 15 दिनों में जेपी, हमीदिया और खान शाकिर अली अस्पतालों की ओपीडी में मरीजों की संख्या 30 से 40 प्रतिशत तक बढ़ गई है। सबसे अधिक मरीज तेज बुखार, सर्दी-खांसी, बदन दर्द, गले में संक्रमण और उल्टी-दस्त की शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं।

स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने पूरे जिले में अलर्ट जारी कर दिया है। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और जिला अस्पतालों को पैरासिटामोल, ओआरएस, एंटीबायोटिक और पैथोलॉजी किट का पर्याप्त बफर स्टॉक रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि मरीजों की बढ़ती संख्या के बीच इलाज प्रभावित न हो।

एक साथ सक्रिय चार वायरस ने बढ़ाई चिंता : डॉक्टरों के अनुसार इस समय चार अलग-अलग वायरस तेजी से संक्रमण फैला रहे हैं। इन्फ्लुएंजा वायरस में तेज बुखार, सूखी खांसी और बदन दर्द प्रमुख लक्षण हैं। एडेनो वायरस आंखों में लालिमा, बुखार और उल्टी का कारण बन रहा है। राइनो वायरस सामान्य सर्दी-जुकाम और गले की खराश फैला रहा है, जबकि एंट्रो वायरस विशेष रूप से बच्चों को प्रभावित कर रहा है, जिससे तेज बुखार के साथ उल्टी-दस्त की शिकायत बढ़ रही है।

सरकारी अस्पतालों में बढ़ा मरीजों का दबाव : जेपी अस्पताल की दैनिक ओपीडी 800 से बढ़कर 1100 के पार पहुंच गई है। इनमें करीब 400 मरीज केवल वायरल संक्रमण के हैं। हमीदिया अस्पताल के मेडिसिन और पीडियाट्रिक विभाग में मरीजों की संख्या में लगभग 35 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है और रोजाना 600 से 650 मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। खान शाकिर अली अस्पताल में प्रतिदिन 600 से 800 मरीज आ रहे हैं, जिनमें 15 से 20 प्रतिशत वायरल संक्रमण से पीड़ित हैं।

रैपिड टेस्ट पर सख्ती, एलाइजा जांच अनिवार्य : सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि सभी शहरी स्वास्थ्य केंद्रों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। दवाओं, डेंगू जांच किट और अस्पतालों में बेड की पर्याप्त व्यवस्था है।

डॉक्टरों की सलाह : विशेषज्ञों ने लोगों से अपील की है कि घर और आसपास पानी जमा न होने दें, बुखार आने पर स्वयं दवा लेने के बजाय चिकित्सकीय सलाह लें, पर्याप्त आराम करें और तरल पदार्थों का सेवन बढ़ाएं।

कमजोर मानसून का असर बिजली पर, बढ़ी डिमांड

भोपाल। जुलाई माह में सामान्य बारिश करीब 3 इंच कम हुई। इस कमी का असर अब बिजली व्यवस्था पर साफ दिखने लगा है। पिछले साल की तुलना में इस बार जुलाई के मध्य तक शहर की अधिकतम बिजली मांग 17% बढ़कर 410 मेगावाट से 480 मेगावाट पहुंच गई। इसी दौरान बिजली चोरी के मामलों में भी 31% की बढ़ोतरी दर्ज हुई। बढ़ते लोड के बीच वितरण नेटवर्क पर दबाव बढ़ा और पिछले एक सप्ताह से शहर के कई इलाकों में ट्रिपिंग, लो-वोल्टेज और बार-बार बिजली गुल होने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं।

बिजली कंपनी के अधिकारियों के मुताबिक इस बार सामान्य से कम और रुक-रुक कर बारिश होने से तापमान और उमस बनी रही।

इंदौर की तरह भोपाल में भी हो सकता है हाल

गैस पीड़ित बस्तियों में 'जहर' बनकर बह रहा नल का पानी ! पीने को मजबूर

- **30 इलाकों से लिए गए 63 सैंपलों में 43 दूषित मिले, फीकल कोलीफॉर्म की पुष्टि**

भोपाल

यूनियन कार्बाइड गैस त्रासदी की मार झेल रहे हजारों परिवार अब एक और गंभीर संकट से जूझ रहे हैं। आरोप है कि गैस प्रभावित बस्तियों में लोगों के घरों तक सीवेज मिला दूषित पानी पहुंच रहा है। गैस पीड़ितों के चार संगठनों ने 30 इलाकों से लिए गए पानी के नमूनों की जांच के आधार पर दावा किया है कि अधिकांश सैंपल पीने योग्य नहीं हैं। रिपोर्ट में फीकल कोलीफॉर्म (मलजनित बैक्टीरिया) की मौजूदगी सामने आने के बाद संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि तत्काल सुधार नहीं हुआ तो भोपाल में भी इंदौर के भागीरथपुरा जैसी जलजनित बीमारी की स्थिति पैदा हो सकती है।

भोपाल गैस पीड़ित महिला-पुरुष संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष नवाब खान ने बताया कि पिछले एक महीने में यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के आसपास स्थित 30 स्थानों से 63 पानी के नमूने एकत्र कर जांच कराई गई। इनमें 43 नमूने दूषित पाए गए। बड़े तालाब से सप्लाई होने वाले पानी के लगभग 90 प्रतिशत नमूनों में फीकल कोलीफॉर्म मिला, जबकि कोलार डैम से आने वाले पानी के करीब 25 प्रतिशत नमूने भी दूषित पाए गए। यह संकेत है कि कई स्थानों पर पेयजल पाइपलाइन में सीवेज का रिसाव हो रहा है।

टाइफाइड और पेट की बीमारियों का बढ़ा खतरा: भोपाल गैस पीड़ित निराश्रित पेंशनभोगी संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष बालकृष्ण नामदेव ने कहा कि दूषित पानी के कारण क्षेत्र में टाइफाइड, डायरिया, उल्टी-दस्त और पेट संबंधी संक्रमण के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। निजी क्लीनिकों में ऐसे मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है, लेकिन प्रशासन स्थिति की गंभीरता को नजरअंदाज कर रहा है।

आठ साल पहले सुप्रीम कोर्ट ने दिए थे आदेश : संगठनों ने याद दिलाया कि अगस्त 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने गैस प्रभावित क्षेत्रों में सीवेज और पेयजल की समस्या पर भोपाल नगर निगम को सीवेज लाइन बिछाने और ड्रेनेज व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए थे। निगम ने अदालत में तीन महीने में काम पूरा करने का भरोसा दिया था, लेकिन करीब आठ वर्ष बाद भी हालात में अपेक्षित सुधार नहीं दिख रहा है।

दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

भोपाल ग्रुप फॉर इंफॉर्मेशन एंड एक्शन की रचना धींगरा ने कहा कि यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य के साथ गंभीर खिलवाड़ है। उन्होंने दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई, गैस प्रभावित बस्तियों में सुरक्षित पेयजल की तत्काल व्यवस्था और पानी की गुणवत्ता की स्वतंत्र एवं नियमित निगरानी की मांग की।

इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से शहर होगा शून्य प्रदूषण की ओर अग्रसर

भोपाल। शहर में लगातार बढ़ते वायु और ध्वनि प्रदूषण से निपटने के लिए सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। सड़कों पर डीजल और पेट्रोल चालित बसों के स्थान पर इलेक्ट्रिक बसों (ई-बसों) का बेड़ा उतारा जा रहा है। प्रशासन का दावा है कि इस पहल से शहर में वाहन जनित उत्सर्जन में भारी कमी आएगी और शहरी क्षेत्र 'जीरो पॉल्यूशन' (शून्य उत्सर्जन) के लक्ष्य की ओर बढ़ेगा। पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता खराब करने में भारी वाहनों का प्रमुख योगदान होता है। पारंपरिक डीजल बसों से निकलने वाला कार्बन मोनोऑक्साइड, पार्टिकुलेट मैटर (PM 2.5/P M 10) और अन्य जहरीली गैसें सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा बनी हुई हैं।

जब तक पूरे ना हों फेरे सात...

हाथ की 'रिंग फिंगर' में पहली वो चमक आपको उत्साह और खुशी से भर देती है। थोड़ी झिझक और एक-दूसरे के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताने की ललक कई बार आपको खुद की ओर से लापरवाह कर देती है। इसी लापरवाही में अनजाने ही आप खुद को नुकसान पहुँचा बैठती हैं। रखिए ख्याल कुछ बातों का जब सगाई के बाद हो शादी का इंतजार।

सुषमा ने अभी ऑफिस पहुँचकर अपना बैग रखा ही था कि रिसेप्शनिस्ट ने उसकी केबिन में फोन ट्रांसफर किया। इतनी सुबह मेरा फोन... सुषमा को थोड़ा आश्चर्य हुआ, क्योंकि उसके काम का नेचर पब्लिक डीलिंग वाला नहीं था। मगर हैलो कहते ही वह खुशी के साथ रोमांच में डूब गई। दो दिन पहले सुषमा की अमर से सगाई हुई थी। फोन अमर का ही था जो चाह रहा था कि सुषमा आज दफ्तर से छुट्टी ले ले और दोनों डेटिंग के लिए बाहर जाएँ। आइडिया बुरा नहीं था मगर सुषमा का जॉब ऑफ नेचर ऐसा था जिसमें उसके पास काफी जिम्मेदारियाँ थीं। नतीजतन वह ऐसा नहीं कर सकती थी और अगर ऐसा करती भी तो अमर की आदत पड़ जाती। जो कि सुषमा नहीं चाहती थी क्योंकि अभी शादी होने में लगभग पूरा साल बाकी था।

मगर सुषमा जैसी सजग लड़कियाँ कम होती हैं। लड़के आमतौर पर इस सबको होशियारी से मैनेज कर लेते हैं और लड़कियाँ संकोच में रहती हैं। माना की सगाई, शादी के रास्ते का गेटवे है लेकिन पूरी शादी नहीं है। इसलिए सगाई के बाद भी अपने कामकाज की सजगता और संवेदनशीलता से कोई समझौता नहीं करना चाहिए और न ही आँख मूँद कर सामने वाले पर विश्वास जिससे कि किसी तरह की समस्या का सामना करना पड़े। याद रखें सगाई घर-परिवार और समाज से मिली मान्यताभर होती है। तो इस आजादी का दुरुपयोग न करें। सगाई के बाद अनुशासित

रहें, सजग रहें और अपने व्यवहार को कुछ इस तरह की शेप दें।

- अक्सर लड़कियाँ सगाई के बाद डेटिंग पर जाने में हिचकिचाती नहीं हैं। भावी पति के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानने के लिए उसके साथ डेटिंग पर चली जाती हैं। यही नहीं परिस्थितिवश वे मर्यादा भूल कर मंगेतर की हर इच्छा पूर्ति को भी आतुर हो जाती हैं। जो कई बार उनकी जिंदगी क लिए बेहद महँगा सौदा बन जाता है।
- सगाई के बाद मंगेतर के बुलाने पर कहीं जाने को झट से न तैयार हो जाएँ। जाएँ मगर तमाम बातों, खासतौर पर अपनी सुरक्षा को लेकर आश्वस्त हो जाने के बाद।
- अगर जाना ही पड़े तो घर में किसी न किसी को अवश्य बता कर जाएँ कि जा कहाँ रही हैं।
- किसी अनजान और सुनसान जगह पर कभी न जाएँ। अँधेरा होने तक घर जरूर लौट आएँ।
- गाड़ी में बैठें तो शीशे कभी पूरे न चढ़ाएँ।
- डिस्को व क्लब में रात को देर तक न जाएँ और पब की ओर तो कदापि रुख न करें। ड्रिंक न करें।
- अपने अन्य युवक मित्रों से परिचय को ज्यादा उतावली होने का प्रयास न करें। हँसी-मजाक सीमा से बाहर न करें।

जाना ही पड़े तो-

- किसी अच्छे से पार्क या रेस्तराँ में बैठें। दिन के वक्त ही मिलें। शिष्टता बनाए रखें।
- चरित्र के मामले में अपनी दृढ़ता बनाए रखें। चरित्र के मामले में केवल एक परिभाषा तक सीमित न रहें। झूठ बोलना, कुछ छुपाना, धोखा देना यह भी चरित्रहीनता ही है। इसे सामने वाले पर भी लागू करें। रीति-रिवाजों को सम्मानजनक शब्दों में परिभाषित करें।
- आपसी समझदारी की बातें करें। करियर या समाज संबंधी बातें ही करें।

...स्माइल प्लीज

कई लोगों को यह शिकायत रहती है कि उनके फोटो अच्छे नहीं आते। यह सही है कि हर व्यक्ति का चेहरा कैमरे के लिहाज से परफेक्ट नहीं हो सकता या हर कोई फोटोजेनिक फेस वाला नहीं हो सकता लेकिन अगर आप कुछ बातों का खयाल रखें तो आपकी तस्वीर भी अच्छी आ सकती है।-

- आपका चेहरा ऑइली नहीं होना चाहिए। कॉम्पेक्ट का इस्तेमाल करके चमक को हटा लीजिए। साथ ही कॉम्पेक्ट या पावडर को हल्के हाथों से उन स्थानों पर सफाई के साथ लगाएँ जहाँ चेहरे के रंग में अंतर दिखता हो।
- आप आँखों को हाईलाइट करने के लिए काजल और मस्कारा चुन सकती हैं लेकिन यह याद रखें कि सामान्य फोटो के लिए बहुत ज्यादा नाटकीय मेकअप की जरूरत नहीं होती। यही बात लिपिस्टिक लगाते समय भी ध्यान में रखें। चाहें तो होठों पर चमकीला ग्लॉस लगा सकती हैं।
- फोटो में स्लिम नजर आना चाहती हैं तो काले या गहरे रंग के कपड़े पहनें। हल्के रंग के या ज्यादा ढीले कपड़े आपके शरीर को बढ़-चढ़ाकर ज्यादा वजन का दिखाते हैं। इसलिए कोशिश करें कि आपके कपड़े अच्छी फिटिंग के और गहरे रंग के हों।
- हालाँकि आजकल मॉडलिंग के हिसाब से पोर्टफोलियो बनवाने वाली दुकानें थोक के भाव खुल गई हैं लेकिन आप भरोसा उसी पर करें जो इस क्षेत्र में अनुभव रखता हो। कहीं से भी पोर्टफोलियो बनवाने में आपके पैसे भी फिजूल खर्च होंगे और काम भी नहीं बनेगा।
- कभी भी किसी सेलिब्रिटी या फिल्म की देखा-देखी फोटो सेशन न करवाएँ। सबसे पहली बात तो यह कि हर व्यक्ति के चेहरे की बनावट तथा शारीरिक कोणों में विभिन्नाता होती है। यह कतई जरूरी नहीं कि माधुरी दीक्षित जैसा पोज आप पर भी जम ही जाए। इसलिए

इस मामले में जिद छोड़ फोटोग्राफर की बात मानें। उसे अच्छे से मालूम होता है कि किस चेहरे पर कैसा काम करना है।

- चाहे आपने बहुत महँगे कपड़े पहन रखें हों लेकिन जरूरी नहीं कि फोटो के लिहाज से भी वे ठीक ही हों। अत: इस मामले में भी फोटोग्राफर से एक राय जरूर लें।
- मेकअप कम से कम करें।
- एक साथ बहुत सारे जेवर न पहन डालें।
- स्टुडियो के लिए निकलने से ठीक पहले ब्रश से दाँत साफ करें ताकि आपकी मुस्कान आपकी तरह ही स्पेशल हो।

चॉकलेटी अखरोट कुकीज

सामग्री- मैदा एक कप, शकर (पिसी) 1/2 कप, क्रीम 1/2 कप, मक्खन 1 टी स्पून, बेकिंग पावडर 1/2 छोटा चम्मच, बारीक चॉकलेट एक टेबल स्पून, किशमिश एक बड़ा चम्मच, लाल हरी केक पिल्स (गोलियाँ), अखरोट (बारीक कतरे)।

विधि- मैदा और बैंकिंग पावडर मिलाकर छानें तथा क्रीम, शकर और मक्खन फेटें। इसमें मैदा तथा अन्य सामग्री मिलाकर गूँथ लें। आधा घंटे फ्रिज में रखने के बाद मोटा बेलकर गोल कुकीज काट लें। काँटे से गोदने के बाद माइक्रोवेव में 180 डिग्री सेंटीग्रेड पर 15 मिनट तक बेक करें। ठंडा करके पेश करें।

छोटी मगर काम की बातें

- जरी वाली साड़ी की जरी को काला होने से बचाने के लिए अपनी अलमारी में या अटैची में अजवाइन की एक छोटी पोटली बांध कर रख दें।
- फटी एड़ियों से छुटकारा पाने के लिए कच्चे आम को उबालिए। ठंडा हो जाए तो उसके गूदे को फटी एड़ियों पर रगड़ें।
- आलू तलने से पहले उसमें हल्का-सा सूखा मैदा छिड़कें। आलू अधिक खस्ता बनेंगे।
- चमड़े के पर्स या बैल्ट को नई लुक देने के लिए घर के अंधेरे कोनों में हल्दी पाऊडर छिड़क दें।
- नहाने से पूर्व पानी की बाल्टी में दो चम्मच नारियल का तेल डालें। त्वचा पर अनोखी चमक महसूस करेंगे।
- अंडों को जल्दी उबालने के लिए अंडों को प्रैशर कुकर में उबालें।

चेहरे को बनाएं हसीन

त्वचा यदि रूखी और बेजान हो, तो तीखे नाक-नक्स भी अपनी सुंदरता खो देते हैं। त्वचा मुलायम और चमकदार कैसे नजर आए? इसके लिए निम्न विधियों का उपयोग करें-

एल्फा हाइड्रोप्सी एसिड

इस तकनीक में हर महिला की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकता की पूरी जानकारी ली जाती है। कई बार हारमोन्स के विकार, नींद की कमी या मानसिक तनाव भी त्वचा को प्रभावित करते हैं।

प्राय: खाने-पीने की गलत आदतों से भी त्वचा को नुकसान पहुंचता है। अत: अपने भोजन, भोजन करने के तरीके एवं समय को भी ध्यान में रखना जरूरी है।

अतिरिक्त खनिज पदार्थ, विटामिन तथा प्रोटीन त्वचा के लिए जरूरी हैं।

एल्फा हाइड्रोप्सी एसिड तकनीक में फलों के एसिड (लवणों) द्वारा उपचार होता है। इस विधि में मृतप्राय त्वचा की सफाई होती है, जिससे त्वचा फिर से खिल उठती है।

इससे त्वचा पर पड़ी झुर्रियां भी सरलता से दूर की जा सकती हैं।

यदि इस विधि का प्रयोग नियमित रूप से या कम से कम महीने में एक बार करवाया जाए, तो निश्चय ही आपकी त्वचा चमक उठेगी।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-6-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान की कोशिश करेगा। शुभांक-4-7-9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-3-5

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। शुभांक-2-6-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करे। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-3-7-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-6-8

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
जीवनसाथी अथवा दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 3916

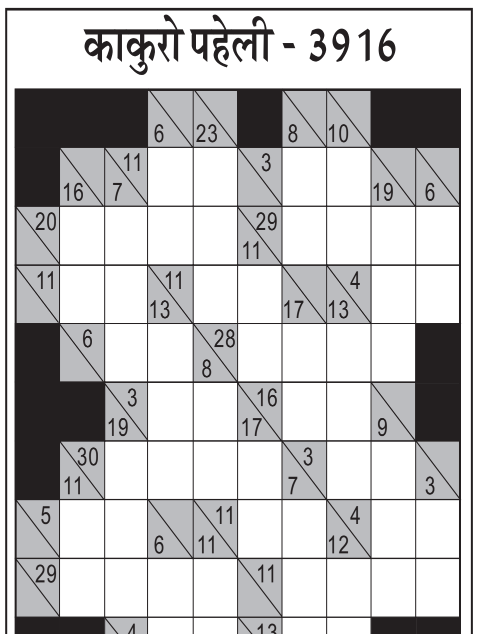

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

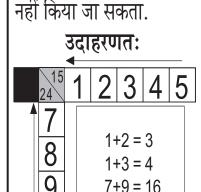

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3915 का हल

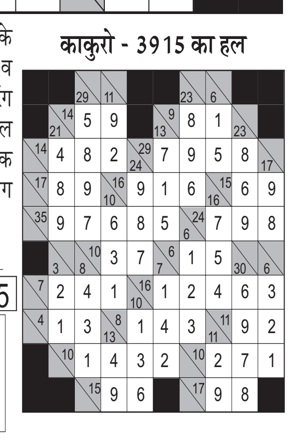

हंसी के फूव्वारें

एक सेठ अपने बेटे को कॉलेज में नाम लिखवाने आये.

'सेठजी आप लेट हो गए हैं, अब तो कोई भी सीट खाली नहीं है.' प्रधानाचार्य ने कहा.

सेठजी ने कहा-आप चिन्ता न करें, मेरे बेटे का नाम लिख लें. सीट मैं नयी बनवा दूँगा.

□ □ □

'कुँवारे व्यक्ति को तुम स्वार्थी क्यों कहती हो ?' पहली फिल्म अभिनेत्री ने दूसरी फिल्म अभिनेत्री से पूछा.

दूसरी अभिनेत्री ने कारण बताया, 'क्योंकि कुँवारा व्यक्ति किसी महिला को तलाक का अवसर नहीं देता.'

□ □ □

विवाह के कुछ दिन बाद पति-पत्नी में लड़ाई हो गयी. पत्नी बोली, 'मैं मायके जा रही हूँ, अब नहीं आऊँगी.'

पति शांत रहा. उसने जेब में हाथ डाला और उसे रुपये देकर बोला, 'यह लो ट्रेन का किराया.'

पत्नी ने रुपये गिने और बोली, 'ट्रेन की वापसी का किराया कौन देगा ?'

□ □ □

युवती-किसी ने सत्य ही कहा है कि जिसे शक्ल मिलती है उसे अक्ल नहीं मिलती.

युवक-इसलिए तो मैंने तुमसे प्रेम किया है.

फिल्म वर्ग पहेली- 3916

बायें से दायें:-

१. 'दिल से तुझको बेदिली' गीत वाली दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३. राजेश खन्ना, डिम्पल की 'जब दर्द नहीं था सीने' गीत वाली फिल्म-४
६. संजय दत्त, नम्रता की फिल्म-३
७. संजीव, सुचित्रा की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
८. 'आया है मुझे फिर' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१०. 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हंसाती है रूलाती' गीत वाली तुषार, ग्रेसी, अमृता की फिल्म-२
१३. संजीवकुमार, राखी की 'तेरे आँखों के दो' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'निकाह' में दीपक और राज बब्बर के साथ नायिका कौन थी-३
१६. अनिल, पूनम की 'मिली तेरे प्यार की' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुल राय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२१. तुषार कपूर, अंतरा की फिल्म-३
२३. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंन्द्र, रामेश्वरी की फिल्म-३
२४. अभिषेक, अंतरा की 'आवारा मन में' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'ये दुनिया वाले' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२६. 'सुन जरा सोनिये सुन' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता पटेल की फिल्म-२
२८. सुनील शेट्टी, सोमी की 'दिल मेरा यहाँ' गीत वाली फिल्म-२
३०. मनोजवाजपेई, उर्मिला की फिल्म-२
३२. देवानंद, नूतन की 'हम तो जानी प्यार करेगा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'जाने क्या पिलाय' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, जीनत की 'मेरी उमर का एक लड़का' गीत वाली फिल्म-२,२
२. अमिताभ, शशि, परवीन, नीतू की फिल्म-३
३. 'चलो बुलावा आया' गीत वाली फिल्म-४
४. 'कोई मिल गया' में ऋतिक का नाम था-३
५. 'चल चमेली बाग में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'भोर भये पंछी धुन' गीत वाली राजेश खन्ना, रेखा की फिल्म-३
९. सचिन, सुचेता की 'झुमका कजरा बिंदिया गजरा' गीत वाली फिल्म-४
११. ऋषि, चंकी, नीलम की फिल्म-३
१३. राजकपूर डबल रोल, नर्गिस की फिल्म-२
१४. 'जिंदगी ये पल, ये पल जिंदगी' गीत वाली सुष्मिता, सुशांत की फिल्म-३
१५. धर्मेन्द्र वाली 'जब याद किसी की आती है' की नायिका कौन थी?-२
१७. 'ना ये जमीं थी ना आसमां था' गीत वाली विश्वजीत, राजश्री की फिल्म-३
१८. देव आनंद, हेमा की 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली फिल्म-४
१९. दिलीप कुमार, अनिल कपूर, रति की फिल्म-३
२०. प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
२२. 'बाजूबंद खुल खुल जाये' गीत वाली फिल्म-४
२८. अब्बास, शर्बाणी की 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'याईला रे लड़की' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'कोरे कागज पे लिखवाले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3915

सूडोकु -3916

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3915 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्द पहेली - 3916

बाएँ से दाएँ

1.मूर्ख,बेवकूफ (उर्दू-4)
5.संपत्ति-4
9.कटि,पीठ -3
10.प्रणाम,नमस्कार-3
12.अधीन-2
14.पितामह-2
15.कार्य-2
16.पराजय-2
17.अच्छे कुल का-3
19.तरंग,हिलोर-3
21.एक प्रकार की दाल-3
22.ओस,रजनी जल(उर्दू-4)
24.गगन,आकाश-4
25.स्वच्छ करना-5
26.आश्चर्यजनक-4
29.जो लायक न हो-4
33.उल्टी,कै-3
34.रनिवास,जनवासा-3
36.पंक्ति,लाइन-3
37.सुर,लय,आलाप-2
38.दंड,शिक्षा-2
39.पराजय-2
41.झुका हुआ -2
42.कर्म,भाग्य-3
43.भार-3
45.भूल,गलती (उर्दू-4)
46.भाग्य,नसीब-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2
3.मां का दुलार-3
4.ताली की आवाज-4
5.अनुभवी-4
6.जुड़वा-3
7.दक्षिणा-2
8.राम के पुत्र-2,2
11.अभिलाषा,-4
13.क्रूस,सूली-3
16.पाचनशक्ति-3
18.ईसाई साध्वी-2
20.जीवनसाथी -5
21.गरबा,नृत्य-2
23.मालिश-3
24.दर्पण,शीशा-3
26.ईश्वर-4
27.बाग,गुलिस्तां-3
28.क्रिकेट में बनते हैं-2
30.दुलारा,पुत्र-2
31.भरोसा,विश्वास-3
32.करामात-4
34.शेविंग करना-4
35.हाथी साधने वाला-4
38.आसान,सीधा-3
40.कपड़े धोने वाला-3
42.बलगम-2
44.सरिता-2

शब्द पहेली -3915 का हल

टीम इंडिया को बड़ी राहत

फिट हुए जसप्रीत बुमराह श्रीलंका के खिलाफ दोनों टेस्ट में उतरने को तैयार

नई दिल्ली , एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम को श्रीलंका दौरे से पहले बड़ी खुशखबरी मिली है। टीम के सबसे अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पूरी तरह फिट हो गए हैं और अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे। बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में उन्होंने सभी अनिवार्य फिटनेस टेस्ट सफलतापूर्वक पास कर लिए हैं। इससे टीम प्रबंधन ने राहत की सांस ली है, क्योंकि आगामी टेस्ट सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के लिहाज से बेहद अहम मानी जा रही है।

बुमराह को इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में खेली गई वनडे सीरीज के दौरान इम्पैक्ट इंजरी का सामना करना पड़ा था। इसी वजह से उन्हें लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे वनडे मुकाबले से बाहर रहना पड़ा था। मेडिकल टीम ने एहतियात बरतते हुए उन्हें आराम दिया और उनकी फिटनेस पर लगातार नजर रखी। अब विस्तृत जांच और फिटनेस आकलन के बाद उन्हें पूरी तरह फिट घोषित कर दिया गया है। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, बुमराह ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस द्वारा निर्धारित सभी शारीरिक और गेंदबाजी संबंधी परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे किए हैं। टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि वह श्रीलंका के खिलाफ दोनों टेस्ट मैचों में अपनी पूरी क्षमता के साथ खेलेंगे।

15 अगस्त से होगी अहम टेस्ट सीरीज

भारत और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 15 अगस्त से गॉल में खेला जाएगा, जबकि दूसरा और अंतिम टेस्ट 23 अगस्त से कोलंबो में होगा। विदेशी परिस्थितियों में यह सीरीज भारतीय टीम के लिए चुनौतीपूर्ण मानी जा रही है। ऐसे में बुमराह जैसे अनुभवी गेंदबाज की वापसी तेज गेंदबाजी आक्रमण को नई धार देगी। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा चक्र में भारत के लिए यह सीरीज काफी महत्वपूर्ण है। फाइनल की दौड़ में मजबूती बनाए रखने के लिए टीम इंडिया को अपने शेष नौ टेस्ट मुकाबलों में कम से कम सात जीत दर्ज करनी होंगी। ऐसे में श्रीलंका के खिलाफ 2-0 से सीरीज जीतना भारतीय टीम का प्रमुख लक्ष्य रहेगा। इसके बाद टीम को न्यूजीलैंड के कठिन विदेशी दौरे का भी सामना करना है, जहां मजबूत प्रदर्शन करना बेहद जरूरी होगा।

चोटों से जूझ रही टीम को मिली बड़ी राहत

हालांकि बुमराह की वापसी भारतीय टीम के लिए राहत की खबर है, लेकिन कई खिलाड़ी अब भी चोट के कारण बाहर हैं। तेज गेंदबाज हर्षित राणा हैमस्ट्रिंग चोट से उबर रहे हैं, जबकि ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी क्वाड्रिसेप्स की समस्या से जूझ रहे हैं। वॉशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग चोट के चलते पहले टेस्ट में उपलब्ध नहीं होंगे। वहीं तेज गेंदबाज आकाश दीप पीठ में स्ट्रेस रिएक्शन के कारण लंबे समय से टीम से बाहर हैं।

भगवा जर्सी पर हॉकी इंडिया में घमासान! अध्यक्ष दिलीप तिर्की बोले-

मेरी जानकारी के बिना लिया गया फैसला, बोर्ड से भी चर्चा नहीं

विश्व कप से पहले नई जर्सी पर विवाद गहराया

नई दिल्ली , एजेंसी

एफआईएच हॉकी विश्व कप से पहले भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम की नई भगवा जर्सी को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। अब इस मामले में सबसे बड़ा सवाल खुद हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप तिर्की ने उठाया है। तिर्की ने दावा किया कि राष्ट्रीय टीम की पारंपरिक नीली जर्सी की जगह नया रंग अपनाने का फैसला उनकी जानकारी और हॉकी इंडिया की कार्यकारी समिति एग्जीक्यूटिव बोर्ड से चर्चा किए बिना लागू कर दिया गया। उनके इस बयान के बाद महासंघ की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं।

बोर्ड को नहीं बताया

दिलीप तिर्की ने हॉकी इंडिया के एग्जीक्यूटिव बोर्ड को भेजे ईमेल में कहा कि राष्ट्रीय टीम की पहचान से जुड़े इतने महत्वपूर्ण फैसले पर न तो बोर्ड में चर्चा हुई और न ही उन्हें पहले से इसकी जानकारी दी गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी आपत्ति जर्सी के रंग को लेकर नहीं है, बल्कि निर्णय लेने की प्रक्रिया को लेकर है। उनके अनुसार, किसी भी राष्ट्रीय खेल महासंघ में ऐसे फैसले निर्वाचित नेतृत्व और कार्यकारी समिति की सहमति से होने चाहिए।

तीन सवालों के जवाब मांगे

विवाद बढ़ने के बाद तिर्की ने हॉकी इंडिया के कार्यकारी निदेशक कमांडर आर.के. श्रीवास्तव को निर्देश दिया कि सभी बोर्ड सदस्यों को विस्तृत रिपोर्ट भेजी जाए। उन्होंने तीन अहम सवालों के जवाब मांगे हैं—जर्सी का रंग बदलने की मंजूरी किसने दी, इस फैसले में कौन-कौन अधिकारी शामिल थे और अध्यक्ष व एग्जीक्यूटिव बोर्ड से सलाह क्यों नहीं ली गई।

सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

नई केसरिया जर्सी सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर तीखी बहस शुरू हो गई। कुछ लोगों ने इसे भारतीय हॉकी टीम की पारंपरिक पहचान से जोड़ते हुए सवाल उठाए, जबकि कुछ राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आईं। हालांकि हॉकी इंडिया का कहना है कि नई जर्सी का डिजाइन पूरी तरह खेल और ब्रांडिंग से जुड़ा फैसला है तथा इसका किसी राजनीतिक उद्देश्य से कोई संबंध नहीं है।

सरकार ने भी मांगी जानकारी

दिलीप तिर्की ने अपने पत्र में यह भी उल्लेख किया कि इस विवाद को लेकर ओडिशा सरकार ने भी उनसे स्पष्टीकरण मांगा था। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक रूप से उन्होंने हमेशा यही कहा कि खिलाड़ियों का ध्यान विश्व कप से न भटके, लेकिन निर्णय लेने की प्रक्रिया पर उठे सवालों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

विवादों में घिरा है हॉकी इंडिया

यह विवाद ऐसे समय सामने आया है जब हॉकी इंडिया पहले से कई प्रशासनिक मुद्दों को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रहा है। हाल ही में महासंघ की उपाध्यक्ष असुंता लाकड़ा ने महासचिव भोला नाथ सिंह पर गंभीर आरोप लगाए थे, जिसके बाद खेल मंत्रालय ने मामले की स्वतंत्र जांच कराने और आंतरिक शिकायत समिति आईसीसी के पास भेजने के निर्देश दिए थे। ऐसे में जर्सी विवाद ने हॉकी इंडिया की प्रशासनिक पारदर्शिता और निर्णय प्रक्रिया पर एक बार फिर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

ग्लास्गो में भारतीय खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन, कई खेलों में चमका तिरंगा

नीरज ने जीता सिल्वर, यशवीर को ब्रॉन्ज जूडो और डेकाथलॉन में भी रचा इतिहास

नई दिल्ली , एजेंसी

स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक और यादगार दिन अपने नाम कर लिया। एथलेटिक्स, जूडो और मुक्केबाजी में भारतीय खिलाड़ियों ने दमदार खेल दिखाकर देश की झोली में कई पदक डाले। सबसे ज्यादा चर्चा पुरुषों की भाला फेंक (जेवलिन थ्रो) स्पर्धा की रही, जहां भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा ने रजत पदक जीतकर अपनी शानदार वापसी का संकेत दिया, जबकि युवा खिलाड़ी यशवीर सिंह ने कांस्य पदक जीतकर भविष्य के बड़े सितारे के रूप में अपनी मजबूत दावेदारी पेश की।

जेवलिन थ्रो में भारत का डबल मेडल

पुरुषों की जेवलिन थ्रो स्पर्धा में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो पदक अपने नाम किए। अनुभवी एथलीट नीरज चोपड़ा ने सीजन का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 85.83 मीटर का थ्रो फेंका और रजत पदक हासिल किया। वहीं, युवा भाला फेंक खिलाड़ी यशवीर सिंह ने आखिरी प्रयास में 85.41 मीटर का शानदार थ्रो कर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और कांस्य पदक जीत लिया। इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक श्रीलंका के रुमेश तरंगा पथिरागे ने 89.75 मीटर के शानदार थ्रो के साथ अपने नाम किया। उनका यह प्रदर्शन प्रतियोगिता के सबसे यादगार पलों में शामिल रहा।

आखिरी थ्रो में रोमांच, लेकिन फाउल ने रोक दी नीरज की उम्मीद

मुकाबले की शुरुआत में नीरज चोपड़ा बढ़त बनाए हुए थे, लेकिन श्रीलंका के रुमेश पथिरागे के रिकॉर्ड थ्रो ने मुकाबले का पूरा समीकरण बदल दिया। अंतिम प्रयास में नीरज ने स्वर्ण पदक हासिल करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी, लेकिन उनका आखिरी थ्रो फाउल हो गया। इसके बावजूद उन्होंने सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। नीरज और यशवीर का एक साथ पोडियम पर खड़ा होना भारतीय खेल इतिहास के लिए गर्व का पल बन गया। दोनों खिलाड़ियों ने तिरंगे के साथ अपनी सफलता का जश्न मनाया, जिसने भारतीय प्रशंसकों को भावुक कर दिया।

तेजस्विन शंकर ने रचा नया इतिहास| भारत के बहुमुखी एथलीट तेजस्विन शंकर ने पुरुषों की डेकाथलॉन स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर नया इतिहास रच दिया। वह कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में डेकाथलॉन में पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। दस अलग-अलग स्पर्धाओं में लगातार शानदार प्रदर्शन करते हुए तेजस्विन ने अपनी फिटनेस, तकनीक और मानसिक मजबूती का बेहतरीन परिचय दिया। उनकी इस उपलब्धि को भारतीय एथलेटिक्स के लिए एक बड़ी सफलता माना जा रहा है।

जूडो में अस्मिता डे ने दिलाया भारत को पहला गोल्ड| कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में जूडो से भी भारत के लिए ऐतिहासिक खबर आई। महिला जूडोका अस्मिता डे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया और कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में भारत को जूडो का पहला गोल्ड मेडल दिलाया।

वैभव को उपकप्तान बनाने पर भड़के भोगले, बोले- आखिर सोच क्या है?

मुंबई। दलीप ट्रॉफी 2026-27 के लिए ईस्ट जोन की टीम में 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को उपकप्तान बनाए जाने का फैसला चर्चा का विषय बन गया है। युवा बल्लेबाज को ईशान किशन की कप्तानी वाली टीम का उपकप्तान बनाए जाने पर कई पूर्व क्रिकेटरों और विशेषज्ञों ने हैरानी जताई है। मशहूर क्रिकेट कमेंटेटर हर्षा भोगले भी इस फैसले से सहमत नजर नहीं आए।

हर्षा भोगले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, %मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि वैभव सूर्यवंशी को सीनियर रेड-बॉल टीम का उपकप्तान बनाने के पीछे क्या सोच रही होगी। उन्होंने 12 पारियों में 17.25 की औसत से 207 रन बनाए हैं। उनकी प्रतिभा असाधारण है, लेकिन रेड-बॉल क्रिकेट में अभी उनके सीखने की शुरुआत ही हुई है। वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर तेजी से पहचान बनाई है। हालांकि प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका अनुभव अभी काफी कम है। उन्होंने अब तक आठ प्रथम श्रेणी मैचों में 207 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका सर्वोच्च स्कोर 93 रन रहा है। ऐसे में दलीप ट्रॉफी जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में उन्हें उपकप्तानी सौंपने के फैसले पर सवाल उठ रहे हैं।

ईशान किशन करेंगे कप्तानी

ईस्ट जोन टीम की कप्तानी विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन को सौंपी गई है, जबकि वैभव सूर्यवंशी उपकप्तान होंगे। बल्लेबाजी क्रम में वैभव के अनुभवी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन के साथ पारी की शुरुआत करने की उम्मीद है।

ऋषभ पंत ने एमएस धोनी के साथ ट्रेनिंग की:रांची में श्रीलंका टेस्ट सीरीज से पहले जिम में साथ दिखे दोनों खिलाड़ी

एजेंसी नई दिल्ली

भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज की तैयारी में जुट गए हैं। इस तैयारी के दौरान पंत ने रांची में पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी के साथ ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा लिया।

रांची के एक जिम से पूर्व भारतीय स्पिनर शाहबाज नदीम ने एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें पंत और धोनी साथ ट्रेनिंग करते नजर आ रहे हैं। इस फोटो में धोनी नीले रंग के ट्रैकसूट में दिख रहे हैं, जबकि पंत ने काली टी-शर्ट और शॉर्ट्स पहने हुए हैं।

तस्वीर को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए शाहबाज नदीम ने लिखा, 'भारतीय क्रिकेट के दो सबसे बेहतरीन फिनिशर ऋषभ पंत और माही भाई।' हालांकि पंत अभी भारत की व्हाइट-बॉल टीम का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन वह शुभमन गिल की कप्तानी वाली टेस्ट टीम के अहम सदस्य बने हुए हैं।

IPL 2026 में रहा था खराब प्रदर्शन

28 साल के पंत के लिए आईपीएल 2026 यादगार नहीं रहा। लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी करते हुए उन्होंने 28.36 की औसत और 138.05 के स्ट्राइक रेट से 312 रन बनाए। उनकी कप्तानी में स्स्त्र अंक तालिका में 10वें और आखिरी स्थान पर रही।

अब पंत की कोशिश श्रीलंका सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर उस निराशा को पीछे छोड़ने की होगी।

जून के बाद पहली बार खेलेंगे इंटरनेशनल मैच

पंत आखिरी बार जून 2026 में मुल्लांपुर में अफगानिस्तान के खिलाफ इकलौता टेस्ट खेलते नजर आए थे। इसके बाद वह प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर रहे। अब श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से उनकी इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी होगी।

इटली के दिग्गज फुटबॉलर फ्रेंको बारेसी का निधन

्फुटबॉल वर्ल्डकप के तीनों मेडल जीतने वाले इकलौती खिलाड़ी, एसी मिलान को 18 टाइटल जिताए

एजेंसी नई दिल्ली

इटली के महान फुटबॉलर फ्रेंको बारेसी का 66 साल की उम्र में निधन हो गया है। वे लंबे समय से बीमार थे। बारेसी ने गुरुवार को मिलान के ह्यूमनिटास डि रोजानो क्लिनिक में अंतिम सांस ली। अगस्त 2025 में फेफड़ों में गांठ (पल्मोनरी नोड्यूल) हटाने के लिए उनकी सर्जरी हुई थी, जिसके बाद वे इम्यूनोथेरेपी ले रहे थे।

क्लब के लिए 20 साल का सफर

बारेसी ने 1977 से 1997 तक अपने पूरे क्लब करियर में एसी मिलान का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने मिलान के लिए 719 आधिकारिक मैच खेले और 33 गोल किए। बारेसी 15 सीजन तक टीम के कप्तान रहे। उनकी कप्तानी में मिलान ने 6 सीरी ए खिताब, 3 यूईएफए चैंपियंस लीग (यूरोपियन कप), 3 यूरोपियन सुपर कप, 2 इंटरकांटिनेंटल कप और 4 इटालियन सुपर कप जीते।

उनकी वफादारी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जब मिलान दो बार सीरी बी में रेलिगेट हुआ, तब भी वे क्लब के साथ बने रहे। 1997 में उनके संन्यास के बाद मिलान ने उनकी जर्सी नंबर 6 को हमेशा के लिए रिटायर कर दिया।

कॉमनवेल्थ में रिकॉर्ड 10 भारतीय बॉक्सर गोल्ड रेस में:सभी आज फाइनल खेलेंगे; अब तक भारत ने 23 मेडल जीते

एजेंसी ग्लासगो

कॉमनवेल्थ गेम्स के नौवें दिन रिकॉर्ड 10 भारतीय मुक्केबाज गोल्ड मेडल के मुकाबले में उतरेंगे। इनमें ओलिंपिक मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहेन भी शामिल हैं। इससे पहले एक कॉमनवेल्थ गेम्स में सबसे ज्यादा 6 भारतीय बॉक्सर 2018 में फाइनल तक पहुंचे थे। शनिवार को भारतीय खिलाड़ी बॉक्सिंग, एथलेटिक्स, पैरा एथलेटिक्स, जूडो, ट्रैक साइक्लिंग और लॉन बॉल्स में चुनौती पेश करेंगे। दिनभर में कुल 44 गोल्ड मेडल इवेंट्स होंगे। इनमें 19 एथलेटिक्स-पैरा एथलेटिक्स, 14 बॉक्सिंग, 6 ट्रैक-पैरा ट्रैक साइक्लिंग और 5 जूडो के फाइनल शामिल हैं।

बॉक्सिंग में भारत के 10 मेडल पक्के

भारत की शुरुआत दोपहर 3ः30 बजे प्रीति पवार के महिला 54 ग्राम फाइनल से होगी। इसके बाद 3ः45 बजे जैस्मिन लांबोरिया (57 ग्राम) और 4ः15 बजे जदुमणि सिंह (55 ग्राम) गोल्ड के लिए उतरेंगे। रात 9 बजे साक्षी चौधरी 51 ग्राम, 9ः15 बजे प्रिया घंघास 60 ग्राम, 9ः30 बजे अरुंधति चौधरी 70 ग्राम, 10ः15 बजे लवलीना बोरगोहेन 75 ग्राम, 10ः45 बजे सचिन सिवाच 60 ग्राम, 11ः15 बजे अंकुश पंघाल 80 ग्राम और 11ः45 बजे नरेंद्र बरवाल 90+ ग्राम में अपने फाइनल मुकाबले खेलेंगे।

एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स में भी मेडल की

उम्मीद

दोपहर 2ः35 बजे शुभम जुयाल और सोमन राणा पुरुष शॉटपुट एफ-57 फाइनल में उतरेंगे। इसके बाद 2ः40 बजे प्रवीण चित्रावेल और सेल्वा प्रभु तिरुमारण पुरुष ट्रिपल जंप में हिस्सा लेंगे। फिर दोपहर 2ः50 बजे रमेश शन्मुगम पुरुष 1500 मीटर टी-54 और 3 बजे प्रियंका गोस्वामी एंड रवीना गायकवाड़ महिला 10,000 मीटर रेस वॉक फाइनल खेलेंगी।

रात 11ः35 बजे देव मीणा और कुलदीप कुमार पुरुष पोल वॉल्ट फाइनल में उतरेंगे। इसके बाद 12ः15 बजे गुलवीर सिंह पुरुष 5000 मीटर और 1ः50 बजे भारत की मिक्स्ड 4×400 मीटर रिले टीम पदक के लिए चुनौती पेश करेगी।

जूडो और ट्रैक साइक्लिंग में भी मुकाबले

जूडो में उन्नति शर्मा, करणजीत सिंह मान, हर्ष तोकस और इनुंगानबी ताखेल्लामबम अपने-अपने शुरुआती मुकाबले खेलेंगे। जीत मिलने पर वे अगले दौर में पहुंचेंगे।

ट्रैक साइक्लिंग में 4:19 बजे दिनेश कुमार और हर्षवीर सिंह सेखों पुरुष 10 किमी स्क्रैच रेस क्वालिफाइंग में उतरेंगे। क्वालिफाई करने पर दोनों रात 10:50 बजे फाइनल में पार्टिसिपेट करेंगे।

लॉन बॉल्स में इंग्लैंड से मुकाबला

लॉन बॉल्स में 3:50 बजे नवनीत सिंह और दिनेश कुमार की भारतीय जोड़ी पुरुष पेयर्स सेक्शनल प्ले में इंग्लैंड का सामना करेगी। क्वालिफाई करने पर यही जोड़ी रात 11:45 बजे सेमीफाइनल खेलेगी।

वहीं 10:20 बजे नयनमोनी सैकिया महिला सिंगल्स सेक्शनल प्ले में साउथ अफ्रीका की ब्रिजेट हर्सेलमैन के खिलाफ उतरेंगी।

कॉमनवेल्थ में जूडो में 15 मिनट में अस्मिता-हर्ष गोल्ड जीते

कॉमनवेल्थ गेम्स में शुक्रवार को भारत ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। अस्मिता डे ने गेम्स के इतिहास में जूडो में देश को पहला गोल्ड दिलाया। इसके 15 मिनट बाद हर्ष सिंह ने दूसरा गोल्ड जीता। यामिनी मौर्य ने सिल्वर मेडल हासिल किया। जूडो में 3 मेडल आए।

शिवलिंग पर सबसे पहले जल चढ़ाया जाता है या बेलपत्र?

शिवलिंग पर बेलपत्र और जल चढ़ाना भगवान शिव की पूजा का एक महत्वपूर्ण अंग है जिसके पीछे गहरा धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व छिपा है। माना जाता है कि बेलपत्र भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है और इसे चढ़ाने से वे प्रसन्न होते हैं। बेलपत्र की तीन पत्तियां त्रिदेवों का प्रतीक मानी जाती हैं और शिव पुराण के अनुसार ये शिव के त्रिशूल और उनकी तीन आंखों का भी प्रतिनिधित्व करती हैं। बेलपत्र को शीतलता प्रदान करने वाला भी माना जाता है। वहीं, शिवलिंग पर जल चढ़ाना शिव के अभिषेक का एक अभिन्न हिस्सा है। जल सृष्टि का आधार है और जीवन का प्रतीक भी। यह शिव के शांत और कल्याणकारी स्वरूप को दर्शाता है। यही कारण है कि शिवलिंग पूजन बिना जल और बेलपत्र के अधूरा है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि शिवलिंग पर इन दोनों में से सबसे पहले क्या चढ़ाना चाहिए।

- धार्मिक और ज्योतिषीय दृष्टि से, शिवलिंग पर पूजा का एक निश्चित क्रम होता है और यह क्रम अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस क्रम का पालन करने से ही पूजा का पूर्ण फल प्राप्त होता है। ऐसे में शिवलिंग की पूजा के दौरान सबसे पहले जल ही चढ़ाया जाता है। यह एक सर्वमान्य नियम है जिसका उल्लेख शिवपुराण और अन्य धार्मिक ग्रंथों में भी मिलता है।
- भगवान शिव का अभिषेक सबसे पहले शुद्ध जल से किया जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि जलाभिषेक शिव जी को शीतलता प्रदान करता है जल उनके शांत और सौम्य स्वरूप को दर्शाता है और भक्तों के मन को भी शांति प्रदान करता है। पूजा की शुरुआत हमेशा शुद्धिकरण से होती है। जल से शिवलिंग का अभिषेक करके उसे स्वच्छ और पवित्र किया जाता है।
- जलाभिषेक सबसे पहले इसलिए किया जाता है अन्य पूजन सामग्री को अर्पित किया जा सके। जल जीवन का आधार है और सृष्टि में हर जीव को पोषित करता है। शिव को महादेव कहा जाता है और जल चढ़ाकर हम जीवन की निरंतरता और शिव की पोषक शक्ति के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। शिव पुराण और रुद्र संहिता में यह बताया गया है कि शिवलिंग का अभिषेक पहले गंगाजल या शुद्ध जल से करना चाहिए।
- शिवलिंग का सबसे पहले जलाभिषेक करने के बाद दूध, दही, शहद, घी, शक्कर आदि चढ़ाए जाते हैं। इसके बाद फिर से गंगाजल से शिवलिंग को स्नान कराया जाता है और फिर इसके बाद बेलपत्र अर्पित करते हैं। बेलपत्र के बाद फूल, धतूरा, भांग आदि अन्य पूजन सामग्री शिवलिंग पर अर्पित की जाती है। आगे से आप भी शिवलिंग पर सबसे पहले जल चढ़ाएं फिर बेलपत्र अर्पित करें।

सावन में घर में रखें ये चीजें, पूरे महीने बनी रहेगी शुभता

सावन का महीना जिसे श्रावण मास भी कहते हैं, हिंदू धर्म में भगवान शिव को समर्पित सबसे पवित्र महीनों में से एक माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि सावन के महीने में भगवान शिव अपनी पत्नी देवी पार्वती के साथ पृथ्वी पर निवास करते हैं और इस दौरान उनकी पूजा करने से वे विशेष रूप से प्रसन्न होते हैं। भक्त शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र और धतूरा चढ़ाकर शिव का अभिषेक करते हैं जिससे उन्हें मनोकामनाओं की पूर्ति, सुख-समृद्धि और कष्टों से मुक्ति मिलती है। खासकर सोमवार के दिन जिसे सावन का सोमवार कहते हैं शिव मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है और कांवड़ यात्रा भी निकाली जाती है, जो इस महीने की धार्मिक महत्ता को और बढ़ा देती है। सावन का जितना धार्मिक महत्व है उतना ही ज्योतिष शास्त्र में भी विशेष स्थान माना गया है। सावन माह के शुरू होने से पहले या फिर सावन माह के पहले दिन भगवान शिव से जुड़ी इन 5 चीजों को घर में अवश्य रखना चाहिए। इससे कई लाभ भी मिलते हैं।

सावन के दौरान घर में रखें शिवलिंग

घर में एक छोटा शिवलिंग रखना सावन में बहुत शुभ माना जाता है। इसे पूजा स्थान पर स्थापित करना चाहिए और नियमित रूप से अभिषेक करना चाहिए। शिवलिंग घर में साक्षात शिव की उपस्थिति का प्रतीक है। इसे रखने से चंद्रमा ग्रह मजबूत होता है जिससे मानसिक शांति और स्थिरता आती है। यह राहु और केतु के बुरे प्रभावों को भी शांत करता है जिससे जीवन में अप्रत्याशित बाधाएं कम होती हैं। घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। शिवलिंग की पूजा से व्यक्ति को निरोगी काया और दीर्घायु प्राप्त होती है।

सावन के दौरान घर में रखें त्रिशूल

त्रिशूल भगवान शिव का प्रमुख अस्त्र है और यह तीन लोकों भूत, वर्तमान, भविष्य और तीनों गुणों सत्व, रज, तम पर शिव के नियंत्रण का प्रतीक है। सावन में चांदी या तांबे का छोटा त्रिशूल घर में रखना शुभ होता है। त्रिशूल को घर में रखने से मंगल ग्रह मजबूत होता है। यह घर में नकारात्मक शक्तियों और बुरी नज़र से रक्षा करता है। किसी भी प्रकार के तंत्र-मंत्र या टोने-टोटके का प्रभाव नहीं पड़ता। यह घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है, जिससे परिवार में शांति और सद्भाव बना रहता है। यह शत्रुओं पर विजय दिलाने और आत्मविश्वास बढ़ाने में भी सहायक है।

सावन के दौरान घर में रखें रुद्राक्ष

रुद्राक्ष भगवान शिव के अश्रुओं से उत्पन्न हुआ माना जाता है, और इसमें स्वयं शिव का वास होता है। सावन में रुद्राक्ष को घर में लाना और पूजा स्थान पर रखना या धारण करना अत्यंत शुभ है। रुद्राक्ष का संबंध सीधे सूर्य ग्रह और चंद्रमा ग्रह से होता है। इसे धारण करने या घर में रखने से आत्मविश्वास बढ़ता है, निर्णय लेने की क्षमता में सुधार होता है और मन शांत रहता है। यह तनाव और चिंता को कम करता है और एकाग्रता बढ़ाने में सहायक है। रुद्राक्ष पहनने से व्यक्ति को रोगों से मुक्ति मिलती है और आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त होती है। यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकारात्मकता लाता है।

सावन के दौरान घर में रखें डमरू

डमरू भगवान शिव का वाद्य यंत्र है और यह सृष्टि की ध्वनि और लय का प्रतीक है। सावन में छोटा डमरू घर में रखने से शुभ फल प्राप्त होते हैं। डमरू की ध्वनि नकारात्मक ऊर्जा को दूर करती है और घर में सकारात्मक कंपन पैदा करती है। यह शनि ग्रह के बुरे प्रभावों को कम करने में सहायक है। बच्चों के कमरे में डमरू रखने से उनका मन शांत रहता है, भय दूर होता है और पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ती है। यह घर में अमंगल को दूर करता है और बुरी शक्तियों को प्रवेश करने से रोकता है। डमरू घर में सुख, शांति और समृद्धि का वातावरण बनाता है।

सावन के दौरान घर में रखें नाग

भगवान शिव के गले में नाग विराजते हैं, इसलिए नाग उन्हें अत्यंत प्रिय हैं। सावन में घर में धातु का नाग-नागिन का जोड़ा रखना शुभ माना जाता है। इसे मुख्य द्वार के नीचे दबाने या पूजा स्थान पर रखने की परंपरा है। नाग-नागिन का जोड़ा राहु और केतु के नकारात्मक प्रभावों को शांत करता है। यह कालसर्प दोष के निवारण में भी सहायक माना जाता है। इसे घर में रखने से रुके हुए काम बनने लगते हैं और धन-समृद्धि में वृद्धि होती है। यह घर को बुरी नजर और नकारात्मक ऊर्जा से बचाता है। नाग-नागिन का जोड़ा सुरक्षा और संतान प्राप्ति के लिए भी शुभ माना जाता है।

शनिवार के दिन शिव जी से जुड़े करें ये उपाय

भगवान शिव आदि भी हैं और अनंत भी हैं। भगवान शिव भोले भी हैं और क्रोधी भी हैं। ऐसा माना जाता है कि भगवान शिव की आराधना करने से जीवन में सुख-समृद्धि, सौभाग्य, धन-संपदा आदि सभी का वास बना रहता है। ज्योतिष शास्त्र में हर देवी-देवता से जुड़े कुछ उपाय बताये गए हैं जिन्हें उनकी पूजा के साथ-साथ किया जाए तो इससे न सिर्फ देवी-देवताओं की कृपा मिलती है बल्कि कई लाभ भी प्राप्त होते हैं। इसी कड़ी में आज हम जानेंगे शिव जी से जुड़े कुछ उपायों के बारे में, जिन्हें आजमाने से हम भगवान शिव का आशीर्वाद और उनकी कृपा मिलने वाले लाभों को प्राप्त कर सकें।

पारिवारिक शांति के लिए शिव जी का उपाय

एक पीला कपड़ा लें और उस पर लाल चंदन से ऊँ लिखें। फिर ऊँ पर अक्षत छिड़कें। इसके बाद भगवान शिव का ध्यान करते हुए उनके पंचाक्षर मंत्र ऊँ नमः शिवाय का 108 बार जाप करें। जाप समापन के बाद उस कपड़े को अच्छे से लपेटकर घर के मंदिर में रख दें। इससे पारिवारिक एवं वैवाहिक क्लेश दूर होगा। घर में शांति की स्थापना होगी और आपसी प्रेम एवं सौहार्द बढ़ेगा।

धन प्राप्ति के लिए शिव जी का उपाय

अगर आपके रुद्राक्ष की माला है या रुद्राक्ष के मनके हैं तो एक मनका लेकर एक कटोरी में रखें और उसे गंगाजल या दूध से स्नान कराएं। इसके बाद रुद्राक्ष के मनके को लाल धागे में पिरोकर घर की तिजोरी में स्थापित करें। अगर आपके पास रुद्राक्ष की माला है तो उसे गंगाजल में भिगोगर घर के लॉकर में रखें। इससे घर की आर्थिक स्थिति में लाभ मिलने लगेगा और धन प्राप्ति होगी।

सुख-समृद्धि के लिए शिव जी का उपाय

एक बेलपत्र लें और उस पर श्री राम लिखें। फिर उस बेलपत्र को शिवलिंग पर अर्पित कर दें। इसके बाद कोई भी 5 अनाज किसी जरूरतमंद को दान कर दें। इससे घर में सुख-समृद्धि बनी रहेगी। कभी भी घर में अन्न या धन का अभाव नहीं होगा। इसके अलावा, इस दिन आप अगर शिव चालीसा का पाठ करते हैं तो इससे भी शिव जी प्रसन्न होंगे और आप पर उनकी कृपा बरसेगी।

शुरू हो गया है सावन का महीना? सोमवार तिथियां और धार्मिक महत्व

सावन का महीना हिंदू धर्म में भगवान शिव को समर्पित सबसे पवित्र महीनों में से एक है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी महीने में भगवान शिव धरती पर अपनी ससुराल गए थे, जहां उनका स्वागत जल चढ़ाकर किया गया था। यह भी माना जाता है कि समुद्र मंथन के दौरान निकले विष को शिव जी ने इसी महीने पीकर सृष्टि की रक्षा की थी, जिससे वे नीलकंठ कहलाए। इस पूरे महीने भगवान शिव और माता पार्वती की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। वहीं, सावन में पड़ने वाले सोमवारों का विशेष महत्व होता है।

- सावन में भगवान शिव की सच्चे मन से पूजा करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। ऐसा माना जाता है कि जो भी इस महीने में शिव जी को प्रसन्न करता है उसे मनचाहा वर या वधू प्राप्त होता है और संतान प्राप्ति की इच्छा रखने वालों को भी संतान सुख मिलता है।
- सावन में शिव पूजा करने से जीवन की कई परेशानियां दूर होती हैं। यदि आप आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे हैं, करियर में बाधाएं आ रही हैं या वैवाहिक जीवन में उलझनें हैं तो शिव जी की पूजा से इन सब में राहत मिल सकती है। कुंडली में राहु-केतु के अशुभ प्रभाव भी दूर होते हैं।
- शिवलिंग पर जल, दूध, शहद और बेलपत्र चढ़ाने से घर और जीवन से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। इससे घर का वातावरण शुद्ध होता है और सकारात्मकता आती है। शिवजी की पूजा करने से आरोग्य और लंबी आयु का आशीर्वाद मिलता है।
- माना जाता है कि सावन में शिवजी को जल अर्पित करने से आयु की बाधाएं दूर होती हैं और स्वास्थ्य अच्छा रहता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए सावन महीने में कठोर तपस्या की थी।
- इससे शिवजी प्रसन्न हुए और उन्होंने पार्वती जी को वरदान दिया। इसलिए इस महीने में शिव-पार्वती की एक साथ पूजा करने से वैवाहिक जीवन सुखमय होता है और अविवाहितों को योग्य जीवनसाथी मिलता है।

कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़िए क्यों बोलते हैं बोल बम बम भोल

सावन का महीना शुरू हो गया है और इस दौरान शिव भक्त कांवड़ यात्रा निकालते हैं। ऐसे में यात्रा के दौरान कांवरिया बोल बम बम भोले क्यों बोलते हैं, चलिए जानते हैं।

हर साल सावन मास में शिव भक्त कांवड़ यात्रा करते हैं। इस दौरान शिव भक्त अधिक से अधिक संख्या में गंगा नदी या किसी पवित्र नदी के जल को कांवड़ में भरकर भगवान शिव के मंदिर में शिवलिंग पर अर्पित करते हैं। कावड़िया सावन शिवरात्रि के खास अवसर पर शिव जी को गंगा नदी का जल अर्पित करते हैं। कावड़िया पैदल चलते हुए कांवड़ यात्रा को पूरा करते हैं। इस दौरान कांवरिया बोल बम बम भोले मंत्र का जाप करते हुए यात्रा निकालते हैं और शिव जी पर जल चढ़ाने तक इस मंत्र का जाप करते हैं। क्या आपको पता है कि कांवड़ यात्रा के दौरान भक्त बोल बम बम भोले क्यों कहते हैं?

सदियों से सावन मास में कांवड़ यात्रा करने की प्रथा है। इस यात्रा में भगवान शिव का गंगा नदी के जल से अभिषेक किया जाता है और सोमवार का व्रत रखा जाता है। कांवड़िया केसरिया रंग के कपड़े पहन इस यात्रा को शुरू करते हैं। कावड़िया भगवान शिव को प्रसन्न करने और उनकी कृपा पाने के लिए कई किलोमीटर पैदल यात्रा कर शिव जी को जल अर्पित करते हैं। इस यात्रा के लिए जो भी पवित्र, प्रसिद्ध मंदिर और नदी मिले, वहां से यात्रा प्रारंभ कर शिव जी को जल अर्पित किया जाता है। मान्यता है कि कांवड़ यात्रा से भगवान शिव अपने भक्तों से बहुत प्रसन्न होते हैं, और उनकी सभी मनोकामनाओं को पूरा करते हैं।

यात्रा के दौरान बोल बम बम भोले का जयकारा लगाने से कांवड़ यात्रा शिवमय हो जाता है और भक्तों में नया उत्साह और जोश उत्पन्न होता है।

कहा जाता है कि शिव जी के इस नाम का लगातार जाप करने से यात्रा में किसी तरह की बाधा नहीं आती है और बिना विघ्न और बाधा के कावड़ यात्रापूरी होती है।

बता दें कि बोल बम एक सिद्ध मंत्र है, जिसे विस्तार से समझा जाए तो बम शब्द का अर्थ है ब्रह्मा, विष्णु, महेश और ओमकार का प्रतीक है। इस मंत्र का लगातार जाप करने से शरीर में नई ऊर्जा आती है।

कांवड़ यात्रा के दौरान इन बातों का रखें खास ध्यान

सावन का महीना सभी शिव भक्तों के लिए बहुत खास है। शिव भक्त कांवड़िया बन कर ये गंगाजल को कांवड़ में भरकर शिवलिंग पर अभिषेक करते हैं। सावन मास के शुरुआत के साथ ही गंगाजल भरकर कांवड़िया पैदल चलते हुए उस जल से शिवाभिषेक करते हैं। मान्यता के अनुसार कांवड़ियों का मानना है कि कांवड़ भगवान शिव का स्वरूप है, जिसे कभी भी जमीन में रखकर उसका अपमान नहीं करना चाहते हैं। इसके अलावा कांवड़ में भरा हुआ जल भगवान शिव को चढ़ता है, ऐसे में कांवड़िया जमीन पर रखे हुए जल को भगवान शिव के ऊपर नहीं चढ़ाते हैं। जिस मार्ग में कांवड़िया विश्राम के लिए रुकते हैं, उस स्थान में कावड़िया स्टैंड या पेड़ पर कांवड़ को रखते हैं, ताकि कांवड़ जमीन को स्पर्श न हो।

कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ियों को कुत्तों से सावधान रहना चाहिए। शास्त्रों में कुत्ते को भगवान काल भैरवका वाहन कहा गया है। काल भैरव भगवान शिव का संहारक रूप है। बता दें कि कुत्ता तामसिक आहार का सेवन करते हैं, इसलिए इन्हें अपवित्र माना जाता है। इसलिए कुत्तों के द्वारा किसी भी पवित्र चीज को स्पर्श करने बचना चाहिए। बता दें कि यदि कांवड़ के जल को कुत्ता छू ले तो वह अशुद्ध हो जाता है। ऐसे में कांवड़ियों को फिर से जल भरकर लाना पड़ता है और अपनी यात्रा पुनः प्रारंभ करना पड़ता है। कांवड़ यात्रा के दौरान चमड़े की चीजों से दूर रहें और भोजन में मांस-मदिरा का सेवन न करें और अन्य तामसिक और राजसिक भोजन के सेवन से बचें।